ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विधायकों को 50 करोड़ का ऑफर किसने दिया इसका खुलासा करें सीएम... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 15 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-315

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अपमान पर कांग्रेस की शातिराना चुप्पी

कांग्रेस नेता ने सार्वजनिक मंच से कहा

डॉ. अम्बेडकर इस्लाम कबूल करना चाहते थे

शुभ-लाभ सरोकार

दलित और मुस्लिम वोटरों को एक साथ लाने और लुभाने के लिए कांग्रेस ने मर्यादा और प्रामाणिकता की सारे सीमाएं लांघ दी हैं। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर इस्लाम धर्म स्वीकार करने वाले थे, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। उस नेता ने कहा, डॉ. अम्बेडकर इस्लाम धर्म अपना लेते तो पूरा दलित समाज आज मुसलमान होता। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का सरेआम अपमान करने की ऐसी घटना पर सार्वजनिक माफी मांगने के बजाय कांग्रेस पार्टी ने शातिराना चुप्पी साध रखी है। कर्नाटक कांग्रेस के नेता एवं पूर्व विधायक अजीमपीर खदरी ने एक मुस्लिम उम्मीदवार के लिए वोट मांगते हुए दावा कर दिया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर इस्लाम कबूल करने वाले थे और इसके लिए उन्होंने तैयारी भी कर ली थी। खदरी ने कहा कि अगर डॉ. अम्बेडकर इस्लाम कबूल कर लेते तो देश के सभी दलित भी मुस्लिम बन गए होते। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस सरकार के दलित मंत्रियों का मुस्लिम नामकरण भी कर दिया। कर्नाटक के हावेरी में दलितों के आदि जाम्बव

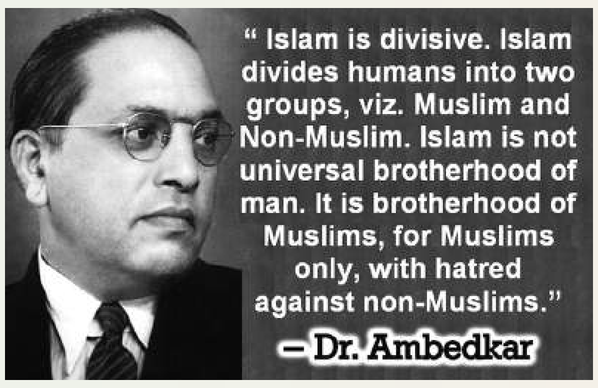

समुदाय के एक समारोह में बोलते हुए अजीमपीर खदरी ने कहा, डॉ. बीआर अम्बेडकर इस्लाम स्वीकार करने के लिए तैयार थे। लेकिन आखिरी समय में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। अगर अम्बेडकर ने इस्लाम धर्म अपना लिया होता तो देश के सभी दलित मुसलमान बन जाते। तब मंत्री जी परमेश्वर को पीर साब, आरबी तिम्मापुर को रहीम साब खान और एल हनुमंतैया को हुसैन साब कहा जाता। खदरी के इस बयान पर विवाद हो गया है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने नेता के इस ओछे बयान पर चुप्पी साध रखी है। खदरी ने बाद में डैमेज कंट्रोल के लिए भले ही माफी मांग ली हो लेकिन उनका यह बयान कि डॉ. अम्बेडकर के जीवन की असलियत को आपराधिक तरीके से तोड़ने मरोड़ने की हरकत है। डॉ. अम्बेडकर की असलियत को सियासतदानों ने दबा कर रखा। इस्लाम को लेकर डॉ. अम्बेडकर की राय पूरी तरह स्पष्ट थी। ▶10पर

...तो आज सारे दलित मुसलमान होते

दलित मंत्रियों को मुस्लिम नाम दिया

छत्रपति संभाजीनगर में कांग्रेस और अघाड़ी पर बरसे पीएम मोदी

अघाड़ी वाले आपको बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाएंगे

संभाजीनगर (महाराष्ट्र), 14 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के संभाजीनगर में आयोजित विशाल चुनावी जनसभा में कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी गठबंधन पर जमकर प्रहार किया। राहुल गांधी को उन्होंने फिर से शहजादा कहा। प्रधानमंत्री ने कहा, अघाड़ी वालों ने महाराष्ट्र की परेशानियों को बढ़ाने के अलावा कोई काम नहीं किया है। मराठवाड़ा में लंबे समय से पानी का संकट रहा है, लेकिन कांग्रेस और अघाड़ी वाले हमेशा हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। हमारी सरकार में पहली बार सूखे के खिलाफ ठोस प्रयास शुरू हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये अघाड़ी वाले आपको बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाएंगे। आपसे अनुरोध है कि इन अघाड़ी वालों को घुसने ही मत देना। इसलिए मैं कहता हूं, भाजप-महायुती आहे, तर गती आहे, महाराष्ट्राची प्रगती आहे। महायुति के लिए हमारा किसान, अन्नदाता है, विकसित महाराष्ट्र का सबसे मजबूत स्तंभ है। यहां

कपास के किसान बहुत बड़ी मात्रा में हैं। हमारी सरकार उनकी आय बढ़ाने के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। कांग्रेस पर हमलावर होते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, सरकार बनाने के लिए विकास पर नहीं, बंटवारे पर भरोसा करती है। कांग्रेस दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को आगे बढ़ने से रोकती है ताकि सत्ता पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी इनका कब्जा बना रहे। इसलिए कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण के खिलाफ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दिनों इंटरनेट पर पुराने अखबारों की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। आरक्षण को लेकर कांग्रेस की असली सोच क्या है, वो उन विज्ञापनों में साफ दिख रहा है। कांग्रेस, आरक्षण को देश के खिलाफ और मेरिट के खिलाफ बताती थी। कांग्रेस की मानसिकता और कांग्रेस का एजेंडा अभी भी वही है। इसलिए पिछले 10 वर्षों से ओबीसी समाज का प्रधानमंत्री इन्हें बर्दाश्त ही नहीं हो रहा है।

ओबीसी समाज का प्रधानमंत्री इन्हें बर्दाश्त ही नहीं हो रहा

पाकिस्तान की भाषा में बात करते हैं कांग्रेस पार्टी के नेता

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे विदेश में जाकर खुलेआम बयान देते हैं कि वो आरक्षण को खत्म कर देंगे। अब अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस और अघाड़ी वाले, एससी/एसटी/ओबीसी समाज को छोटी छोटी जातियों में बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सोच रही है कि ओबीसी जातियों में बंटेगा तो उसकी ताकत कम हो जाएगी और जब समाज की ताकत कम हो जाएगी, तो कांग्रेस को बैठे-बैठे ही ▶10पर

शिक्षा और नौकरी में मुस्लिमों के आरक्षण के बाद ठेके में भी आरक्षण

सरकारी ठेके का 4% कोटा होगा मुस्लिमों के लिए रिजर्व

कर्नाटक सरकार मुसलमान ठेकेदारों को देगी कोटा

सरकार ने इस मुद्दे पर संबंधित विभागों से मांगी राय

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार एक करोड़ रुपए तक की सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत कोटा आरक्षित करने जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस मसले पर कहा, सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा इसकी मांग की गई है।

कांग्रेस के मुस्लिम विधायकों ने कहा है कि यह प्रस्ताव मुस्लिम समुदाय के उत्थान के लिए आवश्यक है। मुस्लिम विधायकों ने कहा कि मुस्लिम ठेकेदारों के लिए चार प्रतिशत कोटा तय करना कोई गलत कदम नहीं होगा। मुस्लिम विधायकों ने कहा कि मुख्यमंत्री को सौंपी गई उनकी याचिका में पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत 1 करोड़ रुपए तक के सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए कोटा तय करने की मांग की गई थी, जो राज्य में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के ठेकेदारों के लिए दिए गए समान आरक्षण के अनुरूप है।

कांग्रेस के मुस्लिम विधायक रिजवान अरशद ने सार्वजनिक अनुबंधों (ठेकों) में मुस्लिम समुदाय के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने के लिए याचिका दाखिल की थी। रिजवान ने बताया, यह मुसलमानों के लिए आवश्यक है क्योंकि ठेकेदारी व्यवसाय में ज़्यादातर प्रमुख समुदायों और उच्च जातियों का वर्चस्व है। नतीजतन, जब कांग्रेस पिछली बार (2013-18 के बीच) सत्ता में थी, तो उसने 50 लाख रुपए तक के सरकारी टेंडरों में एससी/एसटी के लिए 24 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था, जिसे पिछले साल पार्टी के सत्ता में लौटने के बाद बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया था।

मुस्लिम ठेकेदारों के लिए आरक्षण की मांग करने वालों में रिजवान अरशद के अलावा, कर्नाटक सरकार में आवास और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान, नगर प्रशासन और हज मंत्री रहीम खान, सीएम के राजनीतिक सचिव और एमएलसी नसीर अहमद और विधायक तनवीर सैत शामिल हैं। ▶10पर

4800 पंडित परिवारों को कश्मीर वापस लाने की तैयारी

34 साल में सिर्फ 3800 कश्मीरी पंडित ही वापस लौटे

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 नवंबर।

कश्मीरी पंडितों को कश्मीर से पलायन किए हुए 34 साल पूरे हो चुके हैं। घर वापसी की इच्छा पाले कश्मीरी पंडित परिवारों की घर वापसी की कोशिशों को आतंकी लगातार नेस्तनाबूद करते रहे हैं। हालांकि पिछले 15 साल में मात्र 3800 कश्मीरी पंडित कश्मीर लौटे तो सही, पर वे सरकारी कर्मचारी बन कर लौटे। अब एक बार फिर उनकी घर वापसी की योजनाएं तैयार की जा रही हैं जिसके तहत उमर सरकार करीब 4800 परिवारों को कश्मीर वापस लाने की केंद्र की योजना को अमली जामा पहनाने की तैयारी में जुटी है। कड़वी सच्चाई है कि 5 अगस्त 2019 की कवायद के उपरांत एक भी कश्मीरी पंडित परिवार कश्मीर में वापस नहीं लौटा है। ▶10पर

झारखंड के गिरिडीह की रैली में बोले गृह मंत्री अमित शाह

झारखंड में घुसपैठियों का समय खत्म होने वाला है

गिरीडीह, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को झारखंड के गिरिडीह में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में घुसपैठियों का समय खत्म होने वाला है। भाजपा घुसपैठियों को झारखंड से बाहर करेगी। शाह ने वक्फ विधेयक पर भी बात कही और कहा कि उनकी सरकार वक्फ संशोधन विधेयक जरूर लाएगी।

रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि मैं घुसपैठियों को बताना चाहता हूं कि हेमंत सोरेन की सरकार जाने वाली है और इसके साथ ही तुम्हारा समय भी झारखंड में खत्म होने वाला है। भाजपा तुम्हें झारखंड से बाहर करेगी। जिसने भी आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा किया है, उनके खिलाफ कानून लाया जाएगा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस लाना चाहती है। कश्मीर हमारा है और कोई भी उसे हमसे नहीं छीन सकता। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो पाकिस्तान से लगातार आतंकी हमले होते थे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभाली तो सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर आतंकियों का सफाया किया।

अमित शाह ने कहा कि झारखंड में नक्सलवाद की समस्या थी, ▶10पर

कांग्रेस प्रभारी बोले : घुसपैठियों को भी देंगे सस्ता सिलेंडर

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पूरा देश झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हो रहा सामाजिक प्रदूषण से चिंतित है, लेकिन वोट के लोभी घुसपैठियों को पालने पोसने और संरक्षण देने में बेशर्मी से लगे हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने सार्वजनिक मंच से ऐलान किया है कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी तो वे घुसपैठियों को भी सस्ता सिलेंडर देंगे। ▶10पर

पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान देगी डोमिनिकन सरकार

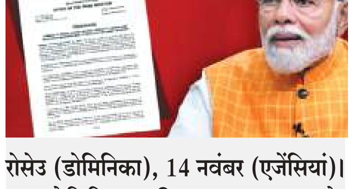

रोसेउ (डोमिनिका), 14 नवंबर (एजेंसियां)।

डोमिनिका की सरकार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करेगी। डोमिनिका सरकार की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुयाना में आयोजित होने जा रहे भारत-कैरीकोम सम्मेलन के दौरान इस सम्मान से नवाजा जाएगा। डोमिनिका गणराज्य ने भारत को अपना सच्चा दोस्त बताया है। ▶10पर

केंद्र ने पौराणिक मस्जिद से मदरसा हटाने की हाईकोर्ट से अपील की

श्रीरंगपटना जामा मस्जिद में चल रहा अवैध मदरसा

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक की प्रसिद्ध श्रीरंगपटना जामा मस्जिद गंभीर विवादों में फंस गई है। एक जनहित याचिका में ऐतिहासिक श्रीरंगपटना जामा मस्जिद को संरक्षित स्थल बताते हुए उसमें संचालित हो रहे मदरसा को बंद कराने और मस्जिद परिसर को खाली कराने की मांग की गई है। इस याचिका पर केंद्र सरकार ने भी कर्नाटक हाईकोर्ट से अपील की है कि वह कर्नाटक सरकार को मदरसा खाली कराने का निर्देश दे। वक्फ बोर्ड ने मस्जिद को अपनी सम्पत्ति बताया है और वहां मदरसा गतिविधियों के संचालन के अपने अधिकार का बचाव किया है।

अभिषेक गौड़ा ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी। इस

याचिका में अभिषेक गौड़ा ने श्रीरंगपटना जामा मस्जिद में अवैध रूप से मदरसा संचालित होने का आरोप लगाया और अदालत से इसे बंद कराने की मांग की। यह याचिका कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिजर जनरल के अरविंद कामथ अदालत में पेश हुए। अरविंद कामथ ने तर्क दिया कि जामा मस्जिद को साल 1951 में संरक्षित स्मारक के रूप में नामित किया गया था। ऐसे में वहां मदरसा संचालन अवैध है। ▶10पर

चीन सीमा पर अरुणाचल प्रदेश का आखिरी गांव विकास में प्रथम

हमारा पीएम ताकतवर, अब चीन से क्या डरना: ग्रामीण

अजॉ (अरुणाचल), 14 नवंबर (एजेंसियां)।

अरुणाचल प्रदेश के भारत-चीन सीमा पर स्थित आखिरी गांव काहो गांव अब तकनीक और ढांचागत विकास में आखिरी नहीं रहा। चीन से लगी सीमा के आखिरी गांव के लोग विकास से प्रसन्न हैं और सुरक्षा को लेकर निश्चिंत। यह गांव लोहित नदी के किनारे, किबिथु के ठीक उत्तर में है। काहो और किबिथु दोनों को भारत के सबसे आखिरी पूर्वी गांवों में गिना जाता है।

चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के इस आखिरी गांव भारतीय सेना ने एक मॉडल गांव के रूप में विकसित किया है। इसे पर्यटन के लिहाज से भी विकसित किया जा रहा है। सेना के इस कदम से क्षेत्र के लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिसमें ग्रामीणों को मुफ्त राशन, चिकित्सा सहायता और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए होम-स्टे शामिल है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक अवसर भी बढ़ रहे हैं। भारत की तरफ से यह आखिरी गांव है जबकि चीन की तरफ से यह पहला गांव है। वैसे तो इधर 116 लोग रहते हैं लेकिन कुछ लोग बाहर चले गए हैं। यहां रहने वाले लोगों को एलएसी के पास होने की वजह से हमेशा चीनियों के आक्रमण का डर सताता रहा है। लेकिन अब यह डर तेजी से समाप्त हो रहा है। गांव की माधुरी ने कहा कि भारतीय सेना केंद्र सरकार की मदद से ग्रामीणों को मुफ्त राशन और चिकित्सा सहायता सहित ▶10पर

ट्रेंडसेटर जेबीएन वी प्रेनर्स की बैठक में सही दृष्टिकोण के साथ में व्यवसाय में वृद्धि पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ट्रेंडसेटर जेबीएन वी प्रेनर्स ने अपनी चौथी बैठक चामराजपेट के जीतो कार्यालय में आयोजित की। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के साथ हुई। शिक्षा सत्र का नेतृत्व एलीराह की संस्थापक और बीजेएस की अध्यक्ष नेहा चौधरी ने किया। उन्होंने उद्यमियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने और विस्तार करने के तरीके पर केंद्रित एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि सही दृष्टिकोण के साथ, व्यवसाय न केवल अपनी पहुंच और राजस्व को बढ़ा सकते हैं बल्कि ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य भी बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि व्यवसाय को बढ़ाने के लिए रणनीतिक योजना, संचालन दक्षता और बदलाव के प्रति अनुकूलता का सही मिश्रण होना चाहिए। सत्र का

समापन तीन मुख्य बिंदुओं पर हुआ, जिसमें नेटवर्किंग सोशल मीडिया प्रमोशन व स्वयं को अपग्रेड करना शामिल था। क्लिक्स एंड गिगल्स की अंजना जैन ने 8 मिनट की एक सूचनात्मक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने अपने व्यवसाय और फोटोग्राफी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फोटोग्राफी एक दृश्य भाषा है, जो बिना शब्दों के कहानियाँ और भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम है। यह अनुभवों और दृष्टिकोणों को संप्रेषित करता है जिन्हें मौखिक रूप से व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने फोटोग्राफी के महत्व को जीवन और व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं में बताया, क्योंकि यह क्षणों, कहानियों और विचारों को पकड़ने, संप्रेषित करने और संरक्षित करने की शक्ति रखता है। बैठक में गिफ्टिंग पार्टनर के रूप में केक्स एंड मून से चंदा पोमानी मौजूद थी। सभी जेबीएन सदस्यों को अपने व्यवसाय को प्रदर्शित करने के लिए 30 सेकेंड का समय दिया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सहयोग के अवसरों को तलाशना और सार्थक वार्तालाप और सहयोग के माध्यम से संबंधों को मजबूत करना था। सत्र का संचालन रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने किया। रेफरल हेड नीलम शांड ने नेहा चौधरी को उनके प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक सत्र के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें टीम और गिफ्टिंग पार्टनर की ओर से गिफ्ट दिया। वी प्रेनर्स के 18 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया, जिसमें 2,69,540 का व्यवसाय हुआ। बैठक का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

कैंसर जागरूकता रैली एवं टॉक शो का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कैंसर जागरूकता अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा बुधवार को प्रात: 10 बजे कैंसर जागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली विजय नगर क्लब रोड से होते हुए मारुति अस्पताल तक निकाली गई।

हॉस्पिटल के डॉक्टर महेश कुमार आर के साथ टॉक शो का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर ने बताया कि हमारे शरीर में कैंसर कैसे और किससे आता है।

डॉक्टर ने बताया कि स्त्री और पुरुष में कहाँ- कहाँ कैंसर हो सकता है तथा किन-किन अंगों को प्रभावित कर सकता है। महिलाओं में मुख्य रूप से ब्रेस्ट और सर्वाइकल तथा पुरुषों में गले, पेट एवं लिवर से संबंधित कैंसर अधिक होता है। कैंसर के

विषय में बताते हुए उन्होंने उसके चार स्टेज की जानकारी दी। साथ ही कहा प्रथम दो स्टेज पर पता चलने से उसका इलाज आसानी से हो सकता है। डॉक्टर ने कहा तंबाकू अल्कोहल जैसे नशीले पदार्थ और अन हाइजीनिक आनपान की आदत से बचकर हम कैंसर की रोकथाम कर सकते हैं। इसके साथ ही हार्मोंस परिवर्तन से भी कैंसर होता है, जिसके लिए जो भी 40 साल से ऊपर के व्यक्ति हैं, वह 6 महीने में अपनी जांच अवश्य करवाते रहे। डॉक्टर ने बताया कि वर्तमान समय में मोबाइल रेडिएशन से भी कैंसर का खतरा देखने में आ रहा है। इसके लिए हमें मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से बचना चाहिए। अध्यक्ष मंजू गादिया ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मंत्री दीपिका गोखरू ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। रैली बहुत ही सुनियोजित ढंग से आयोजित की गई। रैली एवं कार्यक्रम में बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

सॉफ्ट स्किल्स व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के सानिध्य में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर, तेरापंथ किशोर मंडल एपिसोड विजयनगर द्वारा व्यक्तित्व विकास कार्यशाला सॉफ्ट स्किल्स का आयोजन किया गया।

साध्वी सिद्धप्रभा जी ने समय नियोजन एवं ब्रह्म मुहूर्त में स्वाध्याय एवं पढ़ाई का महत्व बताया।

साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने कहा कि हमारे प्रोडक्टिविटी के प्रेरणा श्रोत हमारे गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी से एफिशिएंसी की प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम की शुरुवात साध्वी आस्थाप्रभा जी द्वारा मंगल मंत्रोच्चार से किया

गया। स्वागत वक्तव्य तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने दिया। किशोर मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और मोटिवेशनल ट्रेनर मुकेश भंडारी ने रचनात्मक एवं संवाद परक रूप से कार्यशाला को प्रतिभागियों के लिए सहज बनाया। इस कार्यशाला में अभातेयुप के सीपीएस के राष्ट्रीय मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, तेयुप उपाध्यक्ष विकास बांठिया, सहमंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, महिलामंडल मंत्री दीपिका गोखरू कार्यकारिणी सदस्य, श्रावक श्राविका समाज की उपस्थिति रही।

व्रत चेतना एवं तपस्या अभिनंदन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर बेंगलूरु में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु (तेयुप) द्वारा सम्मान व्रत चेतना - सम्मान बारह व्रत कार्यक्रम का आयोजन साध्वी उदितयशा जी के सानिध्य में किया गया।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्रत संकल्पों के प्रति चेतना जाग्रत करना तथा संयम और मर्यादित जीवन का महत्व प्रतिपादित करना था। साध्वी श्री उदितयशा जी ने अपने आध्यात्मिक प्रवचन में श्रावकों के लिए भगवान महावीर के बताए हुए संयम पथ की व्याख्या करते हुए कहा कि पूर्ण

संयम का पालन कठिन हो सकता है, परंतु आवश्यक्ताओं का सीमांकन कर और भौतिक वस्तुओं के उपभोग में मर्यादा रखकर एक व्रती जीवन सहजता से अपनाया जा सकता है। साध्वीश्री जी ने बताया कि यदि व्रत चेतना को जाग्रत किया जाए, तो ये संकल्प हमारे जीवन को संयममय और पवित्र बनाएंगे, जो धर्म के सच्चे मार्ग पर अग्रसर होने का आधार है। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी उदितयशा जी द्वारा मंगल मंत्रोच्चार के साथ हुई, जो वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने साध्वी की प्रेरणा और परिश्रम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उपस्थित जनों का स्वागत किया।

इस अवसर पर 12 व्रती श्रावक-श्राविकाओं का अभिनंदन किया गया, जो समाज में संयम और व्रत संकल्प की मिसाल बन गए हैं। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री राकेश कुमार चोरड़िया द्वारा किया गया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, ज्ञानशाला से माणक चंद संचेती, पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया, महिला मंडल अध्यक्षा रिजुबाला डुंगरवाल एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति, श्रद्धालु और धर्मानुरागी उपस्थित रहे।

हाला संघ की पारम्परिक दादा गुरुदेव की पूजा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जैन श्वेताम्बर खतरगच्छ हाला संस्थान बेंगलूरु शाखा द्वारा कार्तिक शुक्ला ग्यारस के उपलक्ष्य में हाला संघ की पारम्परिक दादा गुरुदेव की पूजा का आयोजन विमलनाथ मंदिर दादावाड़ी बसवनगुड़ी में किया गया। पूजा कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र एवं दादागुरुदेव के इक्तीसा द्वारा किया गया।

हाला संघ बेंगलूरु के शाखा संयोजक विकास पारख ने उपस्थित हाला परिवार के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए पूजा कार्यक्रम की व्यवस्था को संचालित करने में विशेष योगदान दिया।

हाला संघ के अध्यक्ष रवि कुमार रतनपुरा ने हाला परिवार के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित की। पूजा

का गायन मधुर भजनों के साथ नितेश मुन्नी बोहरा द्वारा बाजते गाजते किया गया।

बाल गायक मनन मुन्नी बोहरा ने अत्यंत सुंदर भजन की प्रस्तुति दी। श्री मणिप्रभ सागर सूरीश्वर जी के शिष्य रत्न श्री मलयप्रभ सागर जी एवं श्रीसुलोचना श्रीजी की सुशिष्या प्रिय स्वर्णनाजना श्रीजी ने मधुर भजनों से दादा गुरुदेव को भक्ति एवं पूजा के भावों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए। हाला परिवार के सदस्यों ने गुरुदेव के प्रति आस्था एवं भक्ति नृत्य एवं पूजा पढाकर समर्पित की। इस अवसर पर हाला संघ के सदस्य संगीता नंदू पारख, रीता पारख, संगीता विकास पारख, श्वेता मुन्नी बोहरा, वंदना चोपड़ा एवं सपना चोपड़ा का योगदान रहा।

मुमुक्षु का अभिनन्दन बहुमान समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में कारोला मुम्बई निवासी मुमुक्षुद्वय ममता मरडिया सुपुत्री मफतलाल मरडिया और दामिनी मरडिया सुपुत्री किशनलाल मरडिया का अभिनन्दन बहुमान मुनि श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वीजीवर्या श्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की पावन निश्रा और सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, संघवी तेजराज गुलेच्छा, उम्मेदमल बाफना, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, पुखराज कवाड ने मुमुक्षु का माला, शाल और स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया

ने बताया कि दोनों मुमुक्षुओं की जैन भगवती दीक्षा 6 मार्च को मुम्बई में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी के सुशिष्य उपाध्याय प्रवर श्री मनितप्रभ सागर जी के कर कमलों और गच्छ गणिनी साध्वी सुलोचना श्री जी के सान्निध्य में सम्पन्न होगी। मुमुक्षु के अभिनन्दन में गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि जो आत्मा जन्म मरण से मुक्ति और मोक्ष के लिए प्रयासरत हैं, वहीं मुमुक्षु है। जीवन में चार दृष्टि होनी चाहिए। पहली माइक्रोस्कोप जैसी दृष्टि जिसमें हमारा छोटे से छोटा पाप और दोष रज की भांति से गज की भांति हमें बड़ा लगे। दूसरी एक्स रे जैसी दृष्टि जिसमें हमारे अन्दर की पूरी संरचना दिखाई दे, जिससे हम अपने मूल तत्व आत्मा को जान सकें। तीसरी दूरबीन जैसी दृष्टि जिससे हम दूर की दृष्टि देख और समझ सकें। साथ ही हमारे परभव को भी देख सकें। हमारा जैसा आज का वर्तमान होगा वैसा ही हमारा परभव होगा। चतुर्थ दृष्टि टेलीस्कोप जैसी दृष्टि हमें रखनी चाहिए, जिससे हम हमारा ऊर्ध्वगामी लक्ष्य मोक्ष को देख सकें, जो कि हमारी आत्मा का परम पद और अन्तिम लक्ष्य है। मोक्षपुरी और सिद्धगति में हमारा स्थान बनाना है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। शुक्रवार को प्रातः छह बजे कार्तिक पूर्णिमा की आराधना निमित्त शत्रुंजय महातीर्थ की भाव यात्रा और चैत्यवन्दन करवाए जाएंगे। तत्पश्चात गुरुदेव और गुरुवर्या श्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

पहले तोले फिर बोले नामक कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित खुशी का रास्ता कार्यशाला के 7वें चरण के तहत पहले तोले फिर बोले नामक कार्यशाला का आयोजन आर.आर नगर महिला मंडल क्षेत्र के अंतर्गत बिडदी सरकारी मादरी हिरिया प्राथमिक विद्यालय में अध्यक्ष सुमन पटावरी के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यशाला की शुरुआत सुशीला देवडा द्वारा नमस्कार महामंत्र से की गई।

महाप्राण ध्वनि का प्रयोग सीमा दक ने करवाया। कक्षा में बच्चों को विभिन्न घटनाओं एवं कहानी

के माध्यम से पहले तोले फिर बोले विषय के बारे में बताया गया। मधुर भाषी किस तरह सबका दिल जीत लेता है के बारे में बताया गया। सही समय पर उचित शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। सोच कर फिर बोले ना कि बोलने के बाद सोचें। सदस्यों ने बच्चों को सही गलत की पहचान कराते हुए जीवन में इन बातों को उतारने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को खेल भी खिलाएं गए। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए उनमें उपहार का वितरण किया गया। सकारात्मकता के साथ कार्यशाला संपन्न हुई। संयोजिका पूनम दक का पूर्ण सहयोग रहा।

श्री नाकोड़ा पार्श्व भक्ति और भैरव चालीसा रविवार को

ब्यावर संघ युवा शाखा और नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस के सदस्यों ने किया बैनर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री ब्यावर संघ युवा शाखा, बेंगलूरु द्वारा श्री नाकोड़ा पार्श्व भक्ति और भैरव चालीसा कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया जाएगा। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक द्वारा यह परमात्मा की भक्ति की जाएगी जिनकी तरफ से विगत आठ वर्षों से अखंड भक्ति और चालीसा प्रति रविवार को बेंगलूरु के अनेक स्थानों पर की जा रही है। भक्ति कार्यक्रम दोपहर एक बजे से रात्रि आठ बजे तकश्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन बसवनगुड़ी में आयोजित होगी। इस निमित्त बैनर का अनावरण युवा शाखा और श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किया गया। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने जानकारी देते हुए कहा कि शाम सात बजे भव्य 108 दीपकों से परमात्मा की आरती की जाएगी। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी प्रकाश कंवर रेखचन्द डाकलिया परिवार, संतोष देवी चेतन कुमार रेदासनी परिवार, विनोद कुमार अमित कुमार डांगी परिवार, पुष्पा देवी सज्जनराज कोठारी परिवार हैं। ब्यावर संघ के महामंत्री अरविंद कोठारी के साथ युवा शाखा के समस्त सदस्य और श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष वंशराज बोहरा, महामंत्री रोहित नाहटा, समन्वयक सुशील बाफना व अन्य सदस्य भी भक्ति कार्यक्रम को सफल करने की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम में श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु की अनेक संघ संस्थाओं के सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया है।

विधायकों को 50 करोड़ का ऑफर किसने दिया, इसका खुलासा करें सीएम: विजयेंद्र

काल्पनिक कहानियां बनाकर नाटक कर रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उनका दावा है कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। हालांकि, अब भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता को चुनौती दी है कि वह अपने दावों को साबित करें। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चुनौती दी कि वह अपने आरोप के स्रोत का खुलासा करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का अपने ही विधायकों पर से विश्वास उठ गया है और इसलिए वह झूठे आरोप लगा रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री अपने दावे को सिद्ध करने में नाकाम रहे तो लोग उन्हें कभी गंभीरता से नहीं लेने वाले। विजयेंद्र की चुनौती पर सिद्धरामैया ने टिप्पणी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। आप मुझसे उस व्यक्ति के बारे में क्यों पूछ रहे हैं जो हाल ही में (राजनीति में) आए हैं। इसके अलावा, अपने दावे पर उन्होंने कहा मैंने वही कहा जो उन्होंने पहले किया था। मैंने कहा कि उन्होंने 50 करोड़ रुपये की पेशकश करके सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, जिसमें वे सफल नहीं हुए। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए भी इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, जिससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है। आपकी अपनी सरकार है और आपकी अपनी जांच एजेंसियां हैं। इसलिए यह आपकी नैतिक जिम्मेदारी है कि आप लोगों को 50 करोड़ रुपये के रिश्वत के आरोप के स्रोत का खुलासा करें। अन्यथा आपका बयान बचकाने राजनीतिक बयान से ज्यादा कुछ नहीं रह जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम विधायकों को नियंत्रण में रखने और अपने आसपास के भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए झूठ बुन रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को तत्काल अपने स्तर पर यह मामला उठाना चाहिए और तत्काल जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को सच्चाई पता होनी चाहिए। शायद लगता है कि आपको अपने विधायकों पर भरोसा नहीं रह गया है, तभी तो आप मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं कि वे 50 करोड़ में बिक रहे हैं। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था और विधायकों को वस्तु के रूप में परिभाषित करना उनका अपमान है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राजनीतिक ज्ञान रखने वालों को भी यह एहसास होगा कि यह बयान कांग्रेस विधायकों को धोखे में रखने और अपने आसपास के भ्रष्टाचार के घोटालों पर पर्दा डालने के लिए बुना गया एक हताश झूठ है। आपका और आपकी पार्टी का दैनिक मंत्र झूठ, पाखंड, मनगढ़ंत खबरें फैलाना है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि आपके द्वारा किए गए घोटालों की शृंखला की पृष्ठभूमि मजबूत होने से आपकी नींद टूट गई है, ऐसा लगता है कि आप इस पृष्ठभूमि पर नजर रख रहे हैं कि इस पृष्ठभूमि में चल रहे विकास को कैसे बाधित किया जाए। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठकर आप ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जिससे इसकी गरिमा गिरती है। एक तरफ आपके बेटे पर न्याय व्यवस्था का अपमान करने का आरोप है और दूसरी तरफ आप सत्ता खोने के डर से हताशा में काम कर रहे हैं। आप चिल्ला रहे हैं कि अगर आपको सत्ता से हटा दिया गया तो लोग आपको अकेला नहीं छोड़ेंगे। लेकिन हकीकत तो ये है कि कर्नाटक की जनता ने आलोचना की है कि आप जैसा भ्रष्ट मुख्यमंत्री बिना पद छोड़े सड़क पर खड़ा होकर भ्रष्टाचार की बात कर रहा है। यह बात आपके खुफिया विभाग ने आप तक पहुंचाई होगी। विजयेंद्र ने व्यंग्य करते हुए कहा कि इसीलिए आप इतने विचलित हैं और काल्पनिक कहानियां बनाकर नाटक कर रहे हैं।

सीएम सत्ताधारी दल के विधायकों, आलाकमान को डराने की कर रहे कोशिश: सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव और विधायक सुनील कुमार ने उपचुनाव के नतीजों से पहले ही अपनी सीट से बेदखल होने की भावना को ध्यान में रखते हुए झूठ बोलने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की आलोचना की है कि भाजपा हमारे विधायकों को खरीद रही है। शहर के मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि कांग्रेस में चल रहे घटनाक्रम और नेताओं की आंतरिक बैठकों से मुख्यमंत्री की कुर्सी को खतरा होगा।

उन्होंने बताया कि बेलगावी अधिवेशन नये मुख्यमंत्री के साथ होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस आलाकमान राज्य में मुख्यमंत्री को बदल देगा। मुख्यमंत्री ने अपने अब तक के कार्यकाल में सौ झूठ बोले हैं और उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि यह एक सौ पहला झूठ है। उन्होंने विश्लेषण किया कि सत्ता पक्ष को धमकाने के लिए विपक्ष के कंधे पर बंदूक रखकर सत्ता पक्ष के विधायकों और आलाकमान को डराने की कोशिश के पीछे मुख्यमंत्री का यह बयान है। मुडा कांड, वाल्मीकि कांड से विधायकों में बड़े पैमाने पर आक्रोश है। यह महसूस करते हुए कि उनकी सीट खतरे में है, ऐसा लगता है कि वह अप्रत्यक्ष रूप से अपने विधायकों पर पकड़ बनाए रखने के लिए उन्हें 50 करोड़ का ऑफर देने की बात कह रहे हैं। सरकार को दो साल हो गये, बिना फंडिंग के विकास कार्य पूरी तरह से चौपट हो गये, इससे सत्ताधारी दल के विधायक परेशान हैं। उन्होंने बताया कि सीएम कार्यालय देख रहा है कि बैठकें अलग-अलग समूहों में हो रही हैं। अपने विधायकों को बचाए रखने के लिए मुख्यमंत्री ने अप्रत्यक्ष संदेश दिया है। उपमुख्यमंत्री ने भी अपने विधायकों को यही संदेश दिया है कि मैं कुछ कम नहीं हूं। सिद्धरामैया का आलाकमान कार्यकाल खत्म हो रहा है। यह सब समझते हुए मुख्यमंत्री ने आलाकमान को यह संदेश देने की कोशिश की है कि उन्हें हाथ न लगाया जाए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने अपने करीबी विश्वासपात्र जारकीहोली के बारे में आलाकमान को बताने की पहले ही कोशिश की है। अगले कुछ दिनों में देखना होगा कि क्या होता है।

श्रीरंगपटना जामा मस्जिद में चल रहे मदरसा पर विवाद

केंद्र की उच्च न्यायालय से इसे खाली कराने की अपील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की प्रसिद्ध श्रीरंगपटना जामा मस्जिद फिर से विवादों में फंस गई है। दरअसल एक जनहित याचिका में ऐतिहासिक श्रीरंगपटना जामा मस्जिद को संरक्षित स्थल बताते हुए उसमें संचालित हो रहे मदरसा को बंद कराने और मस्जिद परिसर को खाली कराने की मांग की है। इस याचिका पर केंद्र सरकार ने भी कर्नाटक उच्च न्यायालय में अपील की है कि वे कर्नाटक सरकार को मदरसा खाली कराने का निर्देश दें। वहीं जनहित याचिका का विरोध करते हुए वक्फ बोर्ड ने मस्जिद को अपनी संपत्ति बताया है और वहां मदरसा गतिविधियों के संचालन के अपने अधिकार का बचाव किया है। दरअसल अभिषेक गौड़ा नाम के एक व्यक्ति ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका में अभिषेक गौड़ा ने श्रीरंगपटना जामा मस्जिद में अवैध रूप से मदरसा संचालित होने का आरोप लगाया और अदालत से इसे बंद कराने की मांग की। यह याचिका कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिजर जनरल के अरविंद कामथ अदालत में पेश हुए। अरविंद कामथ ने तर्क दिया कि जामा मस्जिद को साल 1951 में संरक्षित स्मारक के रूप में नामित किया गया था। ऐसे में वहां मदरसा संचालन अवैध है। कामथ ने उच्च न्यायालय से अपील की कि वे कर्नाटक सरकार और मांड्या जिला प्रशासन को मदरसा खाली कराने का निर्देश दें। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड के वकील भी पेश रहे। उन्होंने अपने बचाव में केंद्र सरकार के अनुरोध का विरोध किया। कर्नाटक सरकार और वक्फ बोर्ड के वकीलों का कहना है कि साल 1963 में वक्फ बोर्ड को इस संपत्ति के मालिक के रूप में मान्यता दी गई थी। ऐसे में वहां मदरसा का संचालन पूरी तरह से वैध है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 20 नवंबर तक टाल दी।

भाजपा, जेडी-एस कांग्रेस सरकार को गिराने की कोशिश कर रही: परमेश्वर

हम ऐसा नहीं होने देंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि विपक्षी दल भाजपा और जेडी-एस राज्य में कांग्रेस सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि भाजपा और जेडी-एस कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। वे मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले और अन्य मामलों को उठाते हैं। वे सरकार को परेशान करने के लिए तैयार हैं और वे जानते हैं कि यह संभव नहीं हैं। विधायकों को ऑफर देना उनकी आदत बन गई है। महाराष्ट्र में लोग कहते हैं कि भाजपा ने पैसे देकर 42 विधायकों को खरीदा था। उन्होंने वहां सरकार गिराई और उसके बाद अपनी सरकार बनाई।

परमेश्वर ने कहा उन्होंने पहले भी यहां ऐसा किया है और अब भी वे ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार गिराने की भाजपा और जेडी-एस की इस कोशिश पर जनता फैसला करेगी। वे विकास को अनदेखा नहीं करेंगे। उन्हें कभी-कभी गुमराह किया जा सकता है और हम समुदाय के सामने जाकर चीजों से अवगत कराएंगे। लोग उन्हें आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे और वे उन्हें अस्वीकार कर देंगे। हम इस बारे में चिंतित नहीं हैं। हम सरकार को अस्थिर और गिराने नहीं देंगे। हालांकि, लोकतंत्र में इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा सरकार को इतना बड़ा जनादेश मिला है और अगर वे इसे गिराने की कोशिश करेंगे तो यह अच्छा नहीं लगेगा। अगर हमारी तरफ से कोई खामियां हैं तो उन्हें लोगों के पास जाकर हमें बेनकाब करना चाहिए। लोकतंत्र में यह अच्छी बात नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा यह कहे जाने के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये देने की कोशिश कर रही है, परमेश्वर ने कहा अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को ऐसा बयान जारी करना है तो उन्हें इस प्रस्ताव के बारे में कुछ जानकारी होगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री का बयान सार्थक है। आंतरिक आरक्षण के बारे में बात करते हुए परमेश्वर ने कहा आंतरिक आरक्षण पर निर्णय जल्द ही लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश नागमोहन दास समिति गठित की है और तीन महीने में रिपोर्ट मांगी है। यह अच्छी बात है।

हमें अनुभवजन्य डेटा की आवश्यकता है और जैसे ही यह प्रस्तुत किया जाएगा, सरकार निर्णय लेगी। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि अनुभवजन्य डेटा कैसे एकत्र किया जाता है और मुझे इस संबंध में उनके लिए क्या आदेश है, यह भी नहीं पता। जब सेवानिवृत्त न्यायाधीश नागमोहन दास से 40 प्रतिशत कमीशन घोटाले की जांच करने वाली समिति का नेतृत्व करने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें सहायक कर्मचारी मिलेंगे और वे सभी आवश्यकताओं को पूरा करेंगे और इससे उन पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। कोई ओवरलैपिंग नहीं होगी।

वक्फ दावों के पीछे भू-माफिया का हाथ : शोभा करंदलाजे

ऐसे लोगों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि एक शक्तिशाली भू-माफिया वक्फ दावों की आड़ में किसानों और गरीबों से जमीन हड़पने का प्रयास कर रहा है।

एर्णाकुलम जिले के मुनंबम का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, जहां लगभग 600 परिवार वक्फ भूमि दावों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, केंद्रीय मंत्री ने माफिया पर भूमि जिहाद करने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने कहा 1954 में, जब वक्फ अधिनियम लागू किया गया था, तब वक्फ बोर्ड के पास देश भर में सिर्फ 10,000 एकड़ जमीन थी। आज, यह रक्षा और रेलवे के बाद भारत में तीसरा सबसे बड़ा भूस्वामी है, जिसके पास 38 लाख एकड़ जमीन है। यह सारी जमीन कहां से आई?। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहीं केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि वह वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष उनकी शिकायतें रखेंगी। शोभा करंदलाजे ने आगे आरोप लगाया कि देश भर में इसी तरह की भूमि अधिग्रहण हो रहे हैं। मुनंबम के निवासियों के पास 2019 तक जमीन थी और इसे पूर्वव्यापी प्रभाव से उन्हें वापस किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा पहले, भूमि अभिलेखों में किसानों और अन्य लोगों को मालिक के रूप में दिखाया जाता था, लेकिन अब इन जमीनों पर वक्फ बोर्ड का दावा है। अकेले कर्नाटक में, लगभग 29,000 एकड़ जमीन मुस्लिम नेताओं द्वारा कब्जा कर ली गई है। बता दें कि चेराई और मुनंबम के निवासियों ने वक्फ बोर्ड पर पंजीकृत विलेख और भूमि कर भुगतान रसीदें रखने के बावजूद उनकी जमीन और संपत्तियों पर अवैध रूप से दावा करने का आरोप लगाया है। जबकि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। संरक्षण समिति ने गुरुवार को अपना 33वां दिन शुरू किया। इस पर केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के पारित होने के बाद यह मुद्दा सुलझ जाएगा।

कांग्रेस विधायकों को 50 करोड़ की पेशकश वाले सीएम के दावे का शिवकुमार ने किया समर्थन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस दावे का समर्थन किया कि भाजपा ने राज्य सरकार को गिराने के प्रयास में 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की है। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा भाजपा ने वास्तव में 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये का लालच दिया है। उन्होंने सिद्धरामैया के बयान का बचाव किया और कहा कि कांग्रेस विधायकों को भाजपा के कथित ऑपरेशन लोटस के बारे में जानकारी दी गई थी। यह शब्द भाजपा द्वारा खरीद-फरोख्त के जरिए सत्तारूढ़ सरकारों को अस्थिर करने के प्रयासों को वर्णित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। शिवकुमार ने कहा हमारे कुछ विधायकों ने इस मामले के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी और उन्होंने इसे मीडिया के साथ साझा किया। मैसूरु में एक कार्यक्रम में सिद्धरामैया ने इस दावे को दोहराया कि कांग्रेस के किसी भी विधायक ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने भाजपा पर उन्हें हटाने और उनकी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का भी आरोप लगाया।

मुडा घोटाला मामला : पूर्व अध्यक्ष ने ईडी के समक्ष दर्ज कराया बयान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के पूर्व अध्यक्ष के. मैरीगौड़ा गुरुवार को मुडा मामले के संबंध में अपना बयान दर्ज कराने के लिए मध्य बेंगलूरु के शांतिनगर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती से जुड़े कथित मुडा घोटाले की जांच तेज करने वाली केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा समन भेजे जाने के बाद मैरीगौड़ा ईडी कार्यालय पहुंचे। अक्टूबर में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मैरीगौड़ा ने मुडा के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। माना जाता है कि वह सिद्धरामैया के विश्वासपात्र हैं। ईडी ने पिछले महीने बेंगलूरु में मुडा के पूर्व अधिकारियों के घरों पर व्यापक तलाशी ली थी। छापेमारी के बाद, प्रमुख जांच एजेंसी ने अपनी जांच तेज कर दी है और मामले में कई हितधारकों को तलब किया है। जानकार सूत्रों ने दावा किया कि पूछताछ पहले की छापेमारी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों के आधार पर की गई है। बुधवार को रायचूर से सांसद जी कुमार नाइक जांच एजेंसी के समन के बाद जांच के लिए ईडी कार्यालय में पेश हुए। ईडी अधिकारियों ने मामले के सिलसिले में नाइक से 3 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। नाइक एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं, जिन्होंने 2002 से 2005 तक मैसूरु डीसी के रूप में कार्य किया था। ईडी की पूछताछ के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, नाइक ने कहा कि अधिकारियों ने उनसे मैसूरु डीसी के रूप में पारित एक भूमि परिवर्तन आदेश के बारे में पूछताछ की। जांच एजेंसी ने बुधवार को मामले के सिलसिले में सिद्धरामैया के एक और करीबी सहयोगी सीटी कुमार से भी पूछताछ की। कुमार से भी कई घंटों तक पूछताछ चली।

शुभ लाभ DAILY

पानी के बिल पर ग्रीन सेस लगाने की तैयारी कर रही सरकार?

डिप्टी सीएम ने ऐसे किसी प्रस्ताव से किया इंकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की सरकार पानी के बिलों पर ग्रीन सेस (हरित उपकर) लगाने की तैयारी कर रही है। दरअसल कर्नाटक सरकार के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने राज्य के वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को प्रस्ताव पेश करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का कहना है कि सेस के पैसे से पश्चिमी घाटों का विकास किया जाएगा, जो पर्यावरण के लिहाज से बेहद अहम हैं। हालांकि डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने ऐसे किसी भी प्रस्ताव से इनकार किया। कर्नाटक

के वन एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को भेजे पत्र में निर्देश दिया है कि वे सात दिनों के भीतर एक प्रस्ताव पेश करें, जिससे कस्बों और शहरों में पानी के बिलों पर दो या तीन रुपये का ग्रीन सेस लगाया जा सके। ग्रीन सेस से मिले पैसों से एक कोष बनाया जाएगा, जिससे पश्चिमी घाटों का संरक्षण होगा। गौरतलब है कि पश्चिमी घाट न केवल जैव विविधता के लिए अहम स्थल हैं, साथ ही ये तुंगा, भद्रा, कावेरी, काबिनी, हेमावती, कृष्णा, मालाप्रभा, घाटप्रभा और अन्य नदियों का स्रोत भी हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने बताया कि अधिकारियों से मिले प्रस्ताव को मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा। खंड्रे ने अपने पत्र में लिखा कि पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी तंत्र और कर्नाटक राज्य के लिए जीवन रेखा है।

राज्य के शहरों और कस्बों को जो पानी की आपूर्ति की जाती है, वह पश्चिमी घाट से निकलने वाली नदियों के पानी से ही की जाती है। ग्रीन सेस के पैसे से एक फंड बनाया जाएगा और उस फंड के पैसों से पर्यावरण विभाग किसानों द्वारा बेची जा रही जमीन की खरीद करेगा और मानव-हाथी संघर्ष को रोकने के लिए वन सीमाओं पर अवरोध भी लगाने की योजना है। इस फंड के पैसे को कहीं और खर्च नहीं किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि लोग हमेशा पानी के उपचार तथा परिवहन के लिए भुगतान करते हैं। कोई भी पानी के स्रोत के बारे में नहीं सोचता। यह उपकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा उनके द्वारा उपभोग किए जा रहे पानी के महत्व को समझने में मदद करेगा। पश्चिमी घाट क्षेत्र खतरे में हैं तथा वन क्षेत्रों को संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है।

वहीं कर्नाटक के डिप्टी सीएम और पार्टी के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार ने पानी के बिलों पर ग्रीन सेस लगाने की खबरों को गलत बताया और कहा कि सरकार की तरफ से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। डीके शिवकुमार ने कहा कि ये सब फर्जी खबर है और इसे भाजपा द्वारा फैलाया जा रहा है।

मोदी के आरोप पर दी प्रतिक्रिया

कोई भी आरक्षण नहीं हटा सकता: मल्लिकार्जुन खड़गे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जोर देकर कहा कि कोई भी आरक्षण को हटा नहीं सकता और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह स्वयं आरक्षण की रक्षा करने वाले हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आरोप पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि कांग्रेस के पास आरक्षण के संबंध में खतरनाक इरादे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कोई भी आरक्षण को हटा नहीं सकता। यह पीएम मोदी नहीं हैं जिन्होंने आरक्षण लाया। यह बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा लाया गया था। हम इसे कभी खत्म नहीं होने देंगे। पीएम मोदी का कहना है कि वह स्वयं आरक्षण की रक्षा करने वाले हैं। यह पीएम मोदी द्वारा बुधवार को झारखंड के सारथ में एक अभियान रैली के दौरान अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण के संबंध में खतरनाक इरादों के लिए कांग्रेस पर हमला करने के बाद आया है। पीएम मोदी ने पार्टी पर लगातार आरक्षण नीतियों का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य इन समूहों के अधिकारों को कमजोर करना है। उनकी यह टिप्पणी झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच मतदाताओं से एक बड़ी अपील का हिस्सा थी।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कांग्रेस के राजकुमार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण को समाप्त करना चाहते हैं। जब उनके पिता (राजीव गांधी) कांग्रेस के सर्वोच्च नेता थे, तब उन्होंने आरक्षण को समाप्त करने की घोषणा की थी। लेकिन एससी, एसटी, ओबीसी की एकता के कारण वे चुनाव बुरी तरह हार गए। तब से लेकर आज तक कांग्रेस को केंद्र सरकार में कभी भी पूर्ण बहुमत नहीं मिला। आज भी जिन राज्यों में एससी, एसटी, ओबीसी की आबादी अधिक है, वहां कांग्रेस का सफाया हो गया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों को विभाजित करने का प्रयास कर रही है, ताकि उनके सामूहिक प्रभाव को कमजोर किया जा सके। इसलिए कांग्रेस ने एक नई साजिश रची है। कांग्रेस ने आपकी आंखों में धूल झोंकने के लिए एक नया खेल खेला है। ये लोग एससी, एसटी, ओबीसी की सामूहिक शक्ति को तोड़ना चाहते हैं। उसके टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं।

हाईकोर्ट में केंद्र सरकार का जवाब

ब्रेस्ट मिल्क बिजनेस से जुड़े लाइसेंस रद्द करने के दिए निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार ने बुधवार को कर्नाटक हाईकोर्ट को ब्रेस्ट मिल्क को इकट्ठा करने, और उसका बिजनेस करने की अनुमति देने वाले लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट मुनेगौड़ा नामक व्यक्ति द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रहा था। सुनवाई के दौरान कर्नाटक हाईकोर्ट के लिए भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अरविंद कामथ ने मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और जस्टिस केवी अरविंद की पीठ को बताया कि केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने हाल ही में कर्नाटक सरकार को ऐसे लाइसेंसों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अरविंद कामथ ने कहा केंद्र सरकार ने राज्य को ऐसे सभी लाइसेंस को रद्द करने का निर्देश दिया है। कुछ कंपनियों को आयुर्वेदिक मानदंडों के तहत लाइसेंस प्राप्त हुए थे, जो ब्रेस्ट मिल्क का बिजनेस करने की अनुमति देता है। हालांकि, सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। राज्य ने कुछ लाइसेंस रद्द कर नियम का पालन किया

है। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील बी. विश्वेश्वरैया ने पैकेज्ड ब्रेस्ट मिल्क की 50 मिली. की बोतल और पाउडर ब्रेस्ट मिल्क का 10 ग्राम का पैकेट पेश किया। दोनों की बिक्री कीमत क्रमशः 1,239 रुपये और 313 रुपये बताई गई। कामथ ने बताया कि इस लाइसेंसों को पहले आयुर्वेदिक मानदंडों के तहत जारी किए गए थे, लेकिन हाल ही में इसे रद्द करने की मांग की गई। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस मामले में केंद्रीय मंत्रालय को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया और नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई चार दिसंबर को होगी।

सिद्धरामैया के बचाव में आए कई मंत्री

सभी जानते हैं कि भाजपा ने महाराष्ट्र में कैसे काम किया : एचके पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया द्वारा भाजपा पर उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रचने के आरोपों के बाद राज्य के मंत्री एचके पाटिल ने कहा हमारे सीएम को विश्वसनीय जानकारी मिली होगी और जिस तरह से भाजपा काम कर रही है और उनके नेता बात कर रहे हैं, उससे पता चलता है कि वे उस तरह का प्रयास कर रहे हैं।

आप सभी जानते हैं कि उन्होंने महाराष्ट्र में कैसे काम किया। इन सबको ध्यान में रखते हुए सीएम ने ऐसा कहा है। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है, हमारे विधायक

और पार्टी मजबूत हैं और हमारी सरकार स्थिर है। राज्य के मंत्री डॉ एमसी सुधाकर ने कहा 'देखिए, अन्य दलों के विधायकों की खरीद-फरोख्त भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। जिस दिन से कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में आई, बार-बार भाजपा ने कहना शुरू कर दिया कि यह सरकार लंबे समय तक नहीं चलने वाली है। उनके महान सहयोगी एचडी कुमारस्वामी और पूर्व पीएम देवगौड़ा भी यही कह रहे हैं। यह बताता है कि वे (भाजपा) सभी तरीके आजमा रहे हैं। उन्होंने (भाजपा) कोशिश की होगी। बिना जानकारी के सीएम ऐसा कुछ नहीं कहेंगे। राज्य के मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा भाजपा पहले भी ऐसा कर चुकी है। उनके पास ऐसा करने का इतिहास है। पहले भी उन्होंने विधायकों को खरीदा था और सरकार को गिराने की कोशिश की थी और अब भी वे इसका प्रयास कर रहे हैं।

इससे पहले मैसूरु में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सिद्धरामैया ने कहा था कि किसी तरह सिद्धरामैया सरकार को गिराने के लिए भाजपा ने 50 विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की। उनके पास इतना पैसा कहां से आया? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने पैसे छापे? यह सब घूस का पैसा था। सीएम ने कहा था कि भाजपा नेताओं ने करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस बार हमारे किसी भी विधायक ने उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं किया। इसलिए उन्होंने किसी तरह इस सरकार को हटाने के लिए अभियान शुरू किया है और वे विधायकों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करा रहे हैं।

जीतो सदस्यों ने साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के उपनगरों में विराजित गुरु भगवन्तों के दर्शन लाभ और आशीर्वाद की कड़ी में गुरुवार को जीतो टीम विजयनगर के तेरापंथ भवन पहुंची, जहां जीतो के महामंत्री विजय सिंघवी ने तेरापंथ भवन में विराजित आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभाजी के समक्ष जीतो के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि जीतो के मुख्य 3 उद्देश्य है, जिसमें सेवा, शिक्षा और आर्थिक सुदृढ़ता शामिल है। सेवा के अंतर्गत पूरे भारत में गुरु भगवन्तों की चिकित्सा के 12

हजार हॉस्पिटल जुड़े है और श्रमण आरोग्यम योजना द्वारा 14 हजार कार्ड साधु-साध्वियों के बने है, जिसके अंतर्गत निशुल्क चिकित्सा सेवा पूरे भारत में हम करते है। इसके साथ-साथ विहार धाम की पूरी व्यवस्था जीतो अपने खर्चों पर करती है।

शिक्षा के क्षेत्र में स्कॉलरशिप उपलब्ध करवाती है। सिंघवी ने बताया की हमारे नवनिर्वाचित चेयरमैन विमल कटारिया के नेतृत्व में पूरी टीम जोश और उत्साह से परिपूर्ण है और आगे बढ़ रही है। इसके पश्चात चेयरमैन विमल कटारिया ने बताया की जीतो मात्र एक ऐसी संस्था है जहां चारों संप्रदाय के लोग हैं। सकल जैन संघ एक साथ एक मंच पर कार्य करता है। उन्होंने बताया की विजयनगर मेरी जन्म और कर्म भूमि है।

इसी हॉल में हमने काम करना सीखा है, एक बैनर को बनाने से लेकर जीतो चेयरमैन तक के सफर में इस भवन का बहुत उपकार है। इसमें गुरु भगवन्तों के मार्गदर्शक की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस अवसर पर विजयनगर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने पूरी टीम का अभिनंदन किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, तेममं. अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने विचार रखे।

तत्पश्चात साध्वी सिद्धप्रभाजी ने जीतो टीम को कार्य करने में कुछ सुझाव दिए और क्रियान्वित करने को कहा। साध्वी ने जीतो के शिक्षा प्रयास की सराहना की। विवाह पर अनावश्यक खर्च से बचने के सुझाव दिये। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कमेटी की ओर से मंत्री मदन जैन, मीडिया प्रभारी अरविंद टपरावत, कार्यकारिणी सदस्य सतीश पोरवाड़, राकेश पोखरणा, सुनील लोढ़ा और सुरेश गन्ना भी मौजूद थे।

सीएम के खिलाफ झूठे दावे फैलाने के लिए कार्यकर्ता के खिलाफ एफआईआर

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ पुलिस ने एक कांग्रेस नेता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि उन्होंने लोगों में डर पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ गलत सूचना फैलाई है। पुलिस ने बताया कि यह मामला मंगलवार रात कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रवक्ता लक्ष्मण एम की शिकायत पर दर्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कृष्णा ने मुख्यमंत्री को बदनाम करने के लिए अपने फेसबुक पोस्ट में उनके खिलाफ मुडा घोटाला मामले के संबंध में गलत बयान दिए हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा अपनी पत्नी पार्वती बी एम को 14 साइटें आवंटित करने में अवैध गतिविधि का आरोप है। मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को सिद्धरामैया को आरोपी नंबर 1 के रूप में नामित करते हुए एक प्राथमिकी दर्ज की। प्राथमिकी में उनकी पत्नी पार्वती, उनके बहनोई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू भी शामिल हैं, जिन्होंने स्वामी को जमीन बेची थी, जिसे बाद में पार्वती को उपहार में दिया गया था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक पोस्ट में कृष्णा ने आरोप लगाया कि पार्वती के पक्ष में बिक्री विलेख पंजीकृत करते समय तहसीलदार ने पंजीकरण शुल्क का भुगतान किया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, यह मामला यहां देवराज पुलिस स्टेशन में धारा 353(1)(बी) के तहत दर्ज किया गया था, जो लोगों में भय पैदा करने के इरादे से झूठी सूचना, अफवाह बनाने और प्रसारित करने से संबंधित है, जो किसी व्यक्ति

को राज्य या सार्वजनिक शांति के खिलाफ अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकता है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हाल ही में कृष्णा द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में सिद्धरामैया और अन्य को नोटिस जारी किया, जिसमें मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने पार्वती, स्वामी, भारत संघ, राज्य सरकार, सीबीआई, लोकायुक्त और अन्य को भी अधिसूचित किया। अदालत ने लोकायुक्त को अब तक की जांच के रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई 26 नवंबर के लिए निर्धारित की।

अवैध कोविड की जांच के लिए एसआईटी का होगा गठन: कानून मंत्री

कैबिनेट बैठक में लिया गया निर्णय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को कोविड-19 भ्रष्टाचार पर न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व वाले आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई के लिए एक विशेष जांच दल नियुक्त करने का निर्णय लिया। कानून, न्याय, मानवाधिकार, संसदीय कार्य, विधान एवं पर्यटन मंत्री एचके पाटिल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में आयोग को राज्य सरकार द्वारा जांच आयोग अधिनियम 1952 के तहत कोविड भ्रष्टाचार के बारे में सच्चाई का पता लगाने के लिए नियुक्त किया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान इस आयोग ने अपनी जांच की और 2 अंतरिम रिपोर्ट जारी कर भ्रष्टाचार को पूरी दुनिया के सामने

उजागर किया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट बैठक में एसआईटी के गठन पर चर्चा हुई और वैश्विक भ्रष्टाचार तथा लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाली अमानवीय घटनाओं की तथ्यान्वेषी जांच करने वाले आयोग की रिपोर्ट पर निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा की लोक लेखा समिति की जांच रिपोर्ट के बाद कोविड के दौरान सरकारी अधिकारियों और ताकतवर राजनेताओं के अपवित्र गठजोड़ के परिणामस्वरूप हुए भ्रष्टाचार और घोटालों के तथ्य उपलब्ध हुए।

कोविड-19 की वजह से दुनिया में बड़ी उथल-पुथल मची हुई है। उस अवसर पर, कर्नाटक राज्य को एक त्रासदी का सामना करना पड़ा। उस समय की सरकार ने लोगों की सुरक्षा के लिए भ्रष्टाचार, गैर-जिम्मेदारी, धोखाधड़ी के मामलों पर जानकारी छिपाना और सरकारी दस्तावेजों को सार्वजनिक निरीक्षण के लिए अनुपलब्ध बनाना जैसे कदम उठाए थे। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं जिससे लोक लेखा समिति जैसी महत्वपूर्ण समितियों के कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। ऐसा माहौल बनाया और सीमित कर दिया गया कि वैधानिक समितियों का कामकाज असंभव हो गया। समितियों के कामकाज में रुकावट डालकर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की गई। कोरोना के दौरान 330 से 400 रुपये में मिलने वाली पीपीई किट 2117 रुपये में खरीदी गईं। 3 लाख किट खरीदी गईं। आयात और परिवहन की लागत बताकर संदिग्ध व्यय किया गया। चीनी कंपनियों को फायदा पहुंचाया गया। आयोग ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि बिना अनुबंध किये प्रयोगशालाओं को मोटी रकम का भुगतान करने के मामले में अनियमितता में शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाये। मंत्री ने बताया कि तत्कालीन सरकार, जिसने मौतों का ठीक से हिसाब नहीं दिया और डेथ ऑडिट नहीं कराया, वास्तविक मौत के आंकड़ों को छिपाया, बिना कोई निष्पक्ष कार्रवाई किए लोगों को धोखा दिया और कदाचार में लगी रही। मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने इन सभी मामलों के कारकों की जांच करने और एफआईआर, आरोप पत्र दर्ज करके और दोषियों की पहचान करके उन्हें उचित सजा देकर कर्नाटक के लोगों को न्याय प्रदान करने का निर्णय लिया है। एचके पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध खनन के 9 मामलों में से 6 मामलों को जांच के लिए सीबीआई को सौंपने पर गंभीरता से विचार किया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जगद्गुरु श्री जयदेव शिक्षण संस्थान में बाल दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं शिक्षकों ने चाचा नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुणोत ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं

भाषण के बीच ही पुलिस ने ओवैसी को थमाया नोटिस

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में होने वाली विधानसभा चुनाव में अब एक हफ्ते का समय शेष रह गया है। राजनीतिक पार्टियां अपनी-अपनी दावेदारी प्रबल करने में लगी हैं। इसी बीच महाराष्ट्र के चुनावी मैदान में उतरे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को चुनावी झटका लगता हुआ दिख रहा है।

पुलिस ने उन्हें नोटिस भेजकर चेतावनी दी है कि वो अपने भाषण के दौरान किसी भी भड़काऊ शब्दों का इस्तमाल न करें। पुलिस ने ओवैसी को ये नोटिस तब भेजा जब वे सोलापुर विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में मंच पर थे और एआईएमआईएम उम्मीदवार फारूक आब्दी के लिए प्रचार कर रहे थे।

असदुद्दीन ओवैसी को पुलिस ने नोटिस जारी कर निर्देश दिया है कि वे अपने भाषणों में किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं और भड़काऊ शब्दों का इस्तेमाल न करें। ओवैसी को नोटिस पढ़ते हुए और उसी समय मोबाइल फोन पर बात करते हुए देखा गया। हलांकि नोटिस में किसी खास मामले का उल्लेख नहीं किया गया है जिसमें ओवैसी ने अपने भाषणों से किसी कानून का उल्लंघन किया हो।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए चुनावी मैदान में उतरी है। पार्टी मुस्लिम और दलित वोटों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है और इस बार 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। हालांकि, एआईएमआईएम ने 2014 और 2019 में केवल दो सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार पार्टी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जता रही है। 2019 में एआईएमआईएम ने 44 सीटों पर चुनाव लड़ा था और मालेगांव सेंट्रल और धुले में जीत हासिल की थी लेकिन इसने कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी के उम्मीदवारों के लिए मुश्किलें भी पैदा की थीं।

महाराष्ट्र चुनाव में ओवैसी इस बार दलित और मुसलमान वोटों का समीकरण सेट करने का प्रयास कर रहें है। शायद यहीं कारण है कि एआईएमआईएम प्रमुख ने औरंगाबाद सेंट्रल, औरंगाबाद ईस्ट, मुंब्रा-कलवा (ठाणे), मालेगांव सेंट्रल, धुले, सोलापुर, नांदेड़ साउथ, मानखुर्द शिवाजी नगर, भिवंडी वेस्ट, करंजा, नागपुर नॉर्थ, बायकुला, वर्सोवा (मुंबई), मुर्तिजापुर (अकोला), कुर्ला और मिराज (सांगली) में 4 दलित और 12 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। बताते चले कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना होनी हैं।

मुस्लिम लड़की से प्यार में कुर्बान हो गया दलित युवक

सात टुकड़ों में काट कर दिया प्यार का इस्लामिक नतीजा

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के गोराई में बोरे में सात टुकड़ों में मिली लाश के मामले में मुंबई पुलिस की जांच जारी है। मुंबई पुलिस ने बुधवार को संदेह जताया कि मुस्लिम लड़की से रिश्ता युवक की हत्या की वजह है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने एक संदिग्ध को इस मामले में हिरासत में लिया है और कुछ अन्य लोगों की तलाश है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि मारे गए व्यक्ति की पहचान रघुनंदन पासवान (21 साल) के रूप में हुई है। वह बिहार के दरभंगा जिले के कन्होली गांव का रहने वाला दलित युवक था। मुंबई पुलिस को आशंका है कि रघुनंदन का दोस्त इस अपराध में लिप्त हो सकता है और उसे पूछताछ के लिए डिटेन किया गया है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की कि अंतरधार्मिक संबंध रघुनंदन की हत्या का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि रघुनंदन की मुस्लिम प्रेमिका को उसके भाई मुंबई ले आए थे। रघुनंदन पासवान उसके साथ रिश्ता बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। इससे लड़की के परिवार वाले नाराज थे। मुंबई पुलिस ने बताया कि रघुनंदन की हत्या भायंदर में की गई और लड़की के भाई एक ऑटो में उसका शव लेकर गोराई पहुंचे और वहां उसे फेंक दिया। ऑटो रिक्शा ड्राइवर की पहचान कर ली गई है। उसे भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि रघुनंदन के पिता जितेंद्र पासवान ने अपने बेटे की पहचान शव के दाएं हाथ पर बने टैटू से की। रघुनंदन के हाथ बने टैटू लड़की का नाम था। रघुनंदन के पिता ने कहा कि उनके बेटे की हत्या लड़की के रिश्तेदारों ने की है। रघुनंदन के पिता ने कहा कि लड़की के भाइयों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची। उन्होंने रघुनंदन को पुणे बुलाया और फिर उसे मुंबई के टूर के बहाने अंधेरी बुलाकर उसकी हत्या कर दी।

कश्मीर में इस माह मारे गए 8 आतंकी, जिनमें पांच पाकिस्तानी

श्रीनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां) कश्मीर घाटी में इस महीने के पहले दो सप्ताह के दौरान विभिन्न जिलों में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए 9 ऑपरेशन में कुल 8 आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हाथ लगी है। इनमें से 5 पाकिस्तानी थे। इस महीने कुल 9 ऑपरेशन अंजाम दिए गए हैं जिसमें से सबसे अधिक 5 उत्तरी कश्मीर में जबकि 2-2 मध्य और दक्षिण कश्मीर में अंजाम दिए गए हैं। इसमें 8 आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

घाटी में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए जाने वाले ऑपरेशन में वृद्धि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में 24 अक्टूबर को श्रीनगर में हुई यूनिफाइड हेडक्वार्टर की बैठक के बाद ज़मीनी स्तर पर देखने को मिली है। बैठक में सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एमएल सुचिंद्र और डीजीपी नलिन प्रभात और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों मौजूद रहे। इन्हें एलजी ने जम्मू-कश्मीर को आतंक मुक्त बनाने के लिए स्वतंत्रत कार्रवाई के अधिकार दिए थे।

सुरक्षा जानकारों के मुताबिक अब सर्दी बढ़ने के साथ सीमा पार पाकिस्तान से घुसपैठ की कोशिशें तेज होंगी। मुठभेड़ों के पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि जो आतंकी पहले से घुसपैठ कर ऊपरी इलाकों में छिपे बैठे थे वो निचले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के एक आला अधिकारी ने बताया कि हम लगातार आतंकवादियों और ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) इकोसिस्टम पर शिकंजा कैसे हुए हैं। इसी का कारण है कि पिछले दो सप्ताह के भीतर अच्छे नतीजे सामने आए हैं। उत्तरी कश्मीर में भी ऊपरी इलाकों से आतंकवादियों की मूवमेंट निचले इलाकों में देखने को मिल रही हैं। आने वाले दिनों में भी ऐसे ही आतंकवादी विरोधी अभियान जारी रहेंगे।

लॉटरी घोटाले में बंगाल में कई जगहों पर ईडी का छापा

कोलकाता, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में लॉटरी घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कई स्थानों पर छापेमारी कर रहा है। ईडी लॉटरी की वित्तीय धोखाधड़ी और कुछ प्रभावशाली लोगों को लॉटरी टिकटों के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में जांच कर रही है। इस सिलसिले में शहर और उपनगरों में कई जगहों पर छापेमारी की है। ईडी ने माइकल नगर के हवाईअड्डे के पास स्थित लॉटरी टिकट प्रिंटिंग फैक्ट्री पर भी छापेमारी की है। इसके अलावा, दक्षिण कोलकाता के लेक मार्केट के पास 26 कवि भारती सरणी में एक आलीशान मल्टीस्टोरी फ्लैट पर भी छापा मारा।

उत्तर प्रदेश में बनेंगे निबंधन मित्र

हजारों लोगों को मिलेगा नौकरी का मौका

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पहली बार बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर खोलने के लिए निबंधन मित्र की नियुक्ति होगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। निबंधन मित्र रजिस्ट्री व प्रापर्टी संबंधी दस्तावेज तैयार करेंगे। इससे पहले उन्हें सरकार की तरफ से प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिर यूनीक आईडी नंबर के साथ लाइसेंस दिया जाएगा। एक रजिस्ट्री का पेपर तैयार करने की फीस दो हजार रुपए तय करने का प्रस्ताव है। वहीं, गलत डीड के लिए जवाबदेही भी होगी। इस प्रस्ताव से न्यूनतम 20 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। इनमें महिलाओं की अच्छी संख्या होने की उम्मीद है। देश में अपनी तरह का यह पहला प्रयोग होगा।

वर्तमान में रजिस्ट्री की डीड करने के लिए तीन विकल्प हैं। आवेदक स्वयं स्टांप डीड तैयार करे। किसी अधिवक्ता की मदद से डीड बनाए या फिर डीड राइटर से रजिस्ट्री के दस्तावेज तैयार कराए। अब सरकार निबंधन मित्रों के रूप में चौथा विकल्प देगी। सूत्रों के मुताबिक संबंधित प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा। निबंधन मित्र की न्यूनतम पात्रता ग्रेजुएट होगी। उसके ऊपर कोई आपराधिक मुकदमा दायर न हो। सरकार प्रशिक्षण के बाद एक लाइसेंस नंबर देगी। लाइसेंस बनाए रखने के लिए वर्ष में न्यूनतम पांच रजिस्ट्री करनी होगी। रजिस्ट्री डीड बनाने का अधिकार अधिवक्ता और डीड राइटर को पहले की तरह रहेगा। कोई व्यक्ति खुद भी डीड तैयार कर सकता है।

निबंधन मित्र की जवाबदेही भी होगी। प्रत्येक रजिस्ट्री से पहले प्रापर्टी का भौतिक परीक्षण करना होगा। साल में पांच गलत डीड पाए जाने पर उसे नोटिस जारी की जाएगी। जिसका जवाब उसे डीएम को देना होगा। अपना पक्ष रखने के लिए आईजी स्टांप को भी नोटिस का जवाब देना होगा।। निबंधन मित्र के लिए कचहरी में किसी ऑफिस की जरूरत नहीं होगी बल्कि घर से भी काम कर सकेंगे। एक डीड तैयार करने के लिए रजिस्ट्री वैल्यू का एक फीसदी या दो हजार रुपए में जो भी कम होगा, फीस के रूप में देय होगा। इसके अलावा दस्तावेजों की जांच के रूप में 50 रुपए प्रति दस्तावेज फीस का प्रस्ताव है। यूपी में एक वर्ष में करीब 38 लाख स्टांप पंजीयन होते हैं। इसमें लगभग आधी डीड होती हैं। अनुमान है कि एक निबंधन मित्र की सालाना न्यूनतम आय तीन लाख रुपए तक होगी। घर से ही काम करने की ऑनलाइन सुविधा मिलने के कारण कचहरी में लगने वाली भीड़ भी कम होगी। ऑफिस आने-जाने में होने वाले खर्च और समय की बचत होगी। खास बात ये है कि शिक्षित महिलाओं को घर बैठे रोजगार का विकल्प मिलेगा।

सीएम योगी के प्रयासों से आज सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रहीं प्रदेश की महिलाएं

मिशन शक्ति अभियान के तहत लखनऊ विवि हुआ सामूहिक शपथ ग्रहण

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाए जा रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत विभिन्न पहल निरंतर जारी हैं। इसी कड़ी में लखनऊ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति के पंचम चरण के अंतर्गत एक सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने मिशन शक्ति अभियान को पूरे प्रदेश में महिलाओं के लिए एक सकारात्मक और सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में कारगर प्रयास बताया। सभी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस बात को लेकर विशेष रूप से सराहना की कि उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता बढ़े। वक्ताओं ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के मिशन शक्ति अभियान से आज प्रदेश की महिलाएं स्वयं को सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

समारोह के दौरान कुलपति आलोक राय ने उपस्थित सभी लोगों को एक शपथ दिलाई, जिसमें उन्होंने यह प्रतिबद्धता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय का हर सदस्य महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी वातावरण बनाने के लिए कार्यरत रहेगा। शपथ के मुख्य बिंदुओं में महिला उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की स्थिति में मूक दर्शक न बनने, आवाज उठाने और हस्तक्षेप करने का संकल्प शामिल था। साथ ही यह भी कहा गया कि पीड़ित महिला का हरसंभव समर्थन किया जाएगा और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया जाएगा। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि यह शपथ केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त कदम है। हमें इसे अपने व्यवहार और कार्यों में उतारना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने इस अवसर पर मिशन शक्ति के उद्देश्यों और अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न को समाप्त करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं ने भी अपने विचार साझा किए और बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा की दिशा में एक अभिनव प्रयास है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने की, जबकि इसकी समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति, लखनऊ विश्वविद्यालय रहीं। इस कार्यक्रम में उपकुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना सहित सभी डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, कर्मचारियों और भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

2.86 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुई धान की खरीद

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में खरीफ क्रय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत एजेंसियों द्वारा अब तक 2.86 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद हो चुकी है। वर्ष 2023-24 में 13 नवंबर तक एजेंसियों द्वारा 2.20 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी यानी इस वर्ष 65820 मीट्रिक टन अधिक धान की खरीद हो चुकी है। किसानों को अब तक 543 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। यह दावे बताते हैं कि विपक्ष हकीकत से दूर है और उसके दावे हवा हवाई हैं। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपदों व खाद्य-रसद विभाग के आलाधिकारी क्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण भी कर रहे हैं। सीएम के निर्देश पर किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान भी किया जा रहा है।

इस समय तेजी से धान खरीद हो रही है। खाद्य विभाग, पीसीएफ, यूपीएसएस, यूपीपीसीयू, मंडी परिषद व केंद्रीय एजेंसी भारतीय खाद्य निगम एजेंसियों द्वारा पिछले वर्ष 2023-24 तक 13 नवंबर की अवधि में 2.20 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी, जो इस वर्ष 65820 मीट्रिक टन बढ़कर 2.86 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो चुकी है। इस वर्ष 42845 किसानों से खरीद हुई है, जबकि पिछले वर्ष तक 35,863 किसानों से खरीद हुई थी।

विगत सप्ताह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर धान खरीद को लेकर समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने धान खरीद में तत्परता व पारदर्शिता बरतने का निर्देश देते हुए कहा था कि किसानों को हर हाल में 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जाए। इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। इस वर्ष किसानों को अब तक 543 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। सीएम ने अफसरों को निर्देश दिया था कि किसानों के बैठने, छाया, पेयजल आदि की बुनियादी सुविधा भी क्रय केंद्रों पर होनी चाहिए। सीएम के निर्देश के उपरांत स्थानीय प्रशासन व खाद्य-रसद विभाग की तरफ से क्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्यालय से इसकी मॉनीटरिंग भी की जा रही है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई थी, जो 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। इस अवधि में बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, झांसी तथा लखनऊ संभाग के हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर खीरी में भी धान खरीद की जा रही है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहली नवंबर से धान खरीद प्रारंभ हुई थी, जो 28 फरवरी तक चलेगी। इस अवधि में अयोध्या, गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन, आज़मगढ़, वाराणसी, विंध्याचल, प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट व लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव जनपद में खरीद सुचारू रूप से चल रही है।

सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपए व ग्रेड ए का 2320 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है।

प्रतियोगी छात्रों की मांग के आगे झुका यूपी लोकसेवा आयोग

प्रयागराज, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पीसीएस और आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में होगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) छात्रों के आंदोलन के आगे झुक गया है। आयोग ने छात्रों की वन डे वन शिफ्ट की मांग मान ली है। इसके लिए छात्र चार दिनों से आंदोलन कर रहे थे। बृहस्पतिवार को बवाल काफी बढ़ने के बाद आयोग को यह फैसला करना पड़ा। आयोग के भीतर हुई बैठक में जिलाधिकारी, कमिश्नर समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

प्लॉट आवंटन घोटाले में हरियाणा के पूर्व सीएम हुड्डा मुश्किल में

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विरुद्ध चल रहे प्लाट आवंटन घोटाले में बुधवार को नया मोड़ ले लिया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंचकूला स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत की ओर से सुनवाई पर रोक लगाए जाने के करीब छह माह बाद आज पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने आवेदन को स्वीकार कर लिया है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बतौर मुख्यमंत्री हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (हुडा) के अध्यक्ष पद पर रहते हुए अयोग्य आवेदकों को प्लॉट बांट दिए थे। इसके लिए उन्होंने अपने अनुसार नियमों में बदलाव भी किया। मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस महाबीर सिंह सिंधू ने अगली सुनवाई नौ दिसम्बर तय करते हुए याचिका पर नोटिस जारी किया। इस मामले पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने ईडी की वकील डॉ. नेहा अवस्थी के साथ बहस की। ईडी ने अपनी याचिका में कहा कि मामला इंडस्ट्रियल प्लॉट के आवंटन से संबंधित है।

हुड्डा ने आवंटन मानदंडों को अंतिम रूप देने के लिए फाइल को लम्बे समय तक अपने पास रखा। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के भी अध्यक्ष थे। पूर्व सीएम ने अपने कार्यकाल के दौरान अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और आवेदन आमंत्रित करने की छह जनवरी, 2016 की अंतिम तिथि के बाद 24 जनवरी 2016 को मानदंडों को बदल दिया।

महाकुंभ 2025 : महाकुंभ में होगा सौ शीर्ष हस्तशिल्पियों का संगम

देश की सबसे कीमती कलाकृतियां होंगी प्रस्तुत

प्रयागराज, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ में पहली बार देशभर के टॉप 100 हस्तशिल्पी अपनी कला का प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

इसके तहत दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में डबल इंजन की सरकार देश की सबसे कीमती कलाकृतियों को प्रस्तुत करने जा रही है। इस प्रदर्शनी का ऑनलाइन लाइव टेलीकास्ट किए जाने की भी तैयारी है। संगम तीरे लगने वाली इस प्रदर्शनी में बनारसी साड़ी से लेकर प्रमुख दक्षिण भारतीय कलाकृतियों को शोकेस किया जाएगा। इसमें प्रयागराज के मूंज से बने उत्पाद विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के तहत इस बार महाकुंभ को अद्भुत और अलौकिक बनाने की तैयारी चल रही है। सहायक निदेशक हस्तशिल्प सेवा केंद्र प्रयागराज तान्या बनर्जी ने बताया कि महाकुंभ में देश दुनिया के 45 करोड़ लोगों के सामने भारत के 100 प्रमुख शिल्पियों का अद्भुत प्रदर्शन किए जाने की तैयारी है। प्रदर्शनी में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा। यहां पर देश के विभिन्न राज्यों की कला का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

महाकुंभ की दिव्यता, भव्यता और नव्यता को देखते हुए पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर यहां संगम किनारे इतना बड़ा आयोजन किया जा रहा है। देश दुनिया के 45 करोड़ से ज्यादा लोगों के महाकुंभ में पहुंचने का अनुमान है। जिसके तहत देश दुनिया के लोग विभिन्न राज्यों विशेषकर पूरब से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक की शिल्प कला से परिचित हो सकें, इसके लिए आयोजन को व्यापक रूप दिया जा रहा है।

महाकुंभ के दौरान लाइव प्रदर्शनी में देशभर के शिल्पकारों की बनाई हुई कलाकृतियों की खरीद और बिक्री भी की जाएगी।

इसके लिए बाकायदा अपनी वेबसाइट डेवलप की गई है। यह इंडिया हैंडमेड वेबसाइट दुनिया की बड़ी बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों को टक्कर दे रही है। भारत ही नहीं देश-विदेश के लोग भी इस वेबसाइट पर जाकर हस्त शिल्प के सामान की खरीद और बिक्री दोनों कर सकते हैं।

महाकुंभ के दौरान हस्तशिल्प की प्रदर्शनी में बनारस के सॉफ्ट स्टोन से लेकर जम्मू कश्मीर की पशमीना शाल तक उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, प्रयागराज के मूंज क्राफ्ट, बांदा के सजर पत्थर, महोबा के गौरा पत्थर, झांसी के सॉफ्ट खिलौने, मध्य प्रदेश की चंदेरी साड़ियां और काशी की बनारसी साड़ियां भी लोगों को आकर्षित करेंगी।

महाकुंभ में ओडीओपी के तहत हाथी के अंदर हाथी और ऐसे ही एक-एक करके उसकी आठ लेयर बनाकर कलाकृति की प्रदर्शनी की जाएगी। इसके अलावा चित्रकूट और काशी के प्रसिद्ध लकड़ी के खिलौने विशेष तौर पर लुभाएंगे। महाकुंभ के दौरान हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी के तहत महिलाओं की पसंद का भी विशेष ख्याल रखा गया है। इसके तहत फिरोजाबाद की चूड़ियां और कांच के बर्तन से लेकर हिमाचल प्रदेश की विशेष कढ़ाई वाली चंबा रुमाल भी रहेगी।

इसके अलावा गोरखपुर के टेराकोटा, निजामाबाद आजमगढ़ की काली मिट्टी के बर्तन, भदोही की कालीन, सहारनपुर में सींग के सजावटी आइटम, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से ऊनी वस्त्र, पंजाब के फुलकारी और राजस्थानी जूते के अलावा बरेली में बांस की कलाकृतियां और मुरादाबाद के पीतल के सामान विशेष आकर्षण रहेंगे।

योगी सरकार द्वारा देश विदेश से आने वाले विशिष्ट अतिथियों को कुंभ आधारित सोविनियर गिफ्ट किए जाएंगे। इसमें भी प्रदेश के हस्तशिल्प और ओडीओपी को प्राथमिकता दी जाएगी। हस्तशिल्प की कई कलाकृतियों को भी इसके लिए सेलेक्ट किया गया है।

पीएम इंटर्नशिप में यूपी के 8506 युवाओं को मिलेगा मौका

हर महीने 5000 की प्रोत्साहन राशि भी देगी सरकार

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से युवाओं को उद्योगों में प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई पहल पीएम इंटर्नशिप योजना में यूपी के 8,506 युवाओं को मौका मिलेगा। इसके लिए पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर नामांकन चल रहे हैं। युवाओं को प्रशिक्षण के साथ हर महीने 5000 रुपए प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। वहीं, इंटर्नशिप पूरी होने पर एकमुश्त 6000 रुपए भी दिए जाएंगे।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पठन-पाठन में उद्योगों पर आधारित पाठ्यक्रम व वहां पर प्रशिक्षण लेने पर जोर दिया जा रहा है। ताकि यहां से निकलने के बाद युवाओं को विभिन्न उद्योगों में ही रोजगार के अवसर मिल जाएं। इसी क्रम में पीएम इंटर्नशिप योजना की शुरू की गई है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसमें देश भर के 21 से 24 वर्ष के सवा लाख युवाओं को 500 टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप कराई जाएगी। इसके लिए आईटीआई, हाई स्कूल, इंटर व स्नातक पास युवा आवेदन कर सकते हैं। यूपी से आवेदनों की संख्या बढ़ाने के लिए पिछले दिनों केंद्र सरकार ने प्रदेश सरकार को पत्र भेजा था। इसके बाद से उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा विभाग व कौशल विकास मिशन इसमें जुट गए हैं।

हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव शिपु गिरी ने इसके लिए प्रदेश के सभी सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों के साथ ऑनलाइन बैठक कर अधिकाधिक युवाओं के रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं। यहां विभिन्न कंपनियों में 8,506 युवाओं के लिए इंटर्नशिप करने का मौका है। आवेदन की आखिरी तिथि 15 नवंबर है। अभ्यर्थी अधिकतम पांच इंटर्नशिप के लिए अपने या किसी दूसरे राज्य के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस क्रम में राज्य विश्वविद्यालयों ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों को निर्देश जारी किए हैं।

दूसरी तरफ प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय ने भी आईटीआई पास युवाओं के रजिस्ट्रेशन कराने की कवायद तेज कर दी है। इसके लिए युवाओं के बीच प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। योजना के तहत 2.50 लाख युवाओं को पहले चरण में इंटर्नशिप कराई जाएगी। पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर भी इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

काशी के मनोहम नमो घाट का उद्घाटन करेंगे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

वाराणसी,14 नवंबर (एजेंसियां) काशी की परंपरा के अनुसार भगवान भास्कर का अभिवादन करता मनोरम नमो घाट की कलाकृतियां पर्यटकों को लुभा रही हैं। सूर्य की सिंदूरी किरणें काशी के अर्धचंद्राकार घाटों की छटा में चार चांद लगाती हैं। ऐसे ही सुबह-ए-बनारस की अलौकिक दृश्य को देखने के लिए दुनिया से पर्यटक काशी खींचे चले आते हैं। सुबह-ए-बनारस का दिव्य और भव्य नज़ारा का लुत्फ अब पर्यटक विश्व स्तरीय सुविधाओं वाले ख़ुबसूरत नमो घाट से भी ले सकेंगे। आस्था ,पर्यटन और रोजगार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं वाला नमो घाट बन कर तैयार हो गया है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का 15 नवंबर को नमो घाट का औपचारिक उद्घाटन करना प्रस्तावित है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी मौजूद रहेंगे।

प्राचीनता और आधुनिकता के साथ तालमेल मिलाकर चलती काशी के घाटों की श्रृंखला में एक और पक्का घाट जुड़ गया है। यह वाराणसी के पहले मॉडल घाट के रूप में जुड़ा है। इसका विस्तार नमो घाट से आदिकेशव घाट (लगभग 1.5 किलोमीटर) हुआ है। घाट की बनावट और अंतरराष्ट्रीय सुविधा के साथ नमस्ते का स्कल्पचर पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। जल,थल और नभ से जुड़ने वाले यह पहला घाट होगा, जहां हेलीकाप्टर भी उतारा जा सकता है। यहां फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन, ओपन एयर थियेटर, कुंड, फ्लोटिंग जेटी पर बाथिंग कुंड तथा चेंजिंग रूम का भी निर्माण हुआ है। योग स्थल, वाटर स्पोर्ट्स, चिल्ड्रन प्ले एरिया, कैफ़ेटेरिया के अलावा कई अन्य सुविधाएं हैं। यह वाराणसी का पहला घाट है, जो दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया गया है। नमो घाट का पुनर्निर्माण दो फेजों मे किया गया है। इसका निर्माण 81000 स्कायर मीटर में 91.06 करोड़ से किया गया है। इस परियोजना को स्मार्ट सिटी मिशन तथा इंडियन ऑयल फाउंडेशन द्वारा मिल कर वित्तपोषित किया गया है।

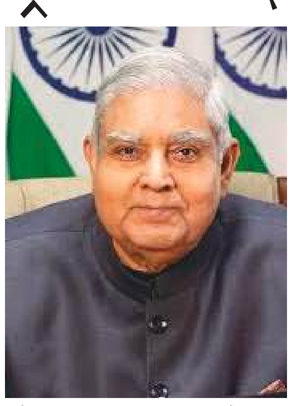

वाराणसी के मंडलायुक्त और स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष कौशल राज शर्मा ने बताया कि नमो घाट के पुनर्विकास में मेक इन इंडिया का विशेष ध्यान दिया गया है। इस घाट पर वोकल फॉर लोकल भी दिखेगा। भविष्य में लोग यहाँ वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स और हेली टूरिज्म का भी लुफ़्त ले सकेंगे। सेहतमंद रहने के लिए मॉर्निंग वाक, व्यायाम और योग कर सकेंगे। दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए मां गंगा के चरणों तक रैंप बना है। ओपेन थियेटर, लाइब्रेरी, लाउंज, स्नान कुंड, बनारसी खान-पान के लिए फूड कोर्ट और मल्टीपर्पस प्लेटफार्म है। यहां हेलीकाप्टर उतरने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन व क्राउड मैनेजमेंट में भी काम आ सकता है।

यूपी उपचुनाव में सपा का एकमात्र फोकस मुस्लिम वोट

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों के लिए होने जा रहे उपचुनाव में लड़ाई बेहद जोरदार हो गई है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चला था कि मुस्लिम समुदाय के बड़े तबके का समर्थन समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन को मिला था। अखिलेश यादव चाहते हैं कि इस उपचुनाव में भी इस समर्थन को बरकरार रखा जा सके। इसलिए इस उपचुनाव में सपा का फोकस केवल मुस्लिम वोट पर है।

रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुस्लिम बहुल कुंदरकी विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की तो उसके तुरंत बाद वह सपा के दिग्गज नेता और उत्तर प्रदेश की राजनीति के बड़े मुस्लिम चेहरे आजम खान के परिवार से मिलने उनके घर पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने खान के परिवार को भरोसा दिलाया कि अगर समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में यूपी की सत्ता में लौटी तो आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज किए गए सभी मुकदमों को वापस ले लिया जाएगा।

कुंदरकी में अपनी चुनावी रैली के दौरान अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से दिए गए बंटेंगे तो कटेंगे के नारे पर हमला बोला और कहा कि पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक तबका हमेशा उनके साथ रहेगा। उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर आरोप लगाया कि इस सरकार ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय जैसे बड़े इदारों को निशाना बनाया है। बताना होगा कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना आजम खान ने ही की थी।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम वोटों की बड़ी अहमियत है। इस तरह उपुचनाव वाली 9 सीटों में से तीन सीटें ऐसी हैं, जहां पर मुस्लिम मतदाता ताकतवर हैं, इनमें मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर, कानपुर की सीतामऊ और मुरादाबाद जिले की कुंदरकी सीट है। मीरापुर में 40 प्रतिशत, सीसामऊ में 45 प्रतिशत और कुंदरकी में 65 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। इसके अलावा भी बाकी सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन सपा हासिल करना चाहती है।

कुछ दिन पहले नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद भी आजम खान के बेटे अब्दुल्लाह आजम से मिलने जेल में गए थे। इससे पता चलता है कि आजम खान की मुस्लिम मतदाताओं के बीच अभी भी एक बड़ी सियासी हैसियत है। आजम खान समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के भरोसेमंद लोगों में से एक थे लेकिन पिछले कुछ सालों में वह लंबे वक्त तक जेल में रहे हैं और ऐसा लगता है कि समाजवादी पार्टी में भी हाशिए पर हैं। हालांकि अखिलेश यादव आजम खान की सियासी ताकत को पहचानते हैं इसलिए लोकसभा चुनाव के दौरान भी वह सीतापुर जेल में आजम खान से मिलने गए थे और इस बार भी उपचुनाव के दौरान उन्होंने आजम खान के परिवार से मुलाकात की है।

सपा को इस बात का डर है कि इस उपचुनाव में बसपा, एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) मुस्लिम मतों में सेंध लगाकर उसकी राह मुश्किल कर सकते हैं और ऐसा हुआ तो मुस्लिम मतों का बंटवारा होगा और इसका सीधा नुकसान सपा को हो सकता है। इसके लिए अखिलेश ने कमर कस ली है। निश्चित रूप से सपा नहीं चाहती कि उपचुनाव में मुस्लिम मतों का बंटवारा हो इसलिए अखिलेश यादव हालात को भांपते हुए आजम खान के परिवार के पास पहुंचे। उपचुनाव में सपा के लिए एक फायदेमंद बात यह है कि कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ रही है ऐसी स्थिति में कांग्रेस को मिलने वाला वोट भी सपा के खाते में जाने की संभावना जताई जा रही है।

अखिलेश यादव की पत्नी और सांसद डिंपल यादव ने भी मुस्लिम समुदाय के पक्ष में बयान दिया है। डिंपल ने महाकुंभ के मेले में गैर हिंदुओं को दुकान नहीं लगाने की अनुमति देने का विरोध किया। डिंपल यादव ने कहा कि इस तरह के बयान देश की गंगा-जमुनी तहजीब को चोट पहुंचाते हैं और ऐसे लोग नहीं चाहते कि देश संविधान के मुताबिक चले। याद दिलाना होगा कि अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों ने कहा था कि महाकुंभ के मेला क्षेत्र में गैर हिंदुओं को दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जाए।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे जिस तरह इंडी गठबंधन के पक्ष में रहे थे और इसमें भी सपा ने बड़ी कामयाबी हासिल की थी, उसके बाद सपा उपचुनाव में भी अपनी बढ़त को बरकरार रखना चाहती है जबकि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद आक्रामक हिंदुत्व की पिच पर उतरने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटेंगे तो कटेंगे के नारे के जरिए देश में सियासी बहस को रफ्तार दी है और उनका यह नारा उत्तर प्रदेश में ही नहीं दूसरे चुनावी राज्यों महाराष्ट्र और झारखंड में भी गूंज रहा है।

पहली बार यूपी में आयोजित होगा कृषि भारत 2024 मेला

राजधानी में जुटेंगे यूपी के एक लाख किसान, नई कृषि तकनीक से होंगे रूबरू

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर 15 से 18 नवंबर तक उत्तर प्रदेश में पहली बार कृषि भारत 2024 मेला का आयोजन होगा। प्रदेश में कृषि और पशुपालन क्षेत्र में नई तकनीकों को बढ़ावा देने और उत्पादन को बढ़ाने के लिए आयोजित होने जा रहे इस चार दिवसीय मेले का शुक्रवार को राजधानी के वृंदावन योजना मैदान में सीएम योगी के हाथों शुभारंभ होगा। इसमें प्रदेशभर के करीब 1 लाख किसानों के जुटने का अनुमान लगाया जा रहा है। मेले में कृषि उद्योग से जुड़े देश और दुनिया के 200 एग्जीबिटर्स अपने उत्पादों और तकनीक की प्रदर्शनियां लगाएंगे। गुरुवार को लोकभवन लोकभवन में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा एग्रो टेक इंडिया - कृषि भारत 2024 के आयोजन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त, मोनिका एस गर्ग ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां 75% भूमि कृषि उपयोग में लायी जाती है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि मानती है और उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। चूंकि, प्रदेश में कृषि क्षेत्र में मैकेनाइजेशन की कमी महसूस की जाती रही है। किसान अभी भी पारंपरिक तरीके से खेती कर रहे हैं, जबकि उन्हें लाइन बुवाई और जीरो सीड ड्रिल जैसी तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। इससे न केवल उत्पादकता में वृद्धि होगी बल्कि खेती की लागत भी कम होगी। कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग ने बताया कि मेले में पराली प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। सरकार द्वारा किसानों को यंत्रों पर सब्सिडी दी जा रही है, लेकिन उनका पर्याप्त लाभ किसान नहीं उठा रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों को फार्म मशीनरी बैंक के माध्यम से उन्नत उपकरणों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रमुख सचिव कृषि, रविंद्र ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य कृषि में उन्नत तकनीकों को अपनाना और किसानों की आय को दोगुना करना है। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में बायो टेक्नोलॉजी, पशुपालन, मत्स्य पालन और सिंचाई की नई तकनीकों को भी शामिल किया गया है।

इसके माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं और सब्सिडी की जानकारी भी दी जाएगी। सीआईआई की प्रतिनिधि स्मिता अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन में दुनियाभर की 200 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी।

इसमें महिन्द्रा, आयशर, सोनालिका और एस्कॉर्ट जैसी बड़ी कंपनियां भी अपनी तकनीकों और उपकरणों का प्रदर्शन करेंगी। 11 तकनीकी सत्र और 8 किसान गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।

कार्यक्रम में किसानों को सरकारी योजनाओं और सब्सिडी के बारे में जानकारी दी जाएगी। किसानों के लिए बसों की व्यवस्था की गई है, जिससे एक लाख से अधिक किसानों को इस आयोजन में लाया जाएगा। यहां वे नई तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे और सरकारी योजाओं का लाभ उठाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस आयोजन में नीदरलैंड्स को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। नीदरलैंड्स से आए विशेषज्ञ और सप्लायर्स अपने आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे। इससे उत्तर प्रदेश के किसानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

संपादकीय

शिखर पर महंगाई दर

अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर 6.2 फीसदी रही है। यह बीते 14 माह के उच्चतम स्तर पर है और भारतीय रिजर्व बैंक के 4-5 फीसदी के संतोषजनक स्तर से भी बहुत ज्यादा है। देश में हरी सब्जियों की कीमतें अक्तूबर में ही 42.2 फीसदी तक बढ़ी हैं। खाद्य और शीतलपेय वाले समूह में महंगाई सितंबर में 8.36 फीसदी थी, लेकिन अक्तूबर में बढ़ कर 9.69 फीसदी तक पहुंच गई। राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई में प्याज खुदरा में 70-80 रुपए प्रति किलो बेचा जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र में ही नासिक सबसे अधिक प्याज का उत्पादन करता है। वहां की मंडियों में भी प्याज औसतन 50 रुपए किलो बेचा जा रहा है। बाजार के जानकारों का आकलन है कि प्याज के दाम 100 रुपए किलो तक बढ़ सकते हैं और टमाटर इससे भी काफी महंगा बिक सकता है। सिर्फ सब्जियां ही नहीं, अनाज, दालें, खाद, खाद्य तेल और खेती के लिए अनिवार्य वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। किसानों को रबी फसलें बोनी हैं, लेकिन बाजार में खाद का संकट है। खाद की दुकानों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी हैं। खाद की जो बोरी 50 किलो की मिलती थी, वह अब कम कर दी गई है, लेकिन बोरी 300 रुपए तक महंगी कर दी गई है। किसान औसतन सस्ती फसल कैसे बो सकता है और उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य कैसे मिल सकता है? रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का आकलन है कि महंगाई अभी और बढ़ेगी। भारत सरकार और रिजर्व बैंक ने मिल कर तय किया था कि खुदरा महंगाई दर 4-5 फीसदी के बीच रहनी चाहिए। आदर्श स्थिति 4 फीसदी की है। अभी तक कोशिशें भी की गईं कि महंगाई वहीं तक सिमट कर रहे, लेकिन अब हदें लांघ दी गई हैं। सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.5 फीसदी पर पहुंच गई थी। बढ़ोतरी के संकेत वहीं से मिल गए थे। अब यह महंगाई दर 6.2 फीसदी हो गई है, जो सर्वाधिक है। ये तमाम आंकड़े भारत सरकार के 'सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय' ने जारी किए हैं। जो संगठन निजी क्षेत्र में सक्रिय हैं, उनका डाटा भिन्न हो सकता है और महंगाई दर भी ज्यादा हो सकती है। बहरहाल अभी जो चुनाव किए जा रहे हैं, उनमें महंगाई प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं है। चुनावों में मुफ्तखोरी की रेवडियों की प्रतिद्वंद्विता है अथवा बांटने, काटने, डरने, मरने की ही चर्चाएं हैं। महंगाई के अलावा बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य सरीखे मुद्दों पर कभी भी जनादेश तय नहीं होते, जबकि ये आम आदमी की बुनियादी समस्याएं और जरूरतें हैं। एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, देश के 23 राज्यों में से छत्तीसगढ़ में, बीते एक साल के दौरान, महंगाई सबसे अधिक 6.4 फीसदी बढ़ी है। मप्र में 3 फीसदी, उप्र, बिहार, केरल, तमिलनाडु में 2.3 फीसदी महंगाई बढ़ी है। पंजाब और हरियाणा ऐसे राज्य हैं, जहां साल भर में महंगाई क्रमशः 0.4 फीसदी और 0.7 फीसदी ही बढ़ी है, लेकिन महंगाई दर 5 फीसदी से अधिक रही है। सिर्फ राजस्थान ही ऐसा इकलौता राज्य है, जहां महंगाई दर घटी है। देश में पांच राज्य ऐसे हैं, जहां महंगाई दर 7 फीसदी से ज्यादा रही। ओडिशा 7.5 फीसदी महंगाई दर के साथ इन राज्यों में शिखर पर है। डाटा में यह भी बताया गया है कि 11 राज्यों में महंगाई दर 6 फीसदी से कम रही है। बहरहाल आकलन किया जा रहा है कि ऐसी बढ़ोतरी के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई दर औसतन 4.8 फीसदी रहेगी, जो रिजर्व बैंक के लक्ष्य की परिधि में है। गौरतलब यह है कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अक्तूबर में 10.87 फीसदी रही है, जो सितंबर में 9.24 फीसदी थी। बताया जाता है कि मौसम की अनिश्चितता से कई राज्यों में फसलें प्रभावित हुईं। आलू-टमाटर समेत प्रमुख सब्जियों के उत्पादन कम हुए। मांग और आपूर्ति में फासला बढ़ा। बहरहाल सरकारी आंकड़ों में महंगाई की जो भी तस्वीर सामने आती है, वह आम आदमी को चुभने वाली है।

देश में हरी सब्जियों की कीमतें अक्तूबर में ही 42.2 फीसदी तक बढ़ी हैं। खाद्य और शीतलपेय वाले समूह में महंगाई सितंबर में 8.36 फीसदी थी, लेकिन अक्तूबर में बढ़ कर 9.69 फीसदी तक पहुंच गई। राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई में प्याज खुदरा में 70-80 रुपए प्रति किलो बेचा जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र में ही नासिक सबसे अधिक प्याज का उत्पादन करता है। वहां की मंडियों में भी प्याज औसतन 50 रुपए किलो बेचा जा रहा है। बाजार के जानकारों का आकलन है कि प्याज के दाम 100 रुपए किलो तक बढ़ सकते हैं और टमाटर इससे भी काफी महंगा बिक सकता है। सिर्फ सब्जियां ही नहीं, अनाज, दालें, खाद, खाद्य तेल और खेती के लिए अनिवार्य वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। किसानों को रबी फसलें बोनी हैं, लेकिन बाजार में खाद का संकट है। खाद की दुकानों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी हैं। खाद की जो बोरी 50 किलो की मिलती थी, वह अब कम कर दी गई है, लेकिन बोरी 300 रुपए तक महंगी कर दी गई

पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर में लगातार यहां की शांति, सौहार्द को भंग करने में लगा हुआ है

पाकिस्तान का नया दांव है डिजिटल घुसपैठ

सुनील कुमार महला

एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों के गुलामी की जंजीरों से मुक्त होने के बाद उनके समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां विद्यमान थीं जैसे कि अपनी आजादी को स्थायित्व प्रदान करने, विकास की प्रक्रिया को निरंतर आगे बढ़ाने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने, अपनी राजनीतिक सीमाओं की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शिकार होने से बचने जैसी अनेक चुनौतियां विद्यमान थी, भारत भी इनमें से एक रहा है और इसी क्रम में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के सिद्धांतों को अपनाया था।

भारत एक ऐसा देश है जो सदियों से पंचशील के सिद्धांतों का पालन करता आया है। एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों के गुलामी की जंजीरों से मुक्त होने के बाद उनके समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां विद्यमान थीं जैसे कि अपनी आजादी को स्थायित्व प्रदान करने, विकास की प्रक्रिया को निरंतर आगे बढ़ाने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने, अपनी राजनीतिक सीमाओं की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शिकार होने से बचने जैसी अनेक चुनौतियां विद्यमान थी, भारत भी इनमें से एक रहा है और इसी क्रम में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के सिद्धांतों को अपनाया था। वास्तव में भारत द्वारा यह सिद्धांत मूल रूप से अपने चिर-परिचित पड़ोसी चीन द्वारा उत्पन्न की जाने वाली भावी चुनौतियों से निपटने के लिए अपनाया गया था लेकिन न केवल चीन बल्कि पाकिस्तान व अन्य देशों के साथ आज भी भारत पंचशील सिद्धांतों का अनवरत पालन करते हुए विश्व को लगातार शांति,संयम,आपसी सौहार्द, मेल-मिलाप को वरीयता देते हुए काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि एक दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान, सहयोगात्मक अहिंसा, घरेलू मामलों में सहयोगात्मक अहस्तक्षेप, पारस्परिक लाभ के लिए न्याय और सहयोग, तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पंचशील समझौते के प्रमुख सिद्धांत हैं। वास्तव में, पंचशील सिद्धांतों के माध्यम से ऐसे नैतिक मूल्यों का समुच्चय तैयार करना था, जिन्हें प्रत्येक देश अपनी विदेश नीति का हिस्सा बना सके और एक शांतिपूर्ण वैश्विक व्यवस्था का निर्माण कर सके, लेकिन आज पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर में लगातार यहां की शांति, सौहार्द को भंग करने में लगा हुआ है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत ने पाकिस्तान के प्रति सदैव एक बहुत ही सुसंगत और सैद्धांतिक नीति का पालन किया है, अर्थात् अपनी 'पड़ोसी पहले नीति' को ध्यान में रखते हुए, भारत पाकिस्तान के साथ आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। सच तो यह है कि भारत किसी भी मुद्दे को द्विपक्षीय और

शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध है। यहां तक कि भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के संबंध में भी समय-समय पर दोनों देशों से शांति, सौहार्द,संयम व आपसी बातचीत से आपसी मुद्दों को सुलझाने की अपील की है। भारत कभी भी किसी भी देश के साथ हिंसा व युद्ध नहीं चाहता है और वह शांति और संयम का पुरजोर समर्थक है। आज पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर व घाटी की शांति, सौहार्द भंग करने के लिए लगातार आतंकियों व आतंकवाद का सहारा ले रहा है क्योंकि वह भारत से प्रत्यक्ष लड़ाई करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए वह चोरी-छिपे अमेरिका, चीन जैसे देशों की मदद से (हथियार, गोला-बारूद) भारत में समय-समय पर अशांति फैलाने की फिराक में रहता है और अब इसी क्रम में धारा-370 हटने के बाद वह बुरी तरह से तिलमिला उठा है और आतंकवाद के लिए नये-नये हथकंडे अपना रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि डिजिटल घुसपैठ वर्तमान में पाकिस्तान का एक नया पैंतरा है और वह डिजिटल घुसपैठ के जरिए लगातार भारत में अशांति, उपद्रव और हिंसा फैलाने की फिराक में है। पाकिस्तान स्थित विभिन्न आतंकवादी समूह आज डिजिटल यानी कि विभिन्न आनलाइन गतिविधियों के जरिए भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने में लिप्त है हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां, हमारे देश की साइबर टीम और हमारे तमाम सुरक्षा बिल इसको लेकर पहले से ही बहुत सतर्क और मुस्तैद हैं। बावजूद इसके भारत को पाकिस्तान द्वारा की जा रही डिजिटल घुसपैठ को रोकने के लिए और बड़े कदम उठाने की जरूरत इसलिए है क्योंकि आज का जमाना सूचना क्रांति का है। आनलाइन माध्यमों से पलों में भारत विरोधी कंटेंट को इधर से उधर पहुंचाया जा सकता है। आज पाकिस्तान डिजिटल गतिविधियों के जरिए नफ़रत फैलाने वाले भाषणों, चरमपंथी कंटेंट को लगातार बढ़ावा देने में लगा है. हमारी सुरक्षा एजेंसियों को इसे रोकने के लिए मिलकर एकजुट होकर काम करना होगा और चरमपंथी कंटेंट,नफरती भाषणों के आडियो-विडियो को तेजी से पहचानना होगा। हमें हमारे देश में तकनीकों को और अधिक विकसित व समृद्ध करने की जरूरत है। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया की हर कहीं बहुत व्यापक व आसान पहुंच है। आज इंटरनेट व सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के आतंकी संगठन कट्टरपंथी कंटेंट, नफरती भाषणों को फ़ैलाने का ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि मीडिया में आई खबरें बतातीं हैं कि वे नये लोगों का रिक्रूटमेंट तक कर रहे हैं। सच तो यह है कि इंटरनेट के माध्यम से आज पाकिस्तान आभासी कट्टरपंथ पैदा कर रहा है। इससे विशेषकर जम्मू-कश्मीर व घाटी में शान्ति व्यवस्था बाधित हो सकती है। इसके लिए हमें एक मजबूत नेटवर्क के साथ ही इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। मीडिया, साइबर क्राइम आदि के बारे में आम लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक व सचेत करने की जरूरत है। हमें देश से बेरोजगारी, ग़रीबी को भी दूर करना होगा क्योंकि बेरोजगार व गरीब युवा बहुत बार इनके चक्कर में आ जाते हैं और फिर इससे निकलने का रास्ता उन्हें नहीं सूझता है। हमें देश में विकास को बढ़ावा देना होगा, शिक्षा का उजियारा सब तक फैलाना होगा। इतना ही नहीं, हमें हमारे देश में सहयोगात्मक ऑनलाइन पुलिसिंग को भी बढ़ाना होगा। तकनीकी विकास तो करना ही होगा ताकि ऐसे कट्टरपंथी कंटेंट पर लगाम लगाई जा सके। डिजिटल घुसपैठ(कट्टरपंथी कंटेंट) किसी भी राज्य, संस्थाओं और नागरिकों को विभाजित कर सकती है, हिंसा फैला सकती है। डिजिटल घुसपैठ अराजकता और झूठी सूचनाएं फैला सकती है।

दृष्टि कोण

देश की तरक्की में बाधक हैं मुफ्त की रेवड़ियां

पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में अपने ही दल की सरकार की यह कहकर आलोचना की कि जो चुनावी वादे पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें न करें। वजह यह है कि सरकार बन जाने पर उन्हें पूरा करने में कठिनाई आती है। उनका आशय मुफ्त की उन योजनाओं से था, जिन्हें पूरा करने में सरकारी खजाने को खाली होने का डर होता है। हिमाचल प्रदेश के बारे में अभी खबर आई ही थी कि वहां सरकारी खजाने का हाल यह है कि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए संसाधन जुटाने में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार ही है। लेकिन पक्ष-विपक्ष के नेताओं को चुनाव जीतने से मतलब होता है। सोच लिया जाता है कि बाद की बाद में देखेंगे। इसलिए खड़गे के बयान पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अरसे से देख रहे हैं कि सभी दल, जनता उन्हें वोट दे, वे किसी न किसी तरह चुनाव जीत जाएं, इसके लिए मुफ्त में सब कुछ देने का वादा करते हैं। वे भूल जाते हैं कि अपने ही किए गए वादों के जाल में फंस सकते हैं। फंसते हैं, तभी तो खड़गे ने ऐसा बयान दिया। एक बार तमिलनाडु से आने वाली घरेलू सहायिका ने बताया था कि महीने भर का राशन- अनाज, चावल, दालें, तेल, मसाले आदि सब चीजें मुफ्त में हर एक के घर पहुंचा दी जाती हैं। महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त है। चुनावी घोषणापत्र में अनेक दल टीवी, मोबाइल, साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, साड़ियां आदि देने का वादा करते हैं। पक्के घर, बिजली, पानी आदि भी देने के वादे किए जाते हैं। मुफ्त की चिकित्सा सुविधा भी। इन दिनों तो युवाओं, स्त्रियों, बुजुर्गों के खाते में सीधे हजारों रुपए भेजने की बातें की जाती हैं। ये पैसे कहां से आएंगे, इसकी चिंता किसी दल को नहीं होती। सारे पैसे मुफ्त में देने में ही खर्च हो जाएंगे, तो बाकी के कामों का क्या होगा। कोई भी यह नहीं कहता कि लोग परिश्रम करें। न ही इसकी योजनाएं बनाई जाती हैं कि लोगों को अधिक से अधिक संख्या में काम पर कैसे लगाया जाएगा। वैसे भी अपने यहां कहावत है कि अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम। दास मलूका कह गए सबके दाता राम। यानी कि लोग भाग्य और अब सरकारों के भरोसे रहें। किसी भी देश को बर्बाद करना हो, तो लोगों को श्रम से मुंह मोड़ना और भाग्य के भरोसे रहना सिखा दें। यही अपने यहां हो रहा है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटें और कुछ रास्ता न बचे तो वर्ल्ड बैंक के सामने कटोरा फैलाकर कर्ज ले लिया जाए। वेनेजुएला जैसे फलते-फूलते देश की अर्थव्यवस्था इन रेवड़ियों के कारण किस तरह से बैठ गई, यह हम सबने देखा। और सोवियत संघ के पतन से भी हमने कुछ नहीं सीखा। सोचें कि मुफ्त देने के मुकाबले यदि इन पैसों को देश के विकास में लगाया जाए, तो इससे लोगों को काम भी मिलेगा और लोगों के परिश्रम की आदत भी नहीं छूटेगी। यहां दो उदाहरण देना उचित होगा। कुछ साल पहले बिजली का बिल ठीक कराने के लिए बिजलीघर गई थी। वहां पता चला कि फोटोकापी वाला इस काम को आसानी से करा देता है। कुछ पैसे देने होंगे। बार-बार आने और फिर भी काम न हो पाने के मुकाबले, कुछ पैसे देना उचित लगा। वहां पहुंची, तो फोटोकापियर एक आदमी से बात कर रहा था। वह आदमी कह रहा था कि पास ही की एक कालोनी में उसका पच्चीस गज का चार मंजिल का घर है। चारों मंजिल उसी के पास हैं। वह चाहता है कि हर मंजिल पर एक अलग मीटर लगा दिया जाए, जिससे कि किसी भी मंजिल का बिल दो सौ यूनिट से ज्यादा न आए और उसे बिजली का एक पैसा न देना पड़े। यानी कि खर्च तो आठ सौ यूनिट होंगी, मगर अलग-अलग मीटरों के कारण उसका बिजली का बिल शून्य होगा। कारण, दिल्ली की सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दे रखी है। यह तो एक उदाहरण है, लम्बे-चौड़े दिल्ली शहर में ऐसा कितने लोग करते होंगे, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। दरअसल, एक बार अगर मुफ्त की कोई योजना शुरू कर दी जाए तो फिर किसी भी दल की हिम्मत नहीं होती कि वह उसे खत्म कर दे। क्योंकि खत्म करते ही विरोधी उसके पीछे पड़ जाते हैं और अपना नुकसान होते देख, लोग चुनाव हरा देते हैं। इसके अलावा यह भी होता है कि आज आपने किसी को एक रुपया मुफ्त दिया है, तो वह कहता है कि एक रुपया तो पहले से ही मिलता है, वही दे रहे हो तो नया क्या दे रहे हो। वोट तो तब दें, जब ये बताओ कि इस एक रुपए से बढ़ाकर कितना दोगे। जितना मुफ्त मिलता जाता है, लालच बढ़ता जाता है। कुछ साल पहले पास ही के उत्तर प्रदेश के शहर में साहित्य उत्सव में गई थी। वहां स्थानीय लोग बहुत थे। उनमें से बहुत से गांवों से आए थे। उनका कहना था कि अब गांवों में युवा काम करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वहां लोगों को बहुत कुछ मुफ्त मिलता है, तो कोई काम क्यों करे। यह भी बताया कि बहुत से युवा इकट्ठे होकर, दिन भर जुआ खेलते रहते हैं। चूंकि खाली हैं, तो लड़ाई-झगड़ा और अपराधों का ग्राफ भी बढ़ा है। यह सिर्फ एक स्थान की बात नहीं है। भारत भर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अब काम करने वाले आसानी से नहीं मिलते। खटाखट-फटाफट के चक्कर में लोग इस बात से आश्वस्त हो जाते हैं कि उन्हें अब खाने-पीने और पैसे की दिक्कत नहीं होगी, तो बिना मतलब काम क्यों किया जाए। परिश्रम न होने के कारण गांवों में, कम उम्र में ही वे बीमारियां बढ़ रही हैं, जिन्हें बड़ी उम्र के रोग कहा जाता था। तमाम बड़े अर्थशास्त्री मुफ्त की योजनाओं को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक मानते हैं, मगर दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

कुछ अलग

प्राचीरों से दिया गया प्रवचन

इस प्राचीर तक पहुंचने की इच्छा उनकी नहीं थी। इन प्रासादों के भीतर भी उनका प्रवेश निषेध रहा। लेकिन फिर भी उन्हें समझा दिया जाता कि यह प्राचीर तुमसे दूर नहीं। इस पर पीढ़ी दर पीढ़ी बैठे लोगों के जय जयकार के नारे लगाते रहोगे, तो जब वोट डालने का वक्त आएगा, तो ये चार दिन की चांदनी का मंत्र-वाक्य सिद्ध करने के लिए तुम्हारे दरवाजे पर दस्तक दे देंगे। तुम उनसे न पूछना कि इन चंद चांदनी रातों के बाद क्या फिर अंधेरी रात का उपहार है? बरखुरदार भला इसके पूछने की क्या जरूरत है? यहां अंधेरी रातों के तोहफे नहीं बंटते, यह तो तुम्हारी नियति है। अब तक इसे झेल लेने की तो तुम्हें आदत हो जानी चाहिए थी। बहुत-सी बातों की आदत तो हो गई है, तुम्हें कि जैसे यह आदत कि चिंता न करो, अच्छे दिन आएंगे। सब जन रोटी खाएंगे। बदन पर फटे चीथड़ों की जगह सज्जनों जैसे वस्त्र पाएंगे। उनके बिना दीवारों के घर अब उनसे रुखसत ले लेंगे। उनके सिर पर छत का चंदोबा बन जाएगा। जिसके फटे सीने से झांकता हुआ चांद उनके साथ हाथ मिलाने नहीं आएगा। यह सब नहीं मिला। हां, इसका इंतजार करने की आदत अब अवश्य पक्की हो गई है। सपनों का बायस्कोप दिखाने वाला अपने ओजस्वी भाषण के साथ आज भी जरूरत पडऩे पर उनकी गलियों का चक्कर लगाने आ जाता है। उसके पास निकट भविष्य में उनका वक्त बदल जाने का संदेश रहता है। लेकिन यह भविष्य कितना निकट है, शायद इसकी खबर उसे नहीं रहती। प्राचीर से चिल्लाओ तो आवाज को उनके पाताल तक पहुंचते देर लगती है। उनके प्रासादों के बाहर कभी फुटपाथ थे, उनका ठिकाना बन जाते थे, लेकिन स्वच्छ भारत अभियान में इन फुटपाथों पर मैले कुचैले लोगों का क्या काम? क्यों न इन्हें चंद टूटी झुग्गियों में समेट दो। इन्हें पर्दाकशी करने के लिए इनके बाहर ऊंची दीवारों का परकोटा बना दो। हमारे सम्पन्न मसीहा यह उभरता-संवरता देश देखने आएंगे। उनकी नजर इन मैली-कुचैली बस्तियों पर नहीं पडऩी चाहिए। उनके सौंदर्य बोध पर आघात लगेगा। उन्हें सिर्फ यही बताना कि वह दुनिया के उस सबसे बड़े लोकतंत्र में तशरीफ लाए हैं, जहां अति गरीब जनता की भीड़ हर बार चुनाव दुंदुभि बजने के बाद बड़ी ईमानदारी के साथ अपने वोटों की पुष्पांजलि से इन प्राचीरों और प्रासादों पर कब्जा जमाए अति असामाजिक तत्वों को अपना नया खुदा चुनती है। इन नए खुदाओं के दिल में उनका दर्द नौ दिन और अपने भाई-भतीजों का दर्द सौ दिन सवाया रहता है। इसी को वे इस देश में समाजवाद की स्थापना का नाम देते हैं, जहां टसुवे गरीब के लिए बहाए जाते हैं और माऊंट एवरेस्ट अमीर का उठाया जाता है। यह अमीर संख्या में बहुत नहीं हैं। जनता के धूलि-धूसरित आटे में नमक की तरह रहना पसंद करते हैं। नमक अधिक हो जाए तो उनकी सेहत देश में बिगडऩे लगती है। सेहत बिगड़ती है तो वे बैंकों की सेहत बिगाड़ देते हैं। अपने प्रासादों और प्राचीरों की धौंस से उनका जो खजाना उठा कर अपनी तिजोरी में भरा होता है, उसे अपनी गठरी में समेट कर विदेशों की ओर प्रयाण कर जाते हैं। आजकल इन देशों की नागरिकता बिकने लगी है। अपना चोला बदलते देर ही कितनी लगती है। बस गंगा गए तो गंगा राम और जमना गए तो जमना दास हो जाते हैं। पीछे जिन्हें छोड़ गए, वे प्रासाद के प्राचीर उनकी प्रतीक्षा करते हैं। जिन बैंकों के कोषागार खाली कर गए थे, उनके वजूद लडख़ड़ाने लगते हैं।

देश दुनिया से

मन का मनका फेर

आज लगभग हर व्यक्ति तनाव भरा जीवन जी रहा है। तनाव की स्थिति इतनी भयानक है कि समाज का हर वर्ग इससे ग्रसित है, परेशान है और दुख भोग रहा है। अमीर हो या गरीब, राजा हो या भिखारी, मालिक हो या कर्मचारी, आज सभी किसी न किसी तनाव से ग्रसित हैं। गलाकाट प्रतियोगिता, आगे बढऩे की उत्कट चाह, सबसे अलग दिखने की इच्छा, पड़ोसी के सुख में दुखी, क्रोध, ईर्ष्या, डर, ग्लानि आदि से पीड़ित मानव समाज एक ऐसे चक्रव्यूह का शिकार है जिससे निकलने की कोई राह उसे नहीं सूझ रही है। झूठ और सच के मेल से बनी आकर्षक मार्केटिंग और स्पांसर्ड रिसर्च स्टडीज के जाल में फंसा व्यक्ति अपना धन ही नहीं, बल्कि खुद को भी खर्च किए जा रहा है, और यह एक ऐसी अंधेरी सुरंग है जिसका कोई अंत नहीं है। सवाल उठता है कि हमें तनाव होता ही क्यों है, और अगर कभी हम तनाव में आए भी तो यह लगातार बना क्यों रहता है? हमारा दिमाग हमारे पूर्वजों के संस्कारों का खजाना है। आदि मानव के रूप में जब हमारे पूर्वज जंगलों में रहते थे तो जंगली पशुओं का डर बना रहता था। शिकार कर पाने के लिए उनके पास जो भी हथियार थे, अगर उनसे वो हमलावर पशु को डरा सकते थे या वे उसका शिकार कर सकते थे तो वो मुकाबला करते थे, वरना बच निकलते थे। मनोविज्ञान में इसे 'लड़ो या भागो' की भावना, यानी, फाइट ऑर फ्लाइट इंस्टिंक्ट कहा गया है। हमारा दिमाग जिन भावनाओं को 'पहचानता' है, उन्हें वह संजो लेता है। हम अगर एक बार तनाव में आए और कुछ समय तक उसी में रमे रहे तो हमारा दिमाग तनाव की उस भावना को पहचानने लगता है और उसे अपनी याद्दाश्त में संजो लेता है। इस प्रकार हम तनाव के चक्रव्यूह में फंस जाते हैं और अगर हम जागरूक रहकर अपने तनाव के कारण को न पहचानें तो हम उसी में घुसे रह जाते हैं और तनावग्रस्त जीवन जीते रहते हैं। आज हम सबके साथ यही हो रहा है। प्रार्थना से, कृतज्ञता की भावना विकसित करके, प्रेममय जीवन जीते हुए हम क्रोध, ईर्ष्या, डर, ग्लानि आदि हानिकारक भावनाओं से मुक्त हो सकते हैं और तनाव से छुटकारा पा सकते हैं। श्रीमद्भगवद् गीता में सब दुखों से छुटकारा पाने के चार मुख्य साधनों का वर्णन है जिन्हें भगवान श्री कृष्ण ने ज्ञानयोग, राजयोग, कर्मयोग और भक्तियोग कह कर उनका वर्णन किया है। वेदों, उपनिषदों और अन्य धार्मिक ग्रंथों के पठन-पाठन से प्राप्त ज्ञान को जीवन में उतार कर हम ज्ञानयोग को सार्थक कर सकते हैं। समाज सेवा का संकल्प लेकर हम राजयोगी का जीवन जी सकते हैं। फल की इच्छा के बिना, हर काम को परमात्मा के निमित्त मानकर अनासक्त रहते हुए अपनी सभी जिम्मेदारियां निभाते हुए शुद्ध कर्मों द्वारा हम कर्मयोगी हो सकते हैं और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना से हमेशा परमात्मा का नाम जपते हुए उनकी शरण में रहने का अनुभव करते हुए जीवन जीना भक्तियोग का उदाहरण है। नाम कुछ भी हों, अंततः ये सभी आपस में गुंथे हुए हैं। हां, संत जनों का यह मानना है कि इन सब में भक्तियोग का आचरण सबसे सरल है और यह हर तनाव और हर दुख की रामबाण औषधि है, पर जैसा कि पहले भी स्पष्ट किया गया है कि भक्तियोग या अन्य कोई पद्धति किसी भी अन्य पद्धति के विरोध में नहीं है, बल्कि अंततः सभी एक सरीखी ही हैं। 'सहज संन्यास मिशन' में हम लोगों ने भक्तियोग के ही एक और सरल रूप 'प्रेम योग' का पाठ पढ़ा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन की शक्ति के बिना किसी भी वस्तु का निर्माण संभव नहीं है। अणु रूप में ये 'ऊर्जा' हैं, एनर्जी हैं और इनके अंदर 90 प्रतिशत जगह खाली है और वहां इनका ऊर्जा स्वरूप लगातार गतिमान है, चक्कर लगा रहा है। इस सृष्टि में हम मानवों के अलावा पशु-पक्षी, कीट-पतंग, जलचर जीव और पेड़-पौधों आदि को जीवित प्राणी मानते हैं। यही कारण है कि हमारी नजरों में एक पेड़ तो जीवित है, पर उसकी एक शाख काट ली तो वह 'लकड़ी' बन गई और मृत हो गई। सच यह है कि लकड़ी का अस्तित्व भी इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग के बिना संभव नहीं है, और अगर लकड़ी भी इन्हीं अणुओं के संयोग से ही बनी है और 'मृत' मानी जाने वाली इस लकड़ी में भी इन्हीं अणुओं की ऊर्जा गतिमान है तो दरअसल लकड़ी में भी जीवन का अंश बाकी है। यानी, इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, मिट्टी, पत्थर, कोयला, लकड़ी जैसी मृत या जड़ मानी जाने वाली हर वस्तु भी दरअसल जीवित है, चेतन है। यही कारण है कि सहज संन्यास मिशन में हमें मानवों, पशु-पक्षियों, कीट-पतंगों, जलचर जीवों, पेड़-पौधों ही नहीं, बल्कि हर जड़-चेतन वस्तु का आदर करने, उससे प्रेम करने की सीख दी जाती है। भोजन करें तो कृतज्ञ होकर करें, भोजन श्रृंखला से जुड़े हर व्यक्ति और वस्तु को प्रणाम करें, हम तक भोजन पहुंचाने के कार्य में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ होकर भोजन करें। वस्त्र पहनें तो यही, कुर्सी पर बैठें तो यही। हर व्यक्ति के प्रति आभार और ममतामयी निश्छल प्रेम की भावना, हर वस्तु के प्रति आभार और ममतामयी निश्छल प्रेम की भावना। इसी तरह अपने संपर्क में आने वाले हर जान-अनजाने व्यक्ति के प्रति ममतामयी निश्छल प्रेम की भावना। प्रेम वैसा ही जैसा मां अपने बच्चे से करती है, बिना कारण प्रेम करती है, उसके अज्ञान से भी प्रेम करती है, उसकी गलतियों से भी प्रेम करती है, उसकी मासूमियत से भी प्रेम करती है। यह भावना आ जाए तो हम किसी का अनादर नहीं करते, किसी से घृणा नहीं करते, किसी से ईर्ष्या नहीं करते, किसी की निंदा नहीं करते, किसी की चुगली नहीं करते, किसी की शिकायत नहीं करते, बस प्रेम करते हैं। जब हम यह कर लेते हैं तो हमारा जीवन ही प्रार्थना है, हमारा जीवन ही निष्काम कर्म है, हमारा जीवन ही भक्तियोग है, कर्मयोग है, राजयोग है, और ज्ञानयोग है। फिर हम ही पूजा स्थल हैं, हम ही ब्रह्म हैं, हम ही परमात्मा हैं और हमारे चारों ओर की हर चीज परमात्मा का ही प्रकाश है। इस स्थिति में आने के लिए प्रयास करना पड़ता है, प्रयास के साथ-साथ लगातार अभ्यास करना पड़ता है, चेतन होकर अभ्यास करना पड़ता है। एकदम से नहीं होगा, धीरे-धीरे होगा, पर होगा जरूर। साथ ही हमें यह भी याद रखना है कि परमात्मा को पाने के हजारों-लाखों रास्ते हैं, हर रास्ता सही है, और प्रेममय जीवन जीने का रास्ता भी उन सब रास्तों में से एक है। ये न किसी से बढ़िया है, न किसी से घटिया है। परमात्मा को पाने की किसी भी एक राह की किसी दूसरी राह से कोई तुलना नहीं है।

आप का नजरिया

पर्यटन की अदायगी

पर्यटन के बदलते कदम आने वाले समय की खूबसूरती बदल देंगे। सुविधाओं का इश्तिहार वास्तव में नए पर्यटन की खुशहाली बयान करता है और इसी के सदके यात्राओं के विवरण बदल रहे हैं। परिवहन अब पर्यटन की पहली परिभाषा और सुविधाजनक आराम इसकी पहली शर्त बन गया है, तो हिमाचल को अपने खीसे तलाश लेने चाहिएं। क्या दिल्ली से मनाली, मकलोडगंज या डल्हौजी की यात्रा किसी तरह उत्तराखंड या श्रीनगर के मुकाबले सुविधाजनक है। क्या हम कश्मीर घाटी की तरह पर्यटन के आकर्षण को उम्दा कर पा रहे हैं या उत्तराखंड की मंजिलों पर आकर कहीं टिक पा रहे हैं। पर्यटन की रूहानियत और इसकी अदायगी में अंतर है। बेहतर अदायगी का पर्यटन अभी शुरू नहीं हुआ है। पहले दूरियां पल भर के सुकून के लिए महसूस नहीं होती थीं, लेकिन अब यात्रा के समाधान प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पहले ही दिल्ली-धर्मशाला, कुल्लू या शिमला का हवाई किराया यात्रा योजनाओं के युवा संदर्भों को हिमाचल से दूर कर देता है, क्योंकि जितने कम से कम खर्च में बंदा नजदीकी विदेश में अपने पर्यटन सरोकार जोड़ लेता है, उससे कहीं अधिक व्यय से हमारे करीब आने के कारण वह खो देता है। यह दीगर है कि अब कहीं जाकर पर्वतीय यात्राओं के बदलते उद्देश्य हिमाचल के फोरलेन माप रहे हैं या कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के प्रारंभिक शिलालेख लिखे जा रहे हैं। हमें पड़ोसी उत्तराखंड की दिल्ली से दूरी के नजदीक खड़े होने के लिए सस्ती हवाई सेवाएं चाहिएं या सडक़ मार्गों के नेटवर्क में पर्यटन यात्राओं के वृत्तांत सुदृढ़ करने पड़ेंगे। उदाहरण के लिए दिल्ली-देहरादून के बीच एक्सप्रेस-वे से पूरी यात्रा अगर ढाई घंटे में सिमट जाएगी, तो हम अभी दिल्ली से चंडीगढ़ और चंडीगढ़ से हिमाचल के रास्ते पर फिसड्डी सिद्ध हो रहे हैं। इसी तरह वंदे भारत एक्सप्रेस से दिल्ली व कश्मीर की 800 किलोमीटर की दूरी महज 13 घंटे में सिमट जाएगी। ऐसे में अंब-अंदौरा पहुंच रही वंदे भारत में हिमाचल के पर्यटन का नक्शा दिखाई देता है। करीब साढ़े पांच घंटे में दिल्ली-अंदौरा तक वंदे भारत का सफर किस तरह आगे कांगड़ा घाटी व हमीरपुर, मंडी और बिलासपुर जिलों को जोड़ सकता है, इसके ऊपर फौरी और दीर्घकालीन योजनाओं पर विचार करना चाहिए। फौरी तौर पर वंदे भारत के साथ एचआरटीसी को धर्मशाला, हमीरपुर व मंडी एवं बिलासपुर के कुछ कनेक्टिंग रूट जोडऩे चाहिएं, जबकि ऊना रेल का रुख ज्वालाजी की तरफ मोडऩे का भरसक प्रयास होना चाहिए। इसी तरह पठानकोट, कालका व चंडीगढ़ के रेलवे स्टेशनों से एक्सप्रेस रेलगाडिय़ों के साथ हिमाचल का पर्यटन रिश्ता जोड़ते हुए सुविधाजनक पैकेज बनाने चाहिएं। विडंबना यह है कि दिवाली और उसके बाद शुरू हुए पर्यटक आगमन की बहारों में दिल्ली से धर्मशाला या धर्मशाला से कनेक्टिंग जयपुर की उड़ानें महंगी हो गई हैं। परिवहन से पर्यटन का रिश्ता मजबूत करने की दरख्वास्तें सरकार का विशेष दखल चाहती हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ब्राजील में सुप्रीम कोर्ट के बाहर और सांसदों के कार्यालयों के पास बम धमाका, कार से भाग रहा संदिग्ध मारा गया

ब्रासीलिया, 14 नवंबर (एजेंसियां) ।

ब्राजील में संघीय सुप्रीम कोर्ट के पास हुए बम धमाके से लोग दहल गए। यह धमाका बुधवार शाम सुप्रीम कोर्ट इमारत के बाहर हुआ। इस दौरान कार से भाग रहा संदिग्ध मारा गया।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की इमारत को खाली करा लिया गया। इसे कार बम धमाका बताया जा रहा है। इस दौरान कार से भाग रहा संदिग्ध व्यक्ति मारा गया।

कुछ दिन बाद ब्राजील जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला है। यह सम्मेलन रियो डी जेनेरियो में होना है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी इसमें हिस्सा लेना है। नई दिल्ली में उनके कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी 18 एवं 19 नवंबर को रियो डी जेनेरियो में रहेंगे।

ब्राजील समाचार पत्र (जेओआरएनएएल डीओ बीआरएएसआईएल) की खबर के अनुसार, सेना पुलिस ने विस्फोटक से भरी यह कार प्राका डॉस ट्रेस पोडेरेस क्षेत्र से बरामद कर ली है। यह कार बम विस्फोट में मारे गए संदिग्ध व्यक्ति की है। यह कार आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके अलावा दूसरा विस्फोट घटनास्थल के आसपास बने सांसदों के कार्यालयों और कर्मचारियों के आवास के करीब हुआ। अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। यह कार फ्रांसिस्को वांडरली लुइज नाम पर पंजीकृत है।

ब्रासीलिया के डिप्टी गवर्नर ने कहा कि यह धमाका उस समय हुआ जब एक व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश करने से रोका गया। विस्फोट के बाद सुप्रीम कोर्ट की इमारत के बाहर एक व्यक्ति का शव मिला। अभी उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। ब्राजील के महाधिवक्ता जॉर्ज मेसियस ने एक्स पोस्ट में बम धमाके की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर किया गया हमला है। इसकी पूरी जांच की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के एक फैसले से एच-1बी वीजा धारकों के लिए परेशानी, भारतीयों की बढ़ेगी चुनौती

वाशिंगटन। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी नई सरकार का गठन में कई चौंकाने वाले फैसले लिए हैं। उनके हालिया निर्णयों में सबसे खास है उनके लंबे समय के सहयोगी और नीति विशेषज्ञ स्टीफन मिलर को नीति के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त करना। मिलर को इमिग्रेशन के मामले में एक कट्टरपंथी नजरिया रखने के लिए जाना जाता है, और यह निर्णय विशेष रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों और एच-1बी वीजा धारकों के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। उप-राष्ट्रपति-चुनाव जेडी वेंस ने इस नियुक्ति का स्वागत किया और कहा कि मिलर ट्रंप के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं, जो उनके पहले कार्यकाल में भी कई अहम नीतिगत निर्णयों में मुख्य भूमिका निभा चुके हैं। ट्रंप प्रशासन के पिछले कार्यकाल में भी मिलर ने 2018 में प्रवासी परिवारों को अलग करने जैसी कठोर आव्रजन नीतियों में अग्रणी भूमिका निभाई थी। इस बार भी उनके कट्टरपंथी दृष्टिकोण के चलते वीजा धारकों पर खासा असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन ने पहले भी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और उच्च-कुशल विदेशी नागरिकों के अमेरिका में स्थाई रूप से काम करने की राह में कई नीतिगत अवरोध खड़े किए थे। एच-1बी वीजा धारकों के लिए अमेरिकी कंपनियों में काम करना कठिन बना देने वाले इन नीतियों के कारण, कई भारतीय पेशेवरों को वीजा रिजेक्ट होने की संभावना बढ़ गई है। सख्त पात्रता मानदंड और एच-1बी पदों के लिए न्यूनतम वेतन बढ़ाने जैसे कदम भी भारतीय पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसरों को सीमित कर सकते हैं। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने आवेदन प्रक्रिया को जटिल बनाते हुए वीजा के लिए दस्तावेजीकरण और जांच की प्रक्रियाओं को भी कड़ा कर दिया है, जिससे प्रोसेसिंग टाइम लंबा हो सकता है और भारतीय वीजा आवेदकों को अनुमोदन में देरी का सामना करना पड़ सकता है ।

ईरान में 200 महिलाओं से दुष्कर्म के दोषी को फांसी दे चौराहे पर लटकाया

तेहरान। कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने के दोषी एक ईरानी शख्स को सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अक्टूबर में मोहम्मद अली सलामत की मौत की सजा की होने के बाद यह कदम उठाया गया। उसे हमीदान में मौत की सजा दी गई। फार्मेसी और जिम चलाने वाले सलामत पर 200 महिलाओं ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था। ऐसा कहा जाता है कि उसने पिछले 20 सालों में ये अपराध किए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई मामलों में सलामत ने महिलाओं को शादी का प्रस्ताव देने, डेट करने के बाद उनसे दुष्कर्म किया। उसने कुछ को गर्भपात की गोलियां भी दी थीं, जो ईरान में अवैध हैं। सलामत को जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद सैकड़ों लोग न्याय विभाग में एकत्र हुए और उसको मृत्युदंड देने की मांग करने लगे। ईरान में दुष्कर्म और व्यभिचार मौत की सजा वाले अपराधों में से हैं। 2005 में ईरान ने 20 बच्चों के साथ दुष्कर्म करने और उनकी हत्या करने वाले 24 वर्षीय व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से फांसी पर लटका दिया था। 1997 में अधिकारियों ने तेहरान में नौ लड़कियों और महिलाओं के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के लिए 28 वर्षीय एक व्यक्ति को फांसी दे दी थी।

मस्क का इटली की राजनीति में हस्तक्षेप प्रवासी नीति पर मेलोनी के समर्थन से विवाद

वाशिंगटन। सबसे अमीर शख्स और डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक एलन मस्क ने हाल ही में इटली की राजनीति में एक नया विवाद छेड़ दिया है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के समर्थन में मस्क ने इटली की अदालत द्वारा अवैध प्रवासियों पर मेलोनी की नीति के खिलाफ दिए गए फैसले की कड़ी आलोचना की। अदालत ने मेलोनी की योजना को रोकते हुए कहा था कि अवैध प्रवासियों को अल्बानिया के डिटेंशन सेंटर्स में भेजने का फैसला अवैध है, जिसके बाद मस्क ने इटली की न्यायपालिका पर सवाल उठाए। मस्क ने इटली के न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मेलोनी की प्रवासी नीति को रोक कर गलत किया है। उनके इस बयान से इटली में हड़कंप मच गया, जिसके बाद राष्ट्रपति सर्जियो माटरेल्ला ने मस्क को चेतावनी दी कि वे इटली की राजनीति में दखल न दें।

डोनाल्ड ट्रंप ने रुबियो को विदेशमंत्री और तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक नामित किया

वाशिंगटन, 14 नवंबर (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने यहां बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात के बाद अहम घोषणा की। उन्होंने फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को विदेशमंत्री और पूर्व कांग्रेस सदस्य और लेफ्टिनेंट कर्नल तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में नामित किया।

खबर के अनुसार राष्ट्रपति जो बाइडन से भेंट के बाद वाशिंगटन से फ्लोरिडा की वापसी के समय ट्रंप ने यह घोषणा की। रुबियो कभी ट्रंप के मुखर आलोचक रहे हैं। वह उनके सबसे बड़े समर्थक हैं। इसके अलावा ट्रंप ने फ्लोरिडा के कांग्रेसी मैट गेट्ज को अमेरिका के अटॉर्नी जनरल के रूप में नामित किया। उन्होंने लेफ्टिनेंट कर्नल तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक रूप में नियुक्त करने का ऐलान किया। उल्लेखनीय है, रुबियो रूढ़िवादी नेता हैं। चीन, क्यूबा और ईरान के खिलाफ उनका रुख कठोर रहा है। इस वर्ष वह ट्रंप के उपराष्ट्रपति पद के लिए संभावित उम्मीदवारों में शामिल थे।

ट्रंप ने एक बयान में फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो की प्रशंसा की है। रुबियो सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के उपाध्यक्ष और विदेश संबंध समिति के सदस्य भी हैं। उन्होंने चीन पर सख्त रुख अपनाते हुए टिकटॉक जैसे सोशल मीडिया ऐप्स के खिलाफ आवाज उठाई। विदेशमंत्री के रूप में नामित करते हुए ट्रंप ने रुबियो के बारे में कहा, वह हमारे देश के लिए मजबूत वकील होंगे। हमारे सहयोगियों के सच्चे दोस्त होंगे। हमारे विरोधियों के खिलाफ कभी भी पीछे नहीं हटेंगे। यह जानना दिलचस्प है कि रुबियो का चयन दो व्यक्तियों के बीच लंबी और जटिल कथानक का हिस्सा है। 2016 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की दौड़ के दौरान रुबियो ने ट्रंप की आलोचना करते हुए उन्हें धोखेबाज कलाकार और राष्ट्रपति पद के लिए प्रयास करने वाला सबसे अशिष्ट व्यक्ति कहा था। इस पर ट्रंप ने भी उन्हें छोटा मार्को कहकर मजाक उड़ाया था। इसके बाद समय के साथ जैसे-जैसे ट्रंप का प्रभाव बढ़ा, रुबियो ने भी अपना रुख बदलते हुए ट्रंप का समर्थन करना शुरू कर दिया।

ट्रंप की घोषणा के अनुसार पूर्व डेमोक्रेट और अमेरिकी कांग्रेस की पहली हिंदू सदस्य तुलसी गबार्ड अब राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में काम करेंगी। वह चार बार कांग्रेस सदस्य रहीं। 2020 में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार और बेस्ट सेलिंग लेखिका हैं। गबार्ड मध्य पूर्व और अफ्रीका के युद्ध क्षेत्रों में तीन बार तैनात रहीं। वह अनुभवी सैनिक हैं। हाल ही में गबार्ड डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़कर रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हुई थईं। उन्होंने 21 साल की उम्र में हवाई राज्य प्रतिनिधि सभा में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। 9/11 के हमलों के बाद वो अमेरिकी सेना में भर्ती होकर इराक में तैनात रहीं। गबार्ड ने साल 2020 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी थी और अब उन्हें ट्रंप समर्थक माना जाता है।

तुलसी गबार्ड की नियुक्ति की खबर सबसे पहले रोजर स्टोन ने अपने एक्स अकाउंट पर साझा की। स्टोन लंबे समय से ट्रंप के मित्र और सलाहकार हैं। सीआईए का नेतृत्व करने के लिए ट्रंप की पसंद जॉन रैटक्लिफ के साथ तुलसी व्हाइट हाउस की शीर्ष खुफिया सलाहकार होंगी। वह 18 जासूसी एजेंसियों की देखरेख करेंगी और राष्ट्रपति की डेली ब्रीफ (खुफिया सारांश) तैयार करने के लिए जिम्मेदार होंगी।

ट्रंप ने अपनी नवीनतम कैबिनेट की घोषणा करते हुए कहा कि मैट गेट्ज को बेहद प्रतिभाशाली और मजबूत वकील बताया है। उन्होंने विलियम एंड मैरी कॉलेज ऑफ लॉ से कानून की पढ़ाई की है। उन्होंने न्याय विभाग में जरूरी सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कांग्रेस में खुद को प्रतिष्ठित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के लिए सबसे अहम काम न्याय व्यवस्था में पक्षपात को खत्म करना है। मैट गेट्ज सरकार की अनुचित शक्तियों को खत्म करेंगे, हमारी सीमाओं की सुरक्षा करेंगे, अपराधी समूहों से लड़ेंगे और न्याय विभाग में लोगों का खोया हुआ विश्वास फिर से बहाल करेंगे।

बलूचिस्तान के कोयला खदान क्षेत्र में सशस्त्र गिरोह ने लगाई आग, तीन मजदूरों को किया अगवा

क्वेटा (बलूचिस्तान), 14 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र हथियारबंद लोग तीन मजदूरों को उठा ले गए। 24 घंटे पहले हुई इस वारदात की अभी तक किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे डुकी जिले के कोयला खदान क्षेत्र में दहशत है। जाते-जाते इन लोगों ने सड़क निर्माण के लिए एकत्र मशीनरी को आग के हवाले कर दिया।

खबर के अनुसार, अज्ञात हथियारबंद लोगों ने बुधवार को डुकी जिले में एक सड़क निर्माण कंपनी के शिविर पर हमला किया। मशीनरी में आग लगा दी और साइट पर काम कर रहे तीन मजदूरों का अपहरण कर लिया। बताया गया है कि यह इलाका पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के निकट है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हथियारबंद लोगों ने ड्यूकी को चामलंग कोयला खदान क्षेत्र से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण के लिए स्थापित शिविर पर हमला किया। हमलावरों ने शिविर को घेर लिया। तोड़फोड़ की और निर्माण मशीनरी और अन्य उपकरणों में आग लगा दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आग में मशीनरी पूरी तरह से जलकर राख हो गई। घटनास्थल से भागते समय हथियारबंद लोगों ने बंदूक के दम पर तीन मजदूरों का भी अपहरण कर लिया। अपहृत मजदूर कुचलक के रहने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने डुकी में कोयला खदान क्षेत्र पर अज्ञात हथियारबंद लोगों के हमले में 21 कोयला खनिकों की मौत हो गई थी।

सोशल मीडिया कंपनियां और यूजर के लिए आस्ट्रेलिया सरकार बना रही कानून

कैनबरा, 14 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को अपने उपयोगकर्ताओं की भलाई करने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए नई योजना की घोषणा की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आस्ट्रेलिया के संचार मंत्री ने प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए डिजिटल ड्यूटी ऑफ केयर विनियमन को कानून बनाने की प्रतिबद्धता जताई। प्रस्तावित योजना के तहत, सोशल मीडिया कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म की निरंतर निगरानी करनी होगी और इस आधार पर उन्हें संभावित नुकसान को रोकने के लिए बचाव संबंधी कार्रवाई करने के लिए बाध्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केवल सामग्री विनियमन पर निर्भर रहने से होने वाले नुकसानों पर प्रतिक्रिया करने से हटकर सिस्टम-आधारित रोकथाम की ओर बढ़ने की जरुरत है। यह, बढ़ते वैश्विक प्रयास के हिस्से के रूप में, ऑनलाइन सेवाओं को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए अधिक व्यवस्थित और निवारक दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

वायु प्रदूषण की चपेट में आया काठमांडू, विश्व का छठा प्रदूषित शहर बना

काठमांडू, 14 नवंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल की राजधानी काठमांडू भी वायु प्रदूषण की चपेट में आ गया है। वायु प्रदूषण के कारण पूरे शहर में धुंध छाई हुई है। कई वर्षों के बाद काठमांडू में इस तरह का वायु प्रदूषण देखने को मिला है। वायु प्रदूषण की मात्रा इतनी अधिक बढ़ गई है कि काठमांडू दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में छठे स्थान पर आ गया है।

आईक्यू एयर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक काठमांडू में वायु प्रदूषण का स्तर 170 एक्यूआई के पार हो गया है। आईक्यू एयर के मुताबिक काठमांडू में वायु प्रदूषण का असर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। वैसे तो यह 100 एक्यूआई के पार होना ही स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है लेकिन यह सुबह 11 बजे तक 170 एक्यूआई के पार होने से स्थिति गंभीर होती जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इसी तेजी से प्रदूषण स्तर बढ़ता रहा तो कुछ ही दिनों में प्रदूषण स्तर 200 एक्यूआई के पार हो सकता है।

काठमांडू में एक्यूआई का स्तर 170 के पार होने के साथ ही यह विश्व के छठे सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में आ गया है। सुबह 11 बजे जारी सूचकांक के मुताबिक पाकिस्तान का लाहौर 755 एक्यूआई के साथ पहले स्थान पर है जबकि भारत की राजधानी दिल्ली 423 एक्यूआई के साथ द्वारा सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। तीसरे स्थान पर वियतनाम की हनोई है जबकि चौथे स्थान पर कोलकाता और पांचवें स्थान पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका है। छठे स्थान पर रहे काठमांडू का सबसे प्रदूषित क्षेत्र खुमलतार क्षेत्र है जहां का वायु प्रदूषण 169 के पार चल गया है। इसी तरह भरतपुर चितवन का क्षेत्र 168, काठमांडू का रत्नपार्क 164, भक्तपुर 163, शंख पार्क का वायु प्रदूषण स्तर 160 के पार हो गया है।

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने 12 आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों को खुफिया आधारित आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और उत्तरी वजीरिस्तान में अलग-अलग मुठभेड़ में 12 आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ में छह आतंकवादियों के जख्मी होने का भी दावा किया गया।

खबर में यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से दी गई है। आईएसपीआर के अनुसार, सुरक्षाबलों को यह सफलता बुधवार को मिली। 12-13 नवंबर को सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर उत्तरी वजीरिस्तान जिले के सामान्य क्षेत्र मीरान शाह में खुफिया आधारित ऑपरेशन शुरू किया। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के स्थान पर कब्जा कर लिया। चारों तरफ से घिरे आठ आतंकवादियों को मार गिराया गया। छह आतंकवादी घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के केच जिले में हुई मुठभेड़ में आतंकी सरगना सना उर्फ बारू सहित चार आतंकवादियों को मार गिराया।

आईएसपीआर के अनुसार, सना उर्फ बारू जिला केच में तथाकथित मजीद ब्रिगेड के लिए फोकल भर्ती एजेंट, विशेष रूप से आत्मघाती हमलावर था। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उसकी लंबे समय से तलाश थी। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 30 अक्टूबर को सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में हुई मुठभेड़ में आठ आतंकवादियों को मार गिराया था। इस दौरान एक मेजर सहित तीन सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे।

हिंदुओं की बढ़ेगी मुश्किलें: बांग्लादेश के संविधान से हट जाएगा सेक्युलर शब्द, युनूस बदलने जा रहे संविधान

ढाका। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद, देश की राजनीति और सामाजिक संतुलन में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में बांग्लादेश के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमान ने देश के संविधान से सेक्युलर शब्द हटाने की मांग उठाई है, जिससे बांग्लादेश के भविष्य के धार्मिक और राजनीतिक स्वरूप को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। अदालत में 15वें संवैधानिक संशोधन की वैधता पर सुनवाई के दौरान असदुज्जमान ने जस्टिस फराह महबूब और देबाशीष रॉय चौधरी की पीठ के सामने कहा कि बांग्लादेश की 90 प्रतिशत मुस्लिम आबादी को देखते हुए अल्लाह में आस्था और बांग्ला राष्ट्रवाद जैसे प्रावधानों को मजबूत किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में, असदुज्जमान ने बांग्लादेश की संविधान में किए गए कई संशोधनों का विरोध किया, जिनमें शेख हसीना के पिता, शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्रपिता घोषित करने का प्रावधान भी शामिल है। उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रकार के कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित कर सकते हैं और इससे देश में सामाजिक विभाजन भी हो सकता है। उन्होंने अदालत से इन संवैधानिक संशोधनों को असंवैधानिक घोषित करने का अनुरोध किया है।

तीसरे टी-20 में तिलक वर्मा को नंबर 3 पर बल्लेबाजी का क्यों मिला मौका, भारतीय कप्तान ने बताई वजह

सेंचुरियन, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने सेंचुरियन में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रिका को 11 रन से हराया। इस मैच में जीत के हीरो युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टी-20 में अपना पहला शतक जड़ा।

तिलक मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और 56 गेंदों में 107 रन की नाबाद पारी खेली। तिलक नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने क्यों आएं, इसका खुलासा मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने किया।

इससे पहले हुए दोनों मैचों में कप्तान सूर्यकुमार यादव नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए थे, लेकिन सेंचुरियन में उन्होंने तिलक वर्मा को बल्लेबाजी के लिए मौका दिया। मैच के बाद सूर्या ने इसके पीछे की वजह बताई। तिलक वर्मा के बारे में बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वो मेरे कमरे आया। उसने मुझसे कहा कि मुझे नंबर 3 पर मौका दें, मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैंने कहा कि जाओ और खुद को एक्सप्रेस करो। मुकाबले में तिलक ने ऐसा ही किया। मैं उनके और उनके परिवार के लिए बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि हमने टीम मीटिंग में जिस बारे में बात की थी, हमने उसी ब्रांड का क्रिकेट खेला। हम खिलाड़ियों से यही करने के लिए कहते रहे हैं जो वे फ्रैंचाइजी के लिए करते हैं, जो नेट्स में करते हैं। जिस तरह से चीजें चल रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं।

बीती रात खेले गए चार टी-20 मैचों की श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 11 रनों से हराया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीकी की टीम 7 विकेट खोकर 208 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच श्रृंखला का अंतिम मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

गंभीर के जवाब पर ज्यादा हैरानी नहीं हुई : पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का दौर जारी है। सबसे पहले पोंटिंग ने विराट कोहङ्ली और रोहित शर्मा के फॉर्म पर सवाल उठाये थे। जिसके बाद गंभीर ने करारा जवाब देते हुए कहा था कि उन्हें हमारी नहीं अपनी टीम के खिलाड़ियों की चिन्ता करना चाहिये। साथ ही कहा कि मुझे विराट और रोहित के बारे में कोई चिंता नहीं है क्योंकि वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। इसी को लेकर अब पोंटिंग ने कहा, मैं उनकी प्रतिक्रिया देखकर हैरान था पर मैं जितना जानता हूं उसके अनुसार गंभीर चिड़चिड़े स्वभाव के हैं, इसलिए मुझे उनकी बात पर बुरा नहीं लगा।पोंटिंग ने आगे कहा, मेरा उन पर कोई निजी हमला नहीं किया था। मैंने इतना ही कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह यहां वापसी करना चाहेंगे। अगर आप विराट से पूछेंगे, तो मुझे भरोस है कि वह थोड़ा परेशान होंगे कि वह पिछले वर्षों की तरह शतक नहीं बना पाए हैं। भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगा।

लेह में मिलेगा पैरा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

लेह। लॉस एंजिलिस 2028 पैरालम्पिक से पहले खिलाड़ियों को जरुरी कौशल का प्रशिक्षण देने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अब उन्हें लेह में बनाये जाने वाले पैरा खेल केंद्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। लेह का ये केन्द्र विश्व में ऊंचाई पर बनने वाला पहला खेल केंद्र होगा। इसके लिए पर्वतीय विकास परिषद, लेह और आदित्य मेहता फाउंडेशन के बीच करार हुआ है। परिषद के मुख्य कार्यकारी काउंसिलर एडवोकेट ताशी ग्यालसन ने कहा, 'यह हमारे लिए काफी गर्व का पल है कि पैरा खेलों में विश्व का पहला सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित केंद्र लेह में बन रहा है। भारतीय पैरा खिलाड़ियो ने साल 2024 पेरिस पैरालम्पिक खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 पदक जीते थे। जिससे पता चलता है कि हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस केंद्र में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, नेत्रहीन फुटबॉल, बोकिया, केनोइंग, साइकिलिंग, घुड़सवारी, गोलबॉल, जूडो, पावरलिफ्टिंग, नौकायन, निशानेबाजी, वॉलीबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्कांडो, ट्रायथलन, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, व्हीलचेयर तलवारबाजी, व्हीलचेयर रग्बी, व्हीलचेयर टेनिस का अभ्यास खिलाड़ियों को कराया जाएगा।

मैकस्वीनी को बुमराह से मुकाबले का इंतजार

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने कहा कि वह भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार हैं। मैकस्वीनी को भारत के साथ होने वाजी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उस्मान ख्वाजा के जोड़ीदार के तौर पर उतारा जाएगा। मैकस्वीनी को घरेलू क्रिकेट शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट और हाल ही में भारत ए के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। मैकस्वीनी दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हैं। वह 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट से अपना पदार्पण करेंगे। मैकस्वीनी ने कहा, 'बुमराह का एक्शन सबसे अलग है। वह विश्व के शीर्ष गेंदबाजों में से एक है, इसलिए मैं उनका सामना करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मैकस्वीनी ने कहा कि वह बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी के वीडियो देखकर सीरीज के लिए मानसिक तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एक नए गेंदबाज का सामना करना कठिन होता है क्योंकि केवल एक्शन देखकर उसकी तैयारी नहीं की जा सकती। मैकस्वीनी ने कहा कि पिछले एक महीने से मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा जिससे मेरा मनोबल बढ़ा हुआ है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग चौम्पियनशिप 2024

स्कीट टीम इवेन्ट में मिला भारत को कांस्य पदक खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने दी शुभकामनाएं

भोपाल,14 नवंबर (एजेंसियां)।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग चौम्पियनशिप 9 से 13 नवंबर 2024 का आयोजन दिल्ली में किया गया। इस चौम्पियनशिप के स्कीट इवेन्ट में भारत को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। कांस्य पदक प्राप्त करने वाली 3 सदस्यीय भारतीय टीम में म.प्र. राज्य शूटिंग (शॉटगन) अकादमी की खिलाड़ी कु. मानसी रघुवंशी और कु. वंशिका तिवारी शामिल थी। तीसरी खिलाड़ी कु. यशस्वनी राठौर राजस्थान की खिलाड़ी है।

प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक इटली की टीम को और रजत पदक स्लोवाकिया की टीम को मिला। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त करने वाली भारतीय टीम को शुभकामनाएं दी है। म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी के कुल 04 खिलाड़ियों ने विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 में प्रतिभागिता की थी।

सभी खिलाड़ियों ने पदक अर्जित किये है। यह विश्व शूटिंग चौम्पियनशिप में म.प्र.राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों का यह चौथा पदक है। प्रतियोगिता में 4-4 पदक अर्जित करने पर खेल मंत्री सारंग ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यह परिणाम विभाग द्वारा दिये जा रहे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और उनकी कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने उम्मीद जताई हमारे खिलाड़ी इसी तरह विश्व स्तर पर प्रदेश और देश को गौरवान्वित करते रहेंगें। विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों द्वारा 04 पदक प्राप्त किये गये।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने 50 मी 3 पोजीशन राईफल इवेन्ट की व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक और टीम इवेन्ट स्वर्ण पदक, कु. नीरू ढांडा ने महिला स्कीट व्यक्तिगत इवेन्ट में रजत पदक तथा कु. मानसी एवं वंशिका ने महिला स्कीट टीम स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया। खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक सहित कुल 4 पदक प्राप्त किये।

भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप के युवा चार साल से कर रहे साइकलिंग

भोपाल। भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुपको फिट रखने के लिए शहर के युवा चार साल से कर रहे साइकलिंग इस ग्रुप को बनाने का मकसद यही था कि लोगों को साइकिल से फिटनेस के प्रति जागरूक करना है। इस ग्रुप की शुरुआत 50 लोगों से हुई थी फिर धीरे-धीरे लोग जुड़ते गए और आज 500 से भी ज्यादा मेंबर्स ग्रुप में हो गए हैं विनोद जो इस ग्रुप के कोऑडिनेटर है उन्होंने बताया शहर को साइकिलिंग सिटी बनाना है, इसी सिद्धांत के साथ ग्रुप मेंबर्स साइकिलिंग कर रहे हैं। इस ग्रुप की ऑफिशियल राइड बुधवार, शुक्रवार और रविवार को होती है। वर्किंग डे पर 30 से 40 किमी की राइड करते हैं। वहीं, रविवार को लंबी एक्सपीडिशन 200 किमी तक भी पहुंच जाती है इस साइकलिंग ग्रुप ने सभी को सेहत का महत्व तो सिखाया ही, साथ ही एक नई दोस्ती की दुनिया से भी परिचित करवाया। एक-दूसरे का साथ होने से साइकिल चलाना और भी आनंददायक हो गया। ग्रुप के मेंबर रास्ते में रुककर चाय पीते, ठंडी हवा का आनंद लेते, और रास्ते के सुंदर नज़ारों को कैमरे में कैद करते। सुरक्षा का रखते हैं ध्यान भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप साइकलिंग से जुड़ने वाले नए सदस्यों को नो हेलमेट नो राइड का पालन करने की सलाह देते ही हैं। इनके द्वारा साइकलिंग करने के लिए हेलमेट, ग्लब्स, चश्मा आदि का भी इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। हमसे कैसे जुड़े कोई अगर इस ग्रुप से जुड़ना चाहता है तो वह रिफ्रेंस के जरिए जुड़ सकता है या फिर हमारा व्हाट्सएप, फेसबुक ,इंस्टाग्राम (भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप) के नाम से ग्रुप बना है, उसमें भी जुड़ा जा सकता है।

छठे एकामरा स्पोर्ट्स लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन दिल्ली में 23 को

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)।

एशिया का सबसे बड़ा खेल साहित्यिक आयोजन एकामरा स्पोर्ट्स लिटरेचर फेस्टिवल (ईएसएलएफ) का छठा संस्करण 23 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित होगा।

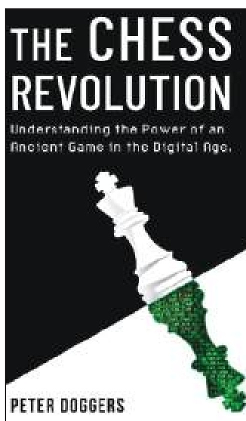

खेल संस्कृति, जुनून और खिलाड़ियों के संघर्ष की कहानियां छठे एकामरा स्पोर्ट्स लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान विभिन्न सत्रों में लेखकों और खिलाड़ियों के साथ चर्चा का केंद्र बनेंगी। इनमें प्रमुख सत्र में होंगी लेखिका, निर्माता और खेल पत्रकार सारा गेर्हार्ट, जो अपने अनुभवों को साझा करेंगी। उनका यह अनुभव केन्या में बिताए गए समय पर आधारित है, जिसमें उनकी पुस्तक वी शेयर द सन: द जर्नी ऑफ पैट्रिक सांग एंड केन्यास लीजेंडरी रनर्स का उल्लेख होगा।

इस वर्ष के ईएसएलएफ में प्रसिद्ध शतरंज लेखक पीटर डॉगर्स की किताब द चेस रेवोल्यूशन भी शामिल होगी, जो डिजिटल युग में शतरंज के हालिया शानदार उभार और इसके लोकप्रिय संस्कृति पर प्रभाव का विश्लेषण करती है।

न्यूयॉर्क से सारा ने कहा, मैं भारत आने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे पता है कि यह एक प्राचीन संस्कृति की भूमि है और इसलिए यहां किताबों का बहुत आदर है। यह कोई आश्चर्य नहीं कि दुनिया के महानतम लेखकों में से कुछ भारत से हैं और मैं यहां कई जानकार लोगों से मिलने,

संस्कृति, जुनून और संघर्ष की कहानियां होंगी फेस्टिवल की मुख्य विशेषताएं

विचारों का आदान-प्रदान करने और प्रसिद्ध भारतीय भोजन और मेहमाननवाजी का आनंद लेने के लिए उत्सुक हूं।

पीटर डॉगर्स ने भी अपनी भारत यात्रा को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, यह वह भूमि है, जहां पहली बार यह खेल खेला गया था और मेरे लिए यह एक तीर्थ यात्रा के समान है।

ईएसएलएफ के छठे संस्करण में कई अन्य लाइव और ऑनलाइन सत्र भी होंगे, जो खेल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होंगे, जिनमें से एक क्रिकेट के प्रति भारत के जुनून पर केंद्रित होगा। छठे ईएसएलएफ का समापन शाम को एकामरा स्पोर्ट्स बुक अवॉर्ड्स के साथ होगा, जिसमें पिछले साल प्रकाशित कई शीर्ष खेल पुस्तकों को सम्मानित किया जाएगा।

शमी ने रणजी मैच से की घरेलू क्रिकेट में वापसी, फिटनेस और फॉर्म हासिल करने बेहतर प्रदर्शन करना होगा

मुम्बई,14 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक साल बाद घरेलू क्रिकेट से मैदान पर वापसी की है। शमी इस समय रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। उनकी वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चयनकर्ता संजय जगदाले ने कहा है कि शमी को फिटनेस और फॉर्म हासिल करने के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

शमी पिछले एक साल से टखने की चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहे हैं। उन्हें इसके लिए सर्जरी भी करानी पड़ी है। अब वे घरेलू क्रिकेट खेलकर अपनी फिटनेस और लय को फिर से हासिल का प्रयास कर रहे हैं। शमी ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में बंगाल और मध्य प्रदेश के बीच शुरू हुए रणजी ट्रॉफी मैच से अपनी वापसी की।

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाथ से निकलीतो पीसीबी होगी कंगाल

लाहौर, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के पाकिस्तान दौर से इंकार के बाद से ही चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर संशय छाया हुआ है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इसे हाइब्रिड मॉडल पर खेलने को तैयार नहीं है। वहीं भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि वह सुरक्षा कारणों से अपनी टीम पाक नहीं भेज सकता है।ऐसे में अंतरराट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टूर्नामेंट की मेजबानी किसी और देश को देश सकती है। ऐसे में पहले ही आर्थिक संकटों में फंसी पीसीबी का कंगाल होना तय है।

तय कार्यक्रम के अनुसार चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान में होना है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर टूर्नामेंट स्थगित होता है या किसी और देश में शिफ्ट होता है तो आईसीसी पीसीबी पर प्रतिबंध लगा सकती है। इसके अलावा पीसीबी को आईसीसी से मिलने वाली राशि में भी कटौती हो सकती है। चैंपियंस ट्रॉफी को स्थगित करने या दूसरी जगह शिफ्ट करने का मतलब है कि मेजबानी फीस के तौर पर मिलने वाली राशि भी पीसीबी को नहीं मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार क्क्टक्क ने पहले ही कराची, रावलपिंडी और लाहौर के स्टेडियम को नये सिरे से बनाने में पहले ही भारी रकम खर्च की है। ऐसे में टूर्नामेंट का स्थगित होना या दूसरी जगह आजोजित किया जाना पीसीबी के लिए एक करारा झटका होगा। वहीं पीसीबी का कहना है कि भारत का सुरक्षा को लेकर उठाया गय सवाल गलत है कयोंकि न्यूजीलैंड ने पिछले दो वर्षों में तीन बार पाकिस्तान का दौरा किया है। इसके अलावा इंग्लैंड दो बार और ऑस्ट्रेलिया ने भी एक बार पाक का दौरा किया है।

गावस्कर ने भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ पर उठाये सवाल

मुम्बई,14 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बॉडर-गावस्कर सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने कहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर को छोड़कर कोचिंग स्टाफ के किसी भी सदस्य को ऑस्ट्रेलिया दौरे का अनुभव नहीं है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया में किसी प्रकार की उछाल होगी और उसका सामना कैसे करना है ये बताने का यह काम केवल एक व्यक्ति गंभीर ही कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार भारतीय कोचिंग स्टाफ में केवल गंभीर के पास ही ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव है। वहीं स्टाफ के अन्य लोगों के पास तो टेस्ट मैच खेलने का ही अनुभव नहीं है। गावस्कर के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों को बहुत अच्छी तरह से सलाद दिये जाने की जरुरत है पर उनके बल्लेबाजी सहायक कोच अभिषेक नायर से अधिक अनुभवी तो गंभीर को है। ऐसे में उन्हें ही बताना होगा कि कैसे खेलना चाहिये। गंभीर ही बल्लेबाजों को सिखा सकते हैं कि कि किस तरह से बल्लेबाजी की जानी चाहिये। इसके साथ ही किस तरह का संयम दिखाना चाहिए जिससे कि टीम का प्रदर्शन बेहतर हो सके। गंभीर ने 2011-12 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 टेस्ट मैच खेले थे। उन्होंने इन मैचों की 8 पारियों में 22.62 की औसत से 181 रन बनाए। गंभीर इस सीरीज में सिर्फ एक बार 50 रन का आंकड़ा पार कर पाए और उनका सबसे अधिक स्कोर 83 रन रहा। इस प्रकार बची हुई सात पारियों में उन्होंने केवल 98 रन बनाये। वहीं जहां तक नायर का सवाल है तो उन्होंने केवल तीन एकदिवसीय मैच खेले हैं पर कोई टेस्ट मैच कभी नहीं खेला है।

लियोन को अश्विन से बेहतर मानते हैं एडम्स

जोसंबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज पॉल एडम्स ने बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाईई स्पिनर नाथन लियोन की जमकर प्रशंसा की है। एडम्स ने कहा कि लियोन भारतीय स्पिनर आर अश्विन से कहीं बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि लियोन अश्विन की तुलना में अधिक संपूर्ण गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा कि लियोन भारत के खिलाफ सीरीज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। अभी 530 टेस्ट विकेट के साथ लियोन और 536 विकेट के साथ अश्विन विश्व के दो सबसे बेहतर स्पिनर माने जाते हैं पर उनका कहना है कि लियोन विश्वभर की पिचों पर बल्लेबाजों को परेशान करने में अधिक कुशल साबित हुए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप और ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में प्रतिस्पर्धा करने के मामले में लियोन के पास अश्विन की तुलना में अधिक विविधता हैं। एडम्स ने माना कि अश्विन के पास एक कैरम बॉल है जो गेंद को विपरीत दिशाओं में घुमा सकती है पर कहा कि लियोन ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बहुत अधिक ओवर-स्पिन के साथ गेंदबाजी की है। इससे बल्लेबाजों के लिए खेलना कठिन हो जाता है। साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नहीं होने से भी इस सीरीज में भारतीय टीम के अन्य गेंदबाजों पर अधिक दबाव रहेगा।

सर्राफा बाजार में लगातार छठे दिन सोना सस्ता, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,14 नवंबर (एजेंसियां) । घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार छठे दिन गिरावट आई है। सोना 400 रुपये से लेकर 450 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,990 रुपये से लेकर 76,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,500 रुपये से लेकर 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 76,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,890 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में किया कुछ बदलाव, सालाना ब्याज दर 45 प्रतिशत रखी गई

मुंबई । नवंबर महीने में विभिन्न नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की गई है। आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। इन बदलावों के तहत क्रेडिट कार्ड के उपयोग से उससे जुड़े फाइनेंस चार्ज, लेट पेमेंट चार्ज, एजुकेशन और यूनिटलिटी ट्रांजैक्शन पर नए नियम लागू होंगे। ऐसे ही आईसीआईसीआई बैंक ने अपने ओवरड्राफ्ट और कैश एडवांस से जुड़े नियमों में भी परिवर्तन किए हैं। यदि आप 1 महीने से ज्यादा उधार लेते हैं, तो आपको 3 I75 प्रतिशत ब्याज देना होगा। सालाना ब्याज दर 45 प्रतिशत रखी गई है। इसके अलावा क्रेडिट कार्ड के जरिए किसी भी स्कूल या कॉलेज में इंटरनेशनल एजुकेशन फीस भुगतान करने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। हालांकि, एजुकेशन पेमेंट के लिए थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन का उपयोग करने पर आपको 1 प्रतिशत का चार्ज देना पड़ेगा। इन बदलावों के जानकारी को ध्यान से पढ़ने और समझने के बाद, क्रेडिट कार्ड का सही तरीके से उपयोग करना जरूरी है। आपको इन नए नियमों के अनुसार अपनी व्यवस्थाओं को संशोधित करने की आवश्यकता हो सकती है ।

स्पाइसजेट ने कनाडा की ईडीसी के साथ विवाद सुलझाया, 6.83 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बचत होगी

नई दिल्ली । विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने एक्सपोर्ट डेवलपमेंट कनाडा (ईडीसी) के साथ 9.08 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विवाद को सुलझा लिया है। इस समाधान के तहत कंपनी द्वारा 2.25 करोड़ अमेरिकी डॉलर में 13 क्यू400 विमानों का स्वामित्व लिया जाएगा, जिससे 6.83 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बचत होगी। यह विकल्प कंपनी के लिए मजबूती का स्रोत होगा और क्यू400 विमानों को नियमित सेवाओं में वापस लाने में मदद मिलेगी। बताया गया है कि ईडीसी के साथ 9.08 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विवाद 2.25 करोड़ अमेरिकी डॉलर में पूरी तरह से हल हो गया है। स्पाइसजेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे एक मजबूत बही-खाते के साथ विमानन कंपनी के आगे बढ़ने में मददगार साबित किया। उन्होंने यह भी जताया कि इस समाधान से परिचालन लागत को कम करने में सहायता मिलेगी। इस समाधान के बाद कंपनी के परिचालन बेड़े के बारे में अभी कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

सिम्प्लेक्स कास्टिंग्स हाइड्रोजन-पावर डीआरआई पायलट परियोजना करेगा विकसित, प्रोजेक्ट का कुल व्यय 230 करोड़ रुपए होगा

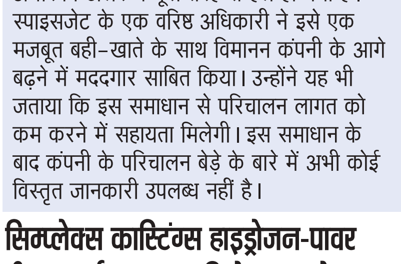

नई दिल्ली । सिम्प्लेक्स कास्टिंग्स ने एक सरकारी पहल के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने हरित हाइड्रोजन से चलने वाले डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) पायलट संयंत्र के विकास के लिए सरकार के साथ मिलकर अपनी सहायता को दर्शाया है। इस परियोजना में उनके साझेदारों ने भी विशेषज्ञता प्रदान करने का वायदा किया है। प्रोजेक्ट का कुल व्यय 230 करोड़ रुपये है, जिसमें सरकार 70 फीसदी वित्तपोषण देगी। यह परियोजना आगे बढ़ने की दिशा में एक बड़ी उम्मीद का संकेत है। इस परियोजना के माध्यम से हरित हाइड्रोजन के उपयोग से प्रदूषण की मात्रा को कम करने में मदद मिलेगी और भारत की ऊर्जा स्वायत्तता में भी महत्वपूर्ण साझेदारी होगी। सरकार ने इस परियोजना को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न घटकों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, जो अब जल्द ही उसे बढ़ावा देंगे। सिम्प्लेक्स कास्टिंग्स और उनके साझेदारों के अनुसार, यह परियोजना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक नई दिशा का संकेत है, जो आने वाले वर्षों में भूमिका निभा सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डॉ. अम्बेडकर...

डॉ. अम्बेडकर इस्लाम की खामियों के धुर आलोचक थे और अब्रामिक मजहबों (यहूदी, ईसाइयत और इस्लाम) में सबसे अधिक कुंठाग्रस्त इस्लाम को मानते थे। डॉ. अम्बेडकर इस्लाम और ईसाइयत को विदेशी मजहब मानते थे। वह धर्म के बिना जीवन का अस्तित्व नहीं मानते थे, लेकिन धर्म भी उनको भारतीय संस्कृति के अनुकूल स्वीकार्य था। इसी वजह से उन्होंने ईसाइयों और इस्लाम के मौलवियों का आग्रह ठुकरा कर बौद्ध धर्म अपनाया क्योंकि बौद्ध धर्म भारत की संस्कृति से निकला एक धर्म है।

इस्लाम को लेकर जो विचार 1940 के दशक में छपी किताब में डॉ. अम्बेडकर ने दिए थे, इससे उन्हें आज इस्लामोफोबिक कह दिया जाता। पाकिस्तान या भारत का विभाजन किताब में डॉ. अम्बेडकर के अनुसार, हिंदू धर्म के बारे में कहा जाता है कि यह लोगों को बांटता है और इसके उलट इस्लाम के बारे में कहा जाता है कि यह लोगों को आपस में जोड़ता है। असल में यह केवल आधा सच है। क्योंकि इस्लाम जितनी मजबूती से जोड़ता है, उतनी ही मजबूती से बांटता भी है। उसी पुस्तक में डॉ. अम्बेडकर ने लिखा है, इस्लाम एक बंद कॉर्पोरेशन है। यह मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच जो भेद करता है, वह असल में काफी तगड़ा अलगाववाद है। इस्लाम का भाईचारा विश्व के सभी लोगों का आपस का भाईचारा नहीं है। यह मुसलमानों का केवल मुसलमानों के लिए भाईचारा है। यह है भाईचारा, लेकिन इसका फायदा सिर्फ इसी कॉर्पोरेशन के लोगों तक ही सीमित है। जो लोग इस कॉर्पोरेशन से बाहर हैं, उनके लिए इसमें बेइज्जती और दुश्मनी के अलावा कुछ नहीं है।डॉ. अम्बेडकर के अनुसार, इस्लाम का दूसरा दोष यह है कि यह सामाजिक स्वशासन की व्यवस्था है जो स्थानीय सरकार की व्यवस्था से मेल नहीं खाती क्योंकि मुसलमान की निष्ठा उसके देश में नहीं बल्कि उस मजहब पर टिकी होती है जिससे वह जुड़ा हुआ है। मुसलमान के लिए इबी बेने इबी पैट्रिया (जहां मेरा भला हो, वहां मेरा देश है) अकल्पनीय है। जहां भी इस्लाम का शासन है, वहां उसका अपना देश है। दूसरे शब्दों में, इस्लाम कभी भी एक सच्चे मुसलमान को भारत को अपनी मातृभूमि के रूप में अपनाने और एक हिंदू को अपना सगा-संबंधी मानने की अनुमति नहीं दे सकता डॉ. अम्बेडकर ने लिखा, मुस्लिम जहां रहते हैं, वहां के कानून को न मानने और कुरान को उससे ऊपर रखने को कहते हैं। एक और सिद्धांत पर ध्यान देने की जरूरत है, वह है इस्लाम का सिद्धांत, जो कहता है कि किसी ऐसे देश में, जो मुस्लिम के शासन के अधीन नहीं है, जहां कहीं भी मुस्लिम कानून और देश के कानून के बीच संघर्ष है, तो मुस्लिम कानून देश के कानून पर हावी होना चाहिए। एक मुसलमान को मुस्लिम कानून का पालन करने और देश के कानून की अवहेलना करने पर सही माना जाएगा।

बीते कुछ समय पहले प्रतिबंधित इस्लामी कट्टरपंथी संगठन पीएफआई के बारे में खुलासा हुआ था कि वह भारत में 1947 तक इस्लामी राज लाना चाहता है। इसको डॉ. अम्बेडकर ने काफी पहले पहचान लिया था। उन्होंने इस विषय में कहा, इस्लाम विश्व को दो भागों में बांटता है, जिन्हें वे दारुल-इस्लाम तथा दारुल हरब मानते हैं। जिस देश में मुस्लिमों का शासन है, वह दारुल इस्लाम की श्रेणी में आता है। और जिस किसी देश में जहां मुसलमान रहते हैं परन्तु उनका राज नहीं है, वह दारुल-हरब होगा। इसके अनुसार उनके लिए भारत दारुल हरब है। इस तरह वे मानव मात्र में भाईचारे में बिल्कुल भरोसा नहीं रखते हैं। यह साबित करने के लिए और सबूत देने की आवश्यकता नहीं है कि मुसलमान हिन्दू सरकार के शासन को स्वीकार नहीं करेंगे।यह स्पष्ट है कि जो लोग मुस्लिम नहीं हैं, उन्हें इस्लाम काफिर मानता है। इसको लेकर डॉ. अम्बेडकर ने लिखा, मुसलमानों के लिए हिंदू काफिर हैं और काफिर सम्मान के लायक नहीं है। वह निम्न कुल का है और उसका कोई स्टेटस नहीं है। इसलिए काफिर द्वारा शासित देश मुसलमान के लिए दार-उल-हरब है। ऐसे में यह साबित करने के लिए कोई और सबूत जरूरी नहीं लगता कि मुसलमान हिंदू शासन का पालन नहीं करेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने आगे लिखा, सम्मान और सहानुभूति की भावना, जो लोगों को सरकार का पालन करने के लिए प्रेरित करती है, यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अगर फिर भी सबूत की जरूरत है, तो इसकी कोई कमी नहीं है। असल में यह इतने ज्यादा हैं कि इनमें से क्या पेश किया जाए और क्या छोड़ा जाए, इसकी समस्या है। खिलाफत आंदोलन के दौरान, जब हिंदू मुसलमानों की मदद करने के लिए इतना कुछ कर रहे थे, मुसलमान यह नहीं भूले कि उनकी तुलना में हिंदू एक नीच और हीन कौम है।डॉ. अम्बेडकर के इन विचारों को पढ़ने से स्पष्ट है कि वह इस्लाम कबूल करने की तरफ कभी नहीं बढ़ सकते थे। फिर भी मात्र वोटों के लिए इतिहास को अपने हिसाब तोड़ना मरोड़ना और भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण शख्सियत के बारे में इस तरह से गलत जानकारी फैलाना कांग्रेस नेता ने सही समझा। दलितों और उनके लिए सम्माननीय लोगों के प्रति कांग्रेस और उसके नेता कितने संवेदनशील हैं, यह बयान साफ दिखाता है। इसी कांग्रेस ने डॉ. अम्बेडकर को दशकों तक वह सम्मान नहीं दिया था, जिसके वह हकदार थे।

अघाड़ी वाले ...

फायदा मिल जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहीं से कांग्रेस सत्ता में वापसी की तलाश कर रही है। अगर कांग्रेस को सरकार में आने का मौका मिला, तो वो एससी/एसटी/ओबीसी का आरक्षण रोक देंगे। इसलिए एससी/एसटी/ओबीसी को इन साजिशों का शिकार रहना है। हमें जागरूक रहकर एकता को बल देना है, एकता की ताकत को बढ़ाना है। इसलिए हमें याद रखना है। हम एक हैं तो सेफ हैं।

प्रधानमंत्री ने आज कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन कांग्रेस जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस लाने की बात कह रही है। यह उसकी देश विरोधी मानसिकता का परिचय देता है। कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 से आजादी दिलाई, लेकिन कांग्रेस अब दूसरी भाषा बोल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जाति और आरक्षण के नाम पर लड़ाने की ताक में है, लेकिन उसके मंसूबे कामयाब नहीं होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि महाविकास अघाड़ी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि एमवीए सरकार की वापसी महाराष्ट्र के हित में नहीं है।

सरकारी ठेके...

उल्लेखनीय है कि मई 2023 में सिद्धारमैया सरकार के सत्ता में आने के बाद इसने सार्वजनिक कार्यों में ओबीसी का कोटा बढ़ा दिया था। एससी/एसटी के लिए 24 प्रतिशत आरक्षण के अलावा, श्रेणी-1 और श्रेणी 2ए के तहत ओबीसी को 1 करोड़ रुपए तक के सरकारी टेंडरों में क्रमशः 4 प्रतिशत और 15 प्रतिशत कोटा मिलता है।मुस्लिम कोटा प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने कहा कि ऐसी आकांक्षाओं को अपराध नहीं माना जा सकता। सामाजिक न्याय की बात करते समय लोगों को यह एहसास होना चाहिए कि हम (मुसलमान) भी समाज का हिस्सा हैं और हमें भी अवसरों की जरूरत है। कर्नाटक की 224 सदस्यों वाली विधानसभा में स्पीकर समेत आठ मुस्लिम विधायक हैं, जो सभी कांग्रेस से हैं। 75 सदस्यों वाली विधान परिषद में इस समय चार मुस्लिम एमएलसी हैं, जो कांग्रेस से हैं।सिद्धारमैया ने कहा कि मुस्लिम समुदाय ने एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों की तर्ज पर सरकारी ठेकों में आरक्षण की मांग की है। हालांकि, सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। प्रदेश के गृह मंत्री जी परमेश्वर के अनुसार, मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को इस प्रस्ताव पर विचार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि समीक्षा के बाद इसे कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। अभी तक कैबिनेट ने इस पर चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस प्रस्ताव को गलत समझ रहा है।भाजपा ने इस प्रस्ताव को लेकर सरकार की आलोचना की। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताया। उन्होंने सिद्धारमैया पर अपनी खाल बचाने के लिए प्रस्ताव से सरकार को दूर रखने के लिए झूठ बोलने का आरोप लगाया। वर्तमान में मुस्लिम समुदाय को राज्य में शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 2बी पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है। भाजपा मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साध रही है और आरोप लगा रही है कि कांग्रेस कथित तौर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित कोटा कम करके इसकी योजना बना रही है। भाजपा ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में अपने मौजूदा अभियान में भी इस मुद्दे को उठाया है। कांग्रेस ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है।

4800 पंडित...

ऐसा भी नहीं है कि 34 साल पहले अपने घरों का त्याग करने वाले कश्मीरी पंडित समुदाय के लाखों लोगों में से चाहे कुछेक कश्मीर वापस लौटने के इच्छुक नहीं होंगे। यह सच्चाई है कि आज भी अधिकतर वापस लौटना चाहता है। इन 34 सालों के निर्वासित जीवन यापन के बाद आज भी उन्हें अपने वतन की याद तो सता ही रही है साथ ही रोजी-रोटी तथा अपने भविष्य के लिए कश्मीर ही ठोस हल के रूप में दिख रहा है। लेकिन इस सपने के पूरा होने में सबसे बड़ा रोड़ा यही है कि कश्मीर में अब उनका कोई अपना नहीं है।

वर्ष 1990 में 19 जनवरी के दिन कश्मीर से जब हिंदुओं का पलायन आरंभ हुआ तो अगले कुछ ही हफ्तों में, सरकारी अंकड़ों के मुताबिक, 39782 परिवार जम्मू समेत देश के विभिन भागों में शरणार्थी के तौर पर रहने लगे। आधिकारिक आंकड़ों के ही अनुसार, तब करीब 4385 मुस्लिम व सिख परिवारों ने भी कश्मीर का त्याग किया था। इन 34 वर्षों में तत्कालीन सरकारों की वे कोशिशें हमेशा मुंह के बल ही गिरी जिनके तहत वे कश्मीरी पंडित परिवारों को कश्मीर लौटाना चाहते थे। करोड़ों रुपए भी खर्च किए गए पर हर बार आतंकी हिंसा, हमले, नरसंहारों, आतंकी धमकियों और चेतावनियों ने सबके कदमों को रोक दिया।वर्ष 2008 और 2015 में केंद्र सरकर की प्रोत्साहन स्कीमों के तहत कश्मीरी पंडितों के लिए कश्मीर में सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाना आरंभ हुआ तो अभी तक कुल 3800 कश्मीरी पंडित ही कश्मीर लौट पाए हैं। सरकारी दावा है कि इनमें से 520 कश्मीरी पंडित धारा 370 की समाप्ति के बाद लौटे हैं और करीब 2000 अगले कुछ दिनों में लौट सकते हैं। पर ये दावे सच्चाई के धरात पर टिकते नहीं हैं। बाकी कब लौटेंगे कोई नहीं जानता। इतना जरूर है कि इक्का दुक्का कश्मीरी पंडित परिवारों का कश्मीर वापस लौटना भी जारी है। मगर उनमें से कुछेक कुछ ही दिनों या हफ्तों के बाद वापस इसलिए लौट आए क्योंकि अगर आतंकी उन्हें अपने हमलों का निशाना बनाने से नहीं छोड़ते वहीं कई को अपने लालची पड़ोसियों के अत्याचारों से तंग आकर भी भागना पड़ा था। कश्मीर वापस लौटने की इच्छा रखने वाले कश्मीरी पंडितों के लिए यह सबसे अधिक कष्टदायक अनुभव था कि वे उस कश्मीर घाटी में लौटने की आस रख कर आंखों में सपना संजोए हुए हैं जहां अब उनका कोई अपना नहीं है। हालांकि यह बात अलग है कि राज्य सरकार सामूहिक आवास का प्रबंध कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भिजवाने की तैयारियों में जुटी है। माना कि कुछ कश्मीरी पंडित परिवारों का कश्मीर वापसी का अनुभव बुरा रहा हो या फिर शाम लाल धर जैसे लोग कश्मीर वापसी से इतराने लगे हों मगर यह सच्चाई है कि इन अनुभवों के बाद भी कई कश्मीरी पंडित परिवार आज भी कश्मीर वापसी का सपना आंखों में संजोए हुए हैं और वे ऐसे हादसों को नजरअंदाज इसलिए करने के इच्छुक हैं क्योंकि उनकी सोच है कि तिलतिल मरने से अच्छा है कि अपने वतन वापस लौट जाएं।

झारखंड में घुसपैठियों का...

उन्होंने झारखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त किया। झारखंड विधानसभा चुनाव में पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में झामुमो और कांग्रेस का सफाया होगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वक्फ बोर्ड ने कर्नाटक में एक गांव की जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया। सदियों पुराने मंदिर, जमीन और किसानों को घरों को भी वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया गया। हम वक्फ संशोधन विधेयक लेकर आएंगे, जबकि राहुल गांधी और हेमंत सोरेन इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

अमित शाह ने कहा कि हमारा झारखंड पूरे देश में सबसे समृद्ध राज्य है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए, झारखंड तो समृद्ध है, झारखंडी गरीब हैं। क्योंकि झामुमो सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं में भ्रष्टाचार किया है। मैं आज यहां से वादा करता हूं, आप 20 तारीख को कमल के निशान का बटन दबाइए, हम झारखंड में ऐसे कारखाने लगाएंगे, जिससे यहां का युवा दूसरे राज्य में मजदूरी के लिए नहीं जाएगा। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि सोनिया गांधी को अपने बेटे को लॉन्च करने का बड़ा शौक है। सोनिया गांधी ने 20 बार राहुल नाम का प्लेन लॉन्च किया, लेकिन ये लैंड ही नहीं होता है। ये प्लेन, 20 बार क्रैश हो चुका है और 21वीं बार भी देवघर एयरपोर्ट पर ये प्लेन क्रैश होने वाला है।गिरिडीह में रैली के दौरान एक महिला ने गृह मंत्री अमित शाह को अपने हाथों से बनाया उनका चित्र भेंट किया। दरअसल गृहमंत्री ने जैसे ही महिला को देखा तो उन्होंने मंच से उतरकर खुद महिला के पास जाकर अपना चित्र लिया। वहीं गृहमंत्री का चित्र बनाने वाली महिला ने कहा कि उन्हें इस बात की बहुत खुशी है कि गृहमंत्री ने खुद आकर अपना चित्र लिया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे गिरिडीह आएंगे।

कांग्रेस प्रभारी बोले ...

इस ऐलान का वीडियो वायरल होते ही गुलाम अहमद मीर अपनी बात से पलट गए और कहा कि मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। लेकिन वे यह भी बोल गए कि भाजपा जिनको घुसपैठिया कह रही है, उनकी पहचान नहीं कर पाए।

पीएम मोदी को ...

डोमिनिका सरकार ने कहा है कि डोमिनिका की राष्ट्रपति सिलवेनी बर्टन प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित करेंगी। फरवरी 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने डोमिनिका को एक बहुमूल्य उपहार देते हुए कोरोना वैक्सीन एस्ट्राजेनेका की 70 हजार डोज की आपूर्ति की थी। प्रधानमंत्री मोदी की इस उदारता को रेखांकित करते हुए डोमिनिका की सरकार ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करने का फैसला किया। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने डोमिनिका को स्वास्थ्य, शिक्षा और आईटी के क्षेत्र में भी काफी मदद की है। भारत द्वारा डोमिनिका में जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने की दिशा में भी मदद की जा रही है। डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्करिट ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके देश का सच्चा दोस्त करार दिया, जिन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय डोमिनिका के लोगों की मदद की। इंडिया केरीकोम सम्मेलन 19 नवंबर से 21 नवंबर 2024 के बीच गुयाना के जॉर्जटाउन में आयोजित होगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। बीते जुलाई माह में ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया था। उससे पहले पीएम मोदी को भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द डुक ग्यालपो से भी सम्मानित किया गया था। भूटान ने पहली बार किसी गैर भूटानी व्यक्ति को यह सम्मान दिया। प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान, बहरीन, सऊदी अरब, फ्रांस, मिस्र, फिजी, पापुआ न्यू गिनी, पलाऊ, अमेरिका, मालदीव, फलस्तीन के भी शीर्ष नागरिक पुरस्कार मिल चुके हैं।

श्रीरंगपटना...

कामथ ने उच्च न्यायालय से अपील की कि वे कर्नाटक सरकार और मांड्या जिला प्रशासन को मदरसा खाली कराने का निर्देश दें।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड के वकील भी मौजूद थे। उन्होंने अपने बचाव में केंद्र सरकार के अनुरोध का विरोध किया। कर्नाटक सरकार और वक्फ बोर्ड के वकीलों का कहना है कि साल 1963 में वक्फ बोर्ड को इस सम्पत्ति के मालिक के रूप में मान्यता दी गई थी। ऐसे में वहां मदरसा का संचालन पूरी तरह से वैध है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 20 नवंबर तक टाल दी। श्रीरंगपटना जामा मस्जिद को लेकर पहले भी विवाद हो चुका है। दरअसल कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर दावा किया गया था कि श्रीरंगपटना में स्थित जामा मस्जिद का वर्तमान ढांचा टीपू सुल्तान ने मूडाला बगीलू अंजनेया स्वामी मदिर की जगह पर किया था। यह याचिका बजरंग सेना नामक संगठन ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि उक्त मंदिर को टीपू सुल्तान ने आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया था और फिर यहां जामा मस्जिद का निर्माण कराया था।

हमारा पीएम...

आवश्यक सुविधाएं दे रही है और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था भी मुहैया करा रही है।

अंजॉ जिले के प्रथम गांव काहो के गांवबूढ़ा (सरपंच) खिति मियोर कहते हैं, जब से भारत सरकार ने देश के सीमावर्ती गांवों में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम चलाया है, तबसे हमारे काहो गांव का विकास होने लगा है। मोदी सरकार के आने के बाद से सब कुछ बदल गया है। अब 24 घंटे बिजली है, सड़कें बन रही हैं, मोबाइल सेवा शुरू हो गई है। हर तरफ विकास के काम दिख रहे हैं।गांव के लोग कहते मिलेंगे, अब किस बात का डर। हमें अब किसी से डरने की जरूरत नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेहद ताकतवर हैं, फिर चीन हो या कोई और देश, डरने की कोई बात ही नहीं है। अब चप्पे-चप्पे पर भारतीय सेना का पहरा है। हम चैन की नींद सोते हैं। पहले की बात और थी, अब हालात बदल गए हैं। यह बात अब पूरी दुनिया को समझ लेनी चाहिए। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के प्रथम गांव काहो के गांवबूढ़ा (सरपंच) खिति मियोर दूर पहाड़ पर तैनात भारतीय सेना की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, देख रहे हैं हमारी ताकत! अब हमें कोई चिंता नहीं है। हमने भी हर तरह की ट्रेनिंग ले रखी है। जरूरत पड़ी तो भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दुश्मनों पर टूट पड़ेंगे। हमारे प्रधानमंत्री अब किसी को छोड़ने वाले नहीं हैं।मियोर कहते हैं, जब से भारत सरकार ने देश के सीमावर्ती गांवों में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम चलाया है, तबसे हमारे गांव काहो, जो प्रथम गांव है का विकास होने लगा है। मोदी सरकार के आने के बाद से सब कुछ बदल गया है। अब 24 घंटे बिजली है, सड़कें बन रही हैं, मोबाइल सेवा शुरू हो गई है। हर तरफ विकास की बयार बह रही है। गांव में स्कूल बना, पुस्तकालय बना है। बच्चों के खेलने के लिए सुविधाएं मिल रही हैं। स्वास्थ्य केंद्र बना। अब हाईवे आ रहा है। क्षेत्र का बड़ी तेजी से विकास हो रहा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम से पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। गांव में होम स्टे बन रहे हैं। पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। सरकार होम स्टे वालों को ट्रेनिंग दे रही है। इससे गांव के युवाओं को गांव में ही रोगजार मिल रहा है।जिस गांव में कुछ वर्ष पहले तक बिजली और कुछ माह पहले तक मोबाइल नेटवर्क नहीं था, वहां बैठकर आज प्रेम टैबलेट पर काम कर रहे हैं। प्रेम कहते हैं, मुझे देखकर ही अंदाजा लगा सकते है कि पिछले कुछ वर्षों में गांव का विकास कहां से कहां पहुंच गया है। गांव में एक दुकान चलाने वाली रंगमंग मियोर कहती हैं, बिजली होने से बच्चों की पढ़ाई आसान हो गई है। हमको रात में अंधेरे में खाना नहीं बनाना पड़ता। मोबाइल नेटवर्क से विकास को चार चांद लग गए हैं। पेमेंट करने में अब कोई परेशानी नहीं होती। पहले से काम ज्यादा हो रहा है। आमदनी में भी बढ़ोतरी हुई है।

जगतगुरु गुरु नानक देव जी सुणी पुकार दातार प्रभु

गुरु नानक जग माहि पठाइआ।। कलि तारण गुरु नानक आइआ।। अर्थात ,उस अकाल पूरख परमात्मा ,ईश्वर ने क्षुब्ध मानवता की रुदनता ,पीड़ा की पुकार को सुनकर गुरु नानक देव जी को इस संसार में भेजा। गुरु नानक देव जी इस कलयुग के अंधकार से जनसमूह को तारने, उद्धार करने हेतु आए ।मानवता के पुंज , शांति तथा भाईचारे का संदेश देने वाले महान युग पुरुष, मानवतावादी, महान संत, समाज सुधारक सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी का जन्म सन 1469 में राय भोई की तलवंडी ननकाना साहिब (पाकिस्तान) में पिता बेदी कालूचंद एवं माता तृप्ता जी के घर हुआ। गुरु नानक देव जी का आगमन ऐसे समय हुआ जब भारत में मानवता को मानवीय प्रवृत्तियों द्वारा पैरों तले रौंदा जा रहा था। अज्ञान के अंधकार में मानव पदभ्रष्ट हो रहा था। धार्मिक आस्थाओं का सरेआम पतन हो रहा था। अंधविश्वास, कुरीतियां, मिथ्या कर्मकांड में सामान्य जन उलझ कर रह गया था। सर्वत्र अन्याय, अत्याचार,अधर्म , हिंसा से ग्रसित समाज को एक ऐसे लोकनायक की आवश्यकता थी जो उनका सहारा बन उन्हें सही मार्ग दिखा सके ।समय की भी यही मांग थी कि जब जब धर्म का पतन हुआ, मानवता निरीह हुई, तब तब महापुरुष अवतीर्ण हुए।

वस्तुत:श्री गुरु नानक देव जी का जन्म भी इसी लक्ष्य प्राप्ति के लिए हुआ था। तत्कालीन समाज में फैली बुराइयों को उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से देखा था। उन्हें महसूस किया था। यही कारण था कि उन्होंने उस युग के अत्याचार, अन्याय के प्रति निर्भयता से अपना असंतोष व्यक्त किया। मानवीय एकता एवं भाईचारे का उद्घोष करते हुए उन्होंने जन सामान्य की सोई चेतना को जगाया और विश्व बंधुत्व एवं मानवता का संदेश दिया । इस संसार के सभी प्राणियों को उस एक परमात्मा ने पैदा किया है ।हम सब उसी की संतान हैं, यह कहकर सभी को गले लगा एकता के सूत्र में बांधा। यही कारण है कि गुरु नानक देव जी को युग प्रवर्तक, लोकनायक की संज्ञा दी गई है।गुरु नानक देव जी तत्कालीन समाज की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक, व्यवस्था के प्रति जागरूक थे। गुरु नानक देव जी ने बचपन से ही जनसामान्य की पीड़ा को महसूस किया था। दीन दुखियों के प्रति उनका हृदय सदा व्याकुल रहता था। पाखंड, आडंबर, झूठ, निरर्थक कर्मकांड, अंधविश्वासों में समाज का जन सामान्य फंसा हुआ था। गुरु नानक देव जी ने इसका विरोध किया और जनमानस को सत्य के मार्ग पर प्रशस्त किया । उस समय नारी के अधिकारों का जो हनन हो रहा था उसका उन्होंने कड़ा विरोध किया और कहा कि राजाओं, महाराजाओं को जन्म देने वाली हीन कैसे हो सकती है ?सो किउ मंदा आखीऐ जितु जमहि राजानु।। गुरु नानक देव जी ने नारी को इस मानव सृष्टि की मूलाधार, सभ्यता की जननी,परिवार एवं समाज का अभिन्न हिस्सा माना।

मन तथा कर्म की पवित्रता द्वारा मनुष्य अपना जीवन यापन करें ऐसा उनका कहना था। ईश्वर का नाम स्मरण करते हुए श्रम करना, मिल बांटकर खाना तथा असहाय,अशक्त लोगों की मदद करना, गुरु नानक देव जी ने यह उपदेश लोगों को दिए तथा अपने जीवन में भी उनका अमल किया।

गुरु नानक देव जी के अनुसार प्रेम ही प्रभु को पाने का मार्ग है ।मनुष्य जीवन का जो चरम प्राप्तव्य है वह स्वयं प्रेम रूप है ।और इसी प्रेमावेश में आकर गुरु नानक देव जी ने अपने पिता द्वारा मोदी खाने में नौकरी लगाए जाने पर अनाज डालते समय एक दो तीन गिनते गिनते जब तेरह पर आए तब तेरा तेरा अर्थात मैं तेरा हूं ,यह सब कुछ तेरा ही है ,इस भावना में इतने अधिक खो गए कि सारा भंडार खाली हो गया। परमात्मा के प्रति इतनी श्रद्धा, विश्वास, प्रेम था कि गुरु नानक देव जी का सांसारिक कार्य में मन नहीं लगा तथा अध्यात्म के मार्ग पर वे चल पड़े ।मानवता के प्रसार के लिए उन्होंने देश तथा विदेशों में दूर-दूर तक जाकर चार यात्राएं की जो चार उदासी के नाम से प्रसिद्ध है। इन पद यात्राओं में उन्होंने धर्म के मार्ग से भटके हुए, बुरे कर्म में प्रवृत्त लोगों का अपने उपदेशों के माध्यम से उद्धार किया। गुरु नानक देव जी ने जाती-पाती,निरर्थक कर्मकांडों का विरोध किया। नारी तथा निम्न जाति के लोगों को सम्मान दिया। मानवता तथा मानव धर्म का प्रसार किया।धुर की वाणी को अपने साथी मर्दाना की रबाब की संगीत की धुनों पर चढ़ा अपने संदेशों को जनमानस तक पहुंचाया । जनसामान्य को उन्हीं की भाषा में उनके निरर्थक क्रियाकलापों का वैज्ञानिक ढंग से ऐसा निवारण किया कि जनमानस उन्हें ईश्वरीय रूप में देखने लगा।

गुरु नानक देव जी ने रावी नदी के किनारे करतारपुर साहिब में अपने जीवन के अंतिम अठारह वर्ष परिवार सहित बिताए।गुरु नानक देव जी के विचारों को सर्वप्रथम उनकी बहन नानकी जी ने पहचाना था। अपने जीवन काल में गुरु नानक देव जी ने प्रभु स्मरण करते हुए सांसारिक कार्य किए। अपने खेत में हल चलाया । अपने पास जो कुछ रहता है उसे सदैव औरों में बांटा।यही कार्य सिख धर्म के तीन बुनियादी तत्व बन गए हैं।

गुरु नानक देव जी एक महान संत, समाज सुधारक तथा मानवतावादी महान चिंतक थे। उनके अनुसार मनुष्य का लक्ष्य केवल अपने लिए जीने की हद तक सीमित ना हो,अपितु मानव सेवा, मानव प्रेम और मानव कल्याण होना चाहिए।आज के युग में तथा आने वाले समय में गुरु नानक देव जी के उपदेश, विचार निश्चित रूप से मानव समाज के लिए कल्याणकारी रहेंगे ।आज जब सारा विश्व हिंसा, आतंकवाद ,स्वार्थ भौतिकता, तनाव ,आपसी मतभेद आदि समस्याओं से ग्रसित होता जा रहा है, ऐसे में गुरु नानक देव जी द्वारा बताया गया विश्व बंधुत्व ,मानवता तथा भाईचारे का मार्ग सर्वश्रेष्ठ है ,जिसे अपना कर खुशहाल ,शांतिपूर्ण एवं श्रेष्ठ जीवन यापन किया जा सकता है। श्री गुरु नानक देव जी के 550 वे पावन प्रकाशोत्सव की सभी को अनंत शुभकामनाएं।

*** डॉ. राजिंदर कौर महाजन**
हैदराबाद।

यह लोग जीवन में कभी नहीं होते हैं गरीब, हर समय रहते हैं खुश

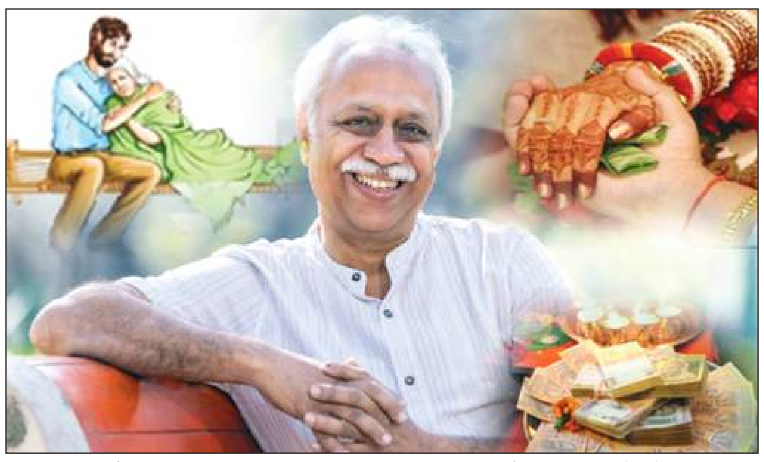

आचार्य चाणक्य अपनी रचना नीति शास्त्र और अर्थशास्त्र के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। उनकी नीतियों का पालन कर कोई भी व्यक्ति जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। तत्कालीन समय में चन्द्रगुप्त मौर्य ने भी आचार्य चाणक्य की नीतियों का पालन कर नंद वंश का अंत किया। इतिहासकारों की मानें तो चाणक्य ने अखंड भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी।

आचार्य चाणक्य ने अपनी रचना नीति शास्त्र में पृथ्वी लोक पर स्वर्ग समान सुख प्राप्त करने वाले लोगों के बारे में भी जानकारी दी है। उनकी मानें तो तीन तरह के लोग अपने जीवन में कभी गरीब नहीं होते हैं और हमेशा प्रसन्न रहते हैं।

यस्य पुत्रो वशीभूतो भार्या छन्दानुगामिनी।
विभवे यस्य सन्तुष्टिस्तस्य स्वर्ग इहैव हि ।।

आचार्य चाणक्य अपनी रचना नीति शास्त्र के दूसरे अध्याय के तीसरे श्लोक में कहते हैं कि जिन लोगों का पुत्र वश में होता है। आसान शब्दों में कहें तो जिनके पुत्र आज्ञाकारी होते हैं। अपने माता-पिता की हर बात मानते हैं। उनकी सेवा करते हैं। उनके कहे गए कार्यों को पूरा करते हैं। ऐसे माता-पिता या व्यक्ति जीवन में कभी गरीब नहीं होते हैं। वे अपने जीवन में हमेशा खुश रहते हैं।

इसके आगे चाणक्य कहते हैं कि पत्नी का वश में होना स्वर्ग समान सुख प्राप्त करना है। जिन पुरुषों की पत्नी वश में होती हैं। अपने पति के इच्छानुसार कार्य करती हैं।

ऐसे लोग वाकई में धनवान होते हैं और पृथ्वी लोक पर ही स्वर्ग समान सुख भोगते हैं। इसी श्लोक के अंत में आचार्य चाणक्य कहते हैं कि ईश्वर द्वारा प्रदत धन से संतुष्ट रहने वाला इंसान भी धनवान होता है। ऐसे लोग अपने जीवन में हमेशा प्रसन्न रहते हैं। उन्हें कभी किसी चीज की कोई इच्छा नहीं रहती है। ये तीन तरह के लोग जीवन में हमेशा प्रसन्न रहते हैं।

यह चार प्रकार के लोग जीवन भर रहते हैं गरीब, कभी नहीं कर पाते तरक्की

आचार्य चाणक्य अपनी नीतियों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। उनकी नीतियों का पालन कर व्यक्ति अपने जीवन में शीघ्र सफल हो सकता है। प्राचीन समय में चन्द्रगुप्त मौर्य ने आचार्य चाणक्य के आदेशों का पालन कर अखंड भारत का निर्माण किया था। आसान शब्दों में कहें तो आचार्य चाणक्य ने अखंड भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। वर्तमान समय में भी आचार्य चाणक्य के विचार प्रासंगिक हैं। आचार्य चाणक्य की मानें तो कुछ लोग अपने कर्मों के चलते जीवन भर दुखी रहते हैं। ऐसे लोग चाहकर भी जीवन में तरक्की नहीं कर पाते हैं।

मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टास्त्रीभरणेन च।
दु:खिते सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति।।

आचार्य चाणक्य अपनी रचना नीति शास्त्र के प्रथम अध्याय के चौथे श्लोक में कहते हैं। चार प्रकार के लोग जीवन में हमेशा गरीब और दुखी रहते हैं। चाहकर भी सुखी नहीं रह पाते हैं। ऐसे लोग पशु समान जीवन व्यतीत करते हैं। इनमें सबसे पहले स्थान पर ऐसे गुरु हैं, जो मूर्ख शिष्य को उपदेश देते हैं। मूर्ख शिष्य ज्ञान का गलत इस्तेमाल कर गुरु को ही दुख देते हैं। इसके लिए कभी मूर्ख को ज्ञान नहीं देना चाहिए।

वहीं, दूसरे स्थान पर ऐसे लोग हैं, जो व्यभिचारी होते हैं। पराई स्त्री के साथ रतक्रिया करने वाले लोग न केवल पाप के भागी होते हैं, बल्कि कई प्रकार की बीमारियों को भी दावत देते हैं। अतः व्यभिचारी लोग भी जीवन भर दुखी रहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता उपदेश के दौरान अपने परम शिष्य अर्जुन से कहते हैं कि व्याभिचार करने वाले लोगों के वंश का पतन एक दिन अवश्य ही होता है। इसके लिए चरित्रहीन कार्य बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

आचार्य चाणक्य ऐसे लोगों से भी दूर रहने की सलाह देते हैं, जो कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। आसान शब्दों में कहें तो गलत हरकतों की वजह से रोगग्रस्त लोगों के संपर्क में रहने वाले लोग भी जीवन भर दुखी रहते हैं।

धनहीन लोगों की संगति रखने वाले लोग भी जीवन भर दुखी रहते हैं। अतः चार प्रकार के लोग जीवन भर दुखी रहते हैं। ऐसे लोग अपने जीवन में न केवल गरीब रहते हैं, बल्कि पाप के भी भागी बनते हैं। आचार्य चाणक्य सही कर्म कर धन अर्जन करने की सलाह देते हैं।

कुंभ राशि में आज से शनिदेव चलेंगे सीधी चाल

ज्योतिष शास्त्र में शनि देव को न्याय का देवता माना जाता है। कहा जाता है कि यदि जातक अच्छे कर्म करता है, तो शनिदेव शुभ फल देते हैं। वहीं बुरे कर्म करने पर दंड भी देते हैं। शनिदेव फिलहाल कुंभ राशि में है और 15 नवंबर को मार्गी होने जा रहे हैं। शनि देव 30 जून 2024 को कुंभ राशि में वक्री हुए थे। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि शनि वर्तमान में कुंभ राशि में वक्री है और इसी राशि में मार्गी होंगे।शनि देव 15 नवंबर 2024 को शाम 7.51 बजे स्वराशि कुंभ में मार्गी होने जा रहे हैं। वे गत 30 जून से इसी राशि में रहते हुए वक्री चल रहे थे। जो 139 दिन बाद अपनी चाल बदल रहे हैं और अब सीधी चाल चलने जा रहे हैं। शनिदेव आगामी 29 मार्च 2025 तक कुंभ राशि में ही रहेंगे। इसके बाद वे 23 फरवरी 2028 तक मीन राशि में रहते हुए एक बार फिर वक्री व मार्गी होंगे। देश-दुनिया पर भी शनि के मार्गी होने का विशेष प्रभाव पड़ेगा। शनि के चाल बदलने या फिर राशि परिवर्तन को ज्योतिष शास्त्र में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। शनि मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। यह करीब ढाई वर्ष में एक राशि से दूसरी राशि में अपना स्थान परिवर्तन करते हैं। शनि के राशि परिवर्तन से जातकों के जीवन में उथल-पुथल शुरू होती है।

शनि के सीधी चाल में आने से अधिकांश राशियों के लोगों के रुके हुए काम पूरे होने की प्रबल संभावना रहेगी। शनिदेव एक राशि में ढाई साल रहते हैं। कुंभ राशि में उनका प्रवेश करीब 30 साल बाद गत 17 जनवरी 2023 को हुआ था। जबकि कुंभ उनके स्वामित्व वाली ही राशि है। कुंभ शनि की मूल त्रिकोण राशि है। अभी मकर, कुंभ व मीन राशि के लोगों पर शनि की साढ़े साती और कर्क, वृश्चिक राशि के लोगों पर शनि की ढैय्या चल रही है। जिसके चलते अब 15 नवंबर से शनिदेव के सीधी चाल चलने के बाद मकर, कुंभ व मीन राशि के लोगों को शनि की साढ़े साती एवं कर्क व वृश्चिक राशि के लोगों को शनि की ढैय्या से भी बड़ी राहत मिलेगी।

शनिदेव अपनी साढ़ेसाती, ढैय्या और अपनी महादशा व अंर्तदशा में व्यक्ति को सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। शनि देव व्यक्ति के कर्मों के आधार पर फल प्रदान करने वाले देवता के रूप में जाने जाते हैं। शनिदेव तुला राशि में उच्च के और मेष राशि में नीच के ग्रह माने जाते हैं। बुध और शुक्र ग्रह के साथ इनकी मित्रता है जबकि सूर्य, चंद्रमा और मंगल ग्रह इनके शत्रु माने जाते हैं। शनिदेव पुष्य, अनुराधा और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के स्वामी हैं। शनि एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने के लिए लगभग ढाई वर्षों का समय लगाते हैं।

असर-भवन निर्माण, कृषि कार्य, इंजीनियर ,इलेक्ट्रॉनिक, क्रेशर ,मार्बल, लकड़ी ,गैस ठेकेदारी, बिल्डिंग मटेरियल से जुड़े कर्म क्षेत्रों से जुड़े लोगों को शुभ लाभ होने वाला रहेगा। इसके साथ ही जिन जातकों को नई नौकरी की तलाश थी। उनको नई नौकरी की मिलने की संभावनाएं बनेंगी। साथ ही धर्म क्षेत्र का अस्तित्व पूरे विश्व में बढ़ेगा। बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। पेट से ,हृदय से, तथा कैंसर से जूझ रहे जातकों को राहत मिलनी शुरू हो जाएगी। दुर्घटनाएं अप्रिय घटनाएं हिंसा, प्राकृतिक आपदा होने की आशंका। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

उपाय-शिव उपासना और हनुमत उपासना करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान चालीसा एवं शनि चालीसा का पाठ करें। शनिवार के दिन शनि मंदिर में छाया दान अवश्य करें। गरीब, वृद्ध, असहाय लोगों को भोजन कराएं। पशु पक्षियों के लिए दाने, हरे चारे, पानी की व्यवस्था करें। तेल का दान भी करना चाहिए। तेल दान करने से आपको अपने कष्टों से छुटकारा मिलता है। शनिवार को लोहे से बनी चीजों को दान करना चाहिए। इस दिन लोहे का सामान दान करने से शनि देव शांत होते हैं। लोहा दान देने से शनि की दृष्टि निर्मल होती है। रुद्राक्ष की माला लेकर एक सौ आठ बार ॐ शं शनैश्चराय नमः का जप करें, शनिदेव की कृपा बनेगी और कष्ट दूर होंगे। काले कुत्ते को शनिवार के दिन सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं। सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

इन गलतियों को करने से बचें

किसी असहाय को बेवजह परेशान नहीं करें। मांस, मदिरा का सेवन बिल्कुल नही करें। कमजोर व्यक्तियों का अपमान न करें। अनैतिक कार्यों से दूर रहें। ज्योतिषाचार्या बता रहे है कि शनि के मार्गी होने पर आपकी राशि पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि – मार्गी शनिदेव का प्रभाव अच्छा रहेगा। आय के साधन में वृद्धि होगी और सोची-समझी सभी रणनीतियां कारगर सिद्ध होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

वृषभ राशि– मार्गी शनिदेव का प्रभाव मिला-जुला रहेगा। कार्य व्यापार में उन्नति होती रहेगी। शनि देव का मार्गी होना कुल मिलाकर आपके लिए अनुकूल रहेगा।

मिथुन राशि – मार्गी शनि देव का प्रभाव बेहतरीन रहेगा। कार्यों में सफलता अच्छी मिलेगी। अपने पराक्रम के बल पर विषम हालात को भी आसानी से नियंत्रित कर लेंगे। धर्म और आध्यात्म के प्रति रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि – मार्गी शनिदेव का प्रभाव बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता विशेष करके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। बीमारियों से घिरे रह सकते है। कार्यक्षेत्र में भी षड्यंत्रका शिकार होने से बचें।

सिंह राशि– मार्गी शनि देव का प्रभाव मिला-जुला रहेगा। वैवाहिक वार्ता में थोड़ा और समय लगेगा किंतु कार्यक्षेत्र की दृष्टि से समय बेहतर रहेगा। किसी भी तरह के साझा व्यापार करने से परहेज करें।

कन्या राशि – शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत है। राशि से छठे शत्रु भाव में गोचर करते हुए मार्गी शनि देव का प्रभाव आपके लिए किसी वरदान से काम नहीं है।

तुला राशि– शनि देव का मार्गी होना आपके लिए हर तरह के कार्यो में सफलता दिलाएगा। विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए तो यह समय और भी बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधी मामलों में उदासीनता रहेगी।

वृश्चिक राशि– मकान, जमीन और वाहन का क्रय कर सकते हैं। राशि से चतुर्थ सुख भाव में गोचर करते हुए मार्गी शनिदेव का प्रभाव आपके लिए जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों का निपटारा करेगा। पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद भी हल होंगे।

धनु राशि–कार्य-व्यापार की दृष्टि से माह बेहतरीन रहेगा। राशि से तृतीय पराक्रम भाव में गोचर करते हुए शनि देव का मार्गी होना बेहतरीन रहेगा। धर्म और आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। तीर्थ-यात्रा का भी योग बनेगा।

मकर राशि–आपकी आर्थिक मामलों से जुड़ी परेशानियां शनि के मार्गी होने पर दूर होंगी। राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए शनिदेव का मार्गी होना आपका आर्थिक पक्ष मजबूत करेगा। उधार दिए गए धन के वापस मिलने की उम्मीद है।

कुंभ राशि– आपके लिए शनि का मार्गी होना अच्छा रहेगा। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपकी राशि में गोचर करते हुए शनि देव का मार्गी होना स्वयं आपके लिए बेहतरीन सफलता कारक रहेगा।

मीन राशि–आपके लिए शनि का मार्गी होना मिलाजुला साबित हो सकता है। आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहने की आवश्यकता है। कोर्ट-कचहरी के मामले बाहर भी ही सुलझाएं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

फिल्म कंगुवा के योलो-यू ओनली लिव वन्स गाने में दिशा पाटनी का था डीप क्लीवेज एक्सपोजर

कंगुवा फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में सूर्या और दिशा पाटनी पर फिल्माया गया दूसरा सिंगल योलो- यू ओनली लिव वन्स रिलीज किया है। इस एनर्जेटिक ट्रैक में सूर्या और दिशा एक साथ हैं, जिसे रॉकस्टार डीएसपी के नाम से फेमस देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है।ट्रैक को सीबीएफसी द्वारा चेक किया गया है, जिसमें दिशा पाटनी का डीप क्लीवेज एक्सपोजर दिखाई दे रहा है। सीबीएफसी ने इस हिस्से को तीन सेकंड के लिए मोडिफाई या हटाने की सलाह दी है, लेकिन आखिरी फैसला प्रोड्यूसर का होगा।कंगुवा फिल्म के दिशा पाटनी के ग्लैमरस गाने में दिखे शानदार लुक ने सेंसरशिप विवाद के बावजूद फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, जो फिल्म की रिलीज के लिए बेसब्री को और बढ़ा रहा है।फिल्म, जो स्टूडियो ग्रीन और यूवी क्रिएशन्स के बैनर तले बनाई गई है, शानदार विजु-अल्स से भरपूर होगी, जिसकी सिनेमैटोग्राफी वेट्री पलानीसामी ने की है और एडिटिंग निषाद यूसुफ ने की है। बॉबी देओल इस फिल्म में विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं और फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी।कंगुवा 14 नवम्बर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज का दिन पास आता जा रहा है, इसकी उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है, खासकर योलो सॉन्ग के जबरदस्त हिट होने के बाद से।सूर्या और डायरेक्टर शिवा का यह शानदार कोलैबोरेशन एक बार फिर पर्दे पर दिखेगा, और यह फिल्म इस साल की मच अवेटेड ब्लॉकबस्टर बनती नजर आ रही है।कंगुवा की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के इंडिया में पहले दिन के 18037 से ज्यादा टिकट से बिक चुके हैं। एडवांस बुकिंग से ही अब तक कंगुवा ने 30।7 लाख रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। अगर ब्लॉक सीट्स की संख्या जोड़ दी जाए तो ये कमाई 83।73 लाख रुपये पहुंच रही है।

सिंघम अगेन के आधे बजट में बनी फिल्म अमरन

निकली बॉक्स ऑफिस की असली हीरो, चीते की रफ्तार से कर रही कमाई

सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। दोनों ही फिल्में तगड़ी कमाई कर रही हैं। दोनों ही फिल्में दिवाली वीकेंड पर रिलीज हुई थीं। अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से ठीक एक दिन पहले ही साउथ की एक फिल्म रिलीज हुई। फिल्म का नाम अमरन है। 31 अक्टूबर को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और तब से लगातार बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर रही है। लोगों को लगा था कि फिल्म का प्रदर्शन इतना दमदार नहीं होगा, लेकिन फिल्म ने दूसरे ही हफ्ते में मुनाफा निकालना शुरू कर दिया है। इस फिल्म को दर्शकों का लगातार प्यार मिल रहा है और यही वजह है कि ये सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 से भी ज्यादा मुनाफा देने वाली फिल्म बनने वाली है।अमरन लगातार बॉक्स ऑफिस पर डंका बजा रही है। लोगों को लगा था कि दूसरे वीकेंड पर इसकी कमाई की रफ्तार धीमे पड़ जाएगी, लेकिन फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की है। इस फिल्म का बजट सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 दोनों से काफी कम हैं। जहां सिंघम अगेन के बजट की तुलना में इसका बजट आधा है, वहीं भूल भुलैया 3 की तुलना में भी इसका बजट काफी कम है। इस फिल्म ने देखते ही देखते 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। ये अब कमाई के मामले में सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 से ज्यादा पीछे नहीं है। सिंघम अगेन ने बीते 10 दिन में 206.7 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जबकि इसका बजट 350 करोड़ रुपये हैं। फिल्म शुरुआत में बंपर कमाई कर रही थी, लेकिन अब इसका क्रेज कम हो रहा है और फिल्म की कमाई भी धीमी पड़ गई है। ऐसे में लग रहा कि मेकर्स इस फिल्म से अपनी लागत का पैसा भी नहीं निकाल पाएंगे। वहीं भूल भुलैया 3 की बात करें तो उसका बजट भी 150 करोड़ से अधिक बताया जा रहा है। वहीं फिल्म ने 199.5 करोड़ की कमाई कर ली है। आने वाले वक्त में फिल्म 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी। ये फिल्म तगड़ा मुनाफा कमा रही है और ऐसे में मेकर्स की जेब भरने वाली है। अब आपको साउथ की फिल्म अमरन का हाल बताते हैं। इस फिल्म ने 11 दिन में 152.75 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। फिल्म की कमाई धीमी नहीं पड़ रही है, बल्कि रविवार को इसकी कमाई में काफी उछाल देखने को मिला है, फिल्म ने 16 करोड़ का कारोबार किया है। अमरन के बजट पर नजर डालें तो फिल्म 120 करोड़ रुपये में बनी है। ऐसे में फिल्म अभी से मुनाफा देने लगी है और जिस तरह से कमाई में दूसरे हफ्ते में उछाल देखने को मिला है, उससे जाहिर है कि फिल्म की कमाई और बढ़ेगी। इस फिल्म में साई पल्लवी और शिव कार्तिकेय लीड रोल में हैं।

रहस्यों का मायाजाल लेकर आ रहे विपुल अमृतलाल शाह, जानें कब रिलीज होगा हॉरर शो भेद भरम

विपुल अमृतलाल शाह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के ऐसे फिल्मकार हैं, जो दर्शकों के सामने हमेशा अलग तरह की कहानी परोसने में विश्वास रखते हैं। उनकी हर नई फिल्मों में लोगों को हमेशा कुछ नया देखने को मिलता है। कई शानदार फिल्मों के बाद वह दर्शकों के लिए एक नया शो लेकर आ रहे हैं।

इस शो का नाम भेद भरम है। इस हॉरर शो का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। सन साइन पिक्चर्स के सोशल मीडिया हैंडल से साझा किए गए ट्रेलर को देखने के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस सीरीज में लोगों को हॉरर के साथ रहस्यों का मायाजाल भी देखने को मिलेगा। यह शो डीडी नेशनल पर 18 नवंबर को रिलीज किया जाएगा।

यह शो हरकिशन मेहता के लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। मौजूदा समय में हॉरर फिल्में और सीरीज को लोग काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस बीच विपुल शाह भी अपने इस शो के माध्यम से इस शैली में कदम रखने जा रहे हैं। भेद भरम की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें यशपाल शर्मा, अतुल कुमार, गौरव चोपड़ा, ऐश्वर्या सखूजा, वैशाली ए. ठक्कर, विशाल मल्होत्रा, प्रणव मिश्रा, दिव्यांगना जैन, वाणीकी त्यागी और समीर धर्माधिकारी जैसे प्रभावशाली कलाकार नजर आएंगे।

भेद भरम का निर्देशन यूसुफ बसराई ने किया है। इस शो की कहानी हरकिशन मेहता ने लिखी है। शो का निर्माण सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने किया है। वहीं, आशीन ए शाह और रविचंद नल्लप्पा इस शो के सह-निर्माता हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो विपुल अमृतलाल शाह जल्द ही अपनी अगली फिल्म हिसाब लेकर आ रहे हैं। इसे सनशाइन पिक्चर्स और जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म का निर्माण और निर्देशन विपुल अमृतलाल शाह ने किया है। फिल्म में जयदीप अहलावत और शेफाली शाह जैसे शानदार कलाकार नजर आने वाले हैं। इसे इस साल के अंत तक रिलीज करने की योजना है।

रॉकस्टार ने हमेशा के लिए बदल दी अभिनेत्री संजना सांघी की जिंदगी

फिल्म इंडस्ट्री की क्यूट और खूबसूरत अभिनेत्री संजना सांघी खास अंदाज में रॉकस्टार की एनिवर्सरी को सेलिब्रेट कर रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर अपने दिल की बात कही है।संजना सांघी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म रॉकस्टार का एक पोस्टर शेयर किया। अभिनेत्री के द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा हमारी 11 नवंबर 2011 सालगिरह। वह दिन जिसने मेरी जिंदगी की दिशा हमेशा के लिए बदल दी। 13 साल बाद मैं मुंबई में अपने घर में सुबह की चाय पीते हुए, अपने लिविंग रूम में रॉकस्टारळ की रिलीज के दिन से इस शानदार फर्स्ट प्रिंट पोस्टर को देख रही हूं।अभिनेत्री ने आगे लिखा छोटी मैंडी शायद कभी खुद के लिए इसकी कल्पना नहीं कर पाई होगी। रॉकस्टार और सबसे कीमती लोगों और यादों के लिए जो इसने मुझे हमेशा के लिए दिए हैं थैंक्यू। अभिनेत्री ने निर्देशक इम्तियाज अली, एआर रहमान, रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी को टैग करने के साथ रॉकस्टार एनिवर्सरी लिखा।बता दें कि संजना सांघी ने साल 2011 में रिलीज हुई इम्तियाज अली की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म रॉकस्टार के साथ अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उस वक्त संजना की उम्र 14 वर्ष थी। फिल्म में उन्होंने चाइल्ड आर्टिस्ट का रोल प्ले किया था। इसके बाद अभिनेत्री ने फुकरे रिटर्न्स और हिंदी मीडियम में काम किया। संजना सांघी 2018 में आई फिल्म दिल बेचाराळ में नजर आई थीं। द फॉल्ट इन आवर स्टार्स के रूपांतरण फिल्म में संजना के साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत लीड रोल में थे।रॉकस्टार साल 2011 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म है, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला। म्यूजिकल-रोमांटिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया।

बैंड के साथ विदेशी दौरे पर निकले आयुष्मान, संगीत के लिए अभिनय के बराबर जुनूनी हैं अभिनेता

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हैं, जिन्हें उनकी बहुमुखी प्रतिभा की वजह से जाना जाता है। अभिनेता अपने शानदार अभिनय कौशल के अलावा अपनी गायकी और लेखन के लिए भी काफी मशहूर हैं। आज, बुधवार को उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां वे अपने बैंड आयुष्मान भव के साथ 14 नवंबर, 2024 को शिकागो से शुरू होने वाले अपने टूर के लिए रवाना हो रहे थे। अपने इस टूर के दौरान आयुष्मान शिकागो के बाद 24 नवंबर तक न्यूयॉर्क, सैन जोस, न्यू जर्सी और डलास सहित चार अन्य शहरों का दौरा करेंगे।

अपने संगीत के साथ करेंगे विदेशी दौरा

अपनी अनोखी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले आयुष्मान ने लगातार अपने काम के जरिए लोगों को चौंकाया है। फिल्मों से लेकर संगीत तक, उनकी कहानी और विचारों में हमेशा एक ताजगी देखने को मिलती है, जो दर्शकों और श्रोताओं के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान करती है। अब अपने यूएस टूर के साथ अपने संगीत को विदेशों में ले जाते हुए, वे इस आगामी कॉन्सर्ट के साथ अपने प्रशंसकों और समर्थकों से मिलने वाले हैं।

अपने इस टूर को लेकर अभिनेता ने कहा, एक कलाकार के तौर पर, मैं हमेशा ऐसे लोगों से जुड़ने का इंतजार करता हूं, जो मेरे संगीत और फिल्मों की सराहना करते हैं। मुझे उनकी प्रतिक्रियाएं पहली नजर में देखना अच्छा लगता है। मैंने अपने काम के जरिए उन तक पहुंचने के प्रयास करता रहता हूं। संगीत बनाना और ये टूर करना निश्चित रूप से मेरे लिए लोगों से मिलने, बातचीत करने और उनसे जुड़ने का एक बड़ा अवसर है, साथ ही अपने संगीत के जरिए उन्हें यह दिखाने का मौका भी देता है कि मैं कौन हूं, मेरा मूल क्या है। इसके अलावा, मैंने कॉलेज के दिनों में संगीत भी किया है, इसलिए यह मेरे लिए घर वापसी जैसा है।

आयुष्मान खुराना ने कुछ संगीत भी बनाए हैं, जिन्हें काफी पसंद भी किया गया है। उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म 'विक्की डोनर' में 'पानी दा रंग' के साथ एक गायक के रूप में भी शुरुआत की। ये गाना काफी सफल रहा था। संगीत को अपना जुनून बताते हुए, आयुष्मान ने कहा, मैं हमेशा एक अभिनेता बनना चाहता था, लेकिन संगीत मेरा समानांतर जुनून है। हर किसी के लिए समानांतर जुनून होना बहुत जरूरी है और मुझे खुशी है कि मुझे गीत लेखन, गायन और मंच पर प्रदर्शन करने का कौशल मिला है। मंच हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा, क्योंकि जब वहां आप प्रदर्शन करते हैं, तो लोगों को तुरंत संतुष्टि मिलती है। मुझे खुशी है कि मुझे दुनिया भर में अपने प्रशंसकों और बॉलीवुड प्रेमियों के साथ घूमने और बातचीत करने का यह अवसर मिला है।

यह आयुष्मान का अमेरिका में दूसरा दौरा है। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरा दूसरा यूएस दौरा है और मैं बहुत उत्साहित भी हूं, क्योंकि मैं आठ साल बाद वहां अपने गाने को प्रस्तुत करने, बातचीत करने और जीवन और कविता पर चर्चा करने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि लोग इस अनुभव को महसूस करें और जो लोग वहां नहीं आ पाए, उन्हें बताएं कि उन्होंने कुछ खास मिस किया है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो मेरा संगीत उनके दिलों को छू जाता।

12वीं फेल से लेकर अ डेथ इन गंज तक

कैसा रहा विक्रांत मैसी की पिछली पांच फिल्मों का हाल

बीते कुछ समय में विक्रांत मैसी ने अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। हर गुजरते दिन के साथ उनकी लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिल रहा है। वह जल्द ही द साबरमती रिपोर्ट में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही काफी सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी है। फिल्म में वह पत्रकार की भूमिका में हैं, इस किरदार में उन्हें देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक हैं। इस फिल्म की लगातार हो रही चर्चा के बीच आज हम आपको विक्रांत की पिछली पांच फिल्मों की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के बारे में बताने जा रहे हैं।

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 12वीं से विक्रांत को गजब की लोकप्रियता हासिल हुई। कम बजट में बनकर तैयार हुई इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला। विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर हिट साबित हुई। साथ ही, इसे ओटीटी पर भी खूब पसंद किया गया।

फिल्म राम प्रसाद की तेरहवीं में विक्रांत मैसी के साथ मनोज पाहवा, सुप्रिया पाठक, कोंकणा सेन शर्मा और विनय पाठक समेत कई दिग्गज कलाकार नजर आए थे। सीमा पाहवा के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

फिल्म छपाक में दीपिका पादुकोण के साथ विक्रांत मैसी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। साल 2020 में आई इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया था। रिलीज के समय यह फिल्म विवादों में भी घिर गई थी, जिसका असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी देखने को मिला था। कम कमाई की वजह से बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

लिपस्टिक अंडर माई बुर्का में कोंकणा सेन, रत्ना पाठक शाह और अहाना कुमरा के साथ विक्रांत मैसी भी नजर आए थे। साल 2017 में आई इस फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म औसत ही साबित हुई थी।

साल 2017 में आई फिल्म अ डेथ इन गंज में भी विक्रांत मैसी नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन कोंकणा सेन शर्मा ने किया था। फिल्म में गुलशन देवैया, तिलोत्तमा शोम और कल्कि केकलां जैसे कलाकार भी मौजूद थे। इसके बावजूद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा । तरल पदार्थ का सेवन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता–पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा । घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उडद के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्त्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगे वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 15 नवंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 03:00 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 09:55 तक
योग : व्यतिपात प्रातः 07:29 तक
करण : विष्टि सायं 04:39 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 03:17 से
सूर्योदय : 06:21 सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : कार्तिक पूर्णिमा व्रत , भीष्म पंचक व्रत समाप्त , कार्तिक स्नान समाप्त , गुरु नानक जयंती , भद्रा सायं 04:38 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकार जल्द ही मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी और नई फार्मा पॉलिसी लॉन्च करेगी : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आज राइजिंग राजस्थान स्वास्थ्य प्री–समिट में स्वास्थ्य, चिकित्सा और आयुष क्षेत्र के निवेशकों के साथ 16,176 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए। आज किए गए एमओयू के साथ ही ङराइजिंग राजस्थानफ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बैनर तले स्वास्थ्य क्षेत्र में हस्ताक्षरित कुल निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 25,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

आज किए गये एमओयू में स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए, जबकि आयुष क्षेत्र में 2,157 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, राजनिवेश पोर्टल पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में 57,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन प्रस्तावों के परियोजनाओं में परिवर्तित होने से राज्य में 6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करके हमारी सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि हम न केवल न केवल एमओयू पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं बल्कि अगले 3–4 वर्षों में उन्हें धरातल पर भी उतारने जा रहे हैं और इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के सभी निवेशकों – छोटे और बड़े – का हमारे राज्य में स्वागत है, क्योंकि वे सभी अंततः जमीनी स्तर पर आम नागरिक की सेवा करेंगे और राज्य को एक स्वस्थ कार्यबल प्रदान करेंगे।आयुष क्षेत्र में हुए 2,157 करोड़ रुपये के एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि हमने आयुष क्षेत्र में बड़ी संख्या में एमओयू किए हैं। आयुष न केवल भारत की विरासत और पहचान है, बल्कि यह दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति और सदियों पुराने ज्ञान को भी प्रदर्शित करता है। दुनिया भर के लोग आयुष की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं।गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है। राज्य की 88% आबादी बीमा के दायरे में है, जो देश में सबसे अधिक है। राज्य के 2024–25 के बजट में भी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक 28,000 करोड़ रुपया आवंटित किया गया है, राज्य के कुल बजट का 8.26% से अधिक है। सरकार राज्य की चिकित्सा पर्यटन क्षमता को अनलॉक करने के लिए नई फार्मा पॉलिसी और मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी भी लॉन्च करने जा रही है।स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र के महत्व के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश किया गया एक–एक रुपया जनता की पीड़ा और दर्द को कम करने और उनके चेहरों पर मुस्कान लाने की दिशा में काम करेगा। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान देने वाला हर व्यक्ति मानवता की सेवा कर रहा है।

आज किए गए एमओयू के जरिए निवेशकों ने जयपुर, अजमेर, जोधपुर, राजसमंद, सीकर, सिरोही सहित राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में फार्मा इकाइयां, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, होम्योपैथी और आयुर्वेद कॉलेज, आयुष अनुसंधान पंचकर्म केंद्र, उन्नत आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।इस अवसर पर मौजूद राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा, इतनी बड़ी संख्या में एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा पिछले 11 महीनों में शुरू की गई नीतियों के प्रयासों और प्रभावों को दर्शाता है। यह नये निवेश न केवल राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए नए स्वास्थ्य सेवा संस्थान, मेडिकल कॉलेज और वेलनेस सेंटर लाएंगे, बल्कि युवाओं के लिए लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।इस अवसर पर बोलते हुए, राजस्थान सरकार की चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौर ने कहा, राजस्थान अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, आकर्षक नीतियों और कुशल कार्यबल के कारण स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में निवेश का एक प्रमुख गंतव्य बन गया है। प्रसव से लेकर उपशामक (पैलिएटिव) देखभाल तक, जीवन के सभी चरणों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम को संबोधित करने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भारत सरकार के आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, इंडो यूरोपियन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विवेक गुप्ता, आंध्र प्रदेश मेडटेक ज़ोन लिमिटेड के एमडी और संस्थापक सीईओ डॉ. जितेंद्र शर्मा, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (प्रोफेसर) अतुल कोतवाल शामिल थे।

कार्यक्रम के अंत में राजस्थान सरकार के चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने कहा कि बड़ी संख्या में एमओयू पर हस्ताक्षर के साथ स्वास्थ्य प्री–समिट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और विभाग अब इन निवेश प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की दिशा में काम करेगा।

राजस्थान हाईकोर्ट में भारतीय रेलवे की सुरक्षा पर गंभीर संकट और अवैध गठजोड़ के खिलाफ याचिका

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां) । रेलवे में मालगाड़ियों के ब्रेक सिस्टम को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में दायर याचिका में कई सवाल खड़े किए हैं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर इस तात्कालिक जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने अधिकारियों तथा विभिन्न कंपनियों और उसके लाइसेंसधारियों के बीच अवैध गठजोड़ के कारण उत्पन्न हुई प्रणालीगत सड़न को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस गठजोड़ ने न केवल सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया है, बल्कि भारतीय रेलवे के पूरे रेल नेटवर्क की सुरक्षा, कर्मचारियों के जीवन, और आम जनता की सुरक्षा को भी गंभीर खतरे में डाल दिया है। इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है ।राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ में प्रार्थीगण एडवोकेट हरि सिंह, नवदीप सिंह, वैष्णवी वर्मा ने एडवोकेट प्रवीण बलवदा एडवोकेट एवं एडवोकेट भावना चौधरी बलवदा के ज़रिए यह जनहित याचिका राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष पेश की है ।इसमें प्रतिवादी के रूप में भारत संघ के अध्यक्ष एवं सीईओ, महानिदेशक अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन, यूपी लखनऊ, मेसर्स नॉर–ब्रेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। मेसर्स प्राग रबर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (मेसर्स का लाइसेंसधारी नॉर–ब्रेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), मेसर्स मेधा रेलवे इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (मेसर्स नॉर–ब्रेम्स का लाइसेंसधारी) इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) को शामिल किया गया है।

याचिकाकर्ता के एडवोकेट प्रवीण बलवाद ने बताया कि ङद इंडियन एक्सप्रेसफ में 24 नवंबर 2022 को प्रकाशित एक समाचार लेख से उन्हें पता चला कि पिछले एक साल में 80 से अधिक मामलों में मालगाड़ियों ने अनियमित ब्रेकिंग सिस्टम की वजह से सिग्नल जंप किया। यह सिस्टम जिसे ङबोगी–माउंटेड ब्रेक सिस्टमफ (बीएमबीएस) कहा जाता है, संबंधित कंपनी द्वारा भारतीय रेलवे को आपूर्ति किया गया था। इसके अलावा, 16 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्टेशन पर एक और दुर्घटना हुई, जहां दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं, और इसका कारण फिर से वही दोषपूर्ण बीएमबीएस बताया गया। वहीं याचिका में बताया गया है कि टेंडर प्रक्रिया भी कभी भी नियमानुसार नहीं हुई है ।वकील प्रवीण बलवदा का तर्क था कि संदेह की गहराई इस बात से और बढ़ जाती है कि आपूर्ति किए गए बीएमबीएस में दोष पाए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे बोर्ड ने विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि रेलवे कर्मचारियों की यूनियनें इस दोषपूर्ण ब्रेकिंग सिस्टम के खिलाफ लगातार विरोध कर रही थीं, लेकिन इसके बावजूद, ङभारतीय रेलवेफ ने उचित कार्रवाई नहीं की और लोको पायलटों को दुर्घटनाओं के लिए दोषी ठहराया।याचिकाकर्ता का कहना है कि आपूर्ति किए गए ब्रेक सिस्टम का डिज़ाइन और अन्य विवरण बिना उचित परीक्षण के मंज़ूर कर लिया गया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि रेलवे बोर्ड ने जानबूझकर इस खतरनाक प्रणाली को मंजूरी दी, जिसके कारण पिछले कई सालों में दुर्घटनाएं हुईं और रेलवे कर्मचारियों एवं यात्रियों की जान को खतरा पैदा हुआ।इस तात्कालिक जनहित याचिका के माध्यम से याचिकाकर्ता के वकील प्रवीण बलवदा न्यायालय से यह आग्रह किया है कि वह इस मामले की गंभीरता को समझे और तत्काल हस्तक्षेप कर इस अवैध गठजोड़ के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दे। याचिकाकर्ता ने भारतीय रेलवे की सुरक्षा, कर्मचारियों के जीवन और आम जनता की रक्षा की खातिर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।यह मामला न केवल भारतीय रेलवे की सुरक्षा की गंभीरता को उजागर करता है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों के बीच अवैध गठजोड़ के कारण देश की सुरक्षा कैसे खतरे में डाली जा रही है।

एसडीएम को थप्पड़ मारने का मामला

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा गिरफ्तार,समर्थकों का हंगामा, आगजनी व पथराव

टोंक, 14 नवंबर (एजेंसियां) । राजस्थान के देवली–उनियारा उपचुनाव के दौरान विवाद में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद उनके समर्थकों ने पुलिस को घेरकर हिंसक प्रदर्शन किया। पुलिस ने समरावता गांव में भारी बल तैनात कर स्थिति पर काबू पाया। उधर, घटना के विरोध में प्रदेश भर के प्रशासनिक अधिकारियों ने पेनडाउन हड़ताल का ऐलान किया और मुख्यमंत्री से मुलाकात की मांग की है।

इस घटना के बाद से गांव में तनाव और बढ़ गया है। नरेश मीणा के समर्थकों ने समरावता में पुलिस पर पथराव किया और आगजनी की। हिंसा में 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें 10 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने एसपी विकास सांगवान की गाड़ी पर भी हमला किया, जिससे हालात और बिगड़ गए।

इस घटना की निंदा करते हुए आईएएस एसोसिएशन और अन्य संगठनों ने कड़ा रुख अपनाया है। आईएएस एसोसिएशन के प्रतिनिधि समित शर्मा ने मुख्य सचिव को पत्र लिखते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश भर में प्रशासनिक अधिकारी हड़ताल पर हैं और मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांग रहे हैं ताकि इस मामले में ठोस कार्रवाई हो सके।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कांग्रेस की हार पर किया पलटवार

विपक्ष की हालत पर उठाए सवाल

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां) । राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने भाजपा और ईवीएम के विवाद पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार जहां बनती है, वहां ईवीएम को सही माना जाता है, और जहां हार जाती है, वहां ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया जाता है। चौधरी ने इस पर जोर देते हुए कहा, सच तो यह है कि लोग अब इन लोगों को समझ चुके थे। इन लोगों ने किसी को भी आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया और अपने घर भरने की सोचते रहे।कांग्रेस सांसद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग भाजपा सरकार के कामकाज को देख चुके थे, उनकी नीतियों को समझ चुके थे, और यही कारण था कि उन्होंने तीसरी बार भाजपा को सत्ता दी।कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, इस पर भी किरण चौधरी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की स्थिति को दर्शाता है। हुड्डा खुद नेता प्रतिपक्ष बनना चाहते हैं या अपने किसी चहेते को बनवाना चाहते हैं, चौधरी ने कहा।चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के हारने के कारण अब विपक्षी पार्टी के नेता ईवीएम को दोष दे रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि पार्टी के भीतर की स्थिति ने ही उन्हें हारने की स्थिति में डाला।

चौधरी ने यह भी कहा कि हरियाणा में नई विधानसभा की आवश्यकता है और इसको लेकर पंजाब की राजनीतिक पार्टियों के विरोध से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, जब हरियाणा का परिसीमन होगा तो हमें नई विधानसभा की आवश्यकता होगी, ताकि राज्य की राजनीतिक और प्रशासनिक जरूरतें पूरी की जा सकें।

इस देश में कोई माई लाल पैदा नहीं हुआ है जो किसानों को विभाजित कर सके : उपराष्ट्रपति

पुष्कर, 14 नवंबर (एजेंसियां) । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 105 वें राष्ट्रीय जाट अधिवेशन में अपने सम्बोधन में किसान समुदाय को बाँटने की साजिश करने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि, कई लोग ये भी बात करे हैं, पता नहीं क्यों करे हैं। सही रास्ता नहीं है उनका, वो किसान वर्ग के ही लोग हैं कि हम तो 35 बनाम 1 कर देंगे। इस देश में कोई माई लाल पैदा नहीं हुआ है जो किसान में विभाजन कर सके।धनखड़ ने कहा कि जाट समाज को किसान समाज का महत्वपूर्ण अंग और किसान समाज की आत्मा के समान बताते हुए उन्होंने कहा, जाट समाज किसान वर्ग का महत्वपूर्ण अंग है देशभर में। किसान को जातियों में बांटने की एक साजिश है ताकि एक विशेष वर्ग, और खुलकर कहूंगा , अपने जाटों को अलग कर दें। अरे कभी दिल शरीर से अलग नहीं हुआ है। पर हम तो दिल कहां है, हम तो आत्मा हैं, किसान वर्ग की आत्मा है। इस आत्मा का सृजन, इस आत्मा का संरक्षण, हमको करना है।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया की की जाट समाज एक किसान समाज है और उसमे भाईचारे की पहचान किसान है एवं जाट हमेशा किसान के नाम से ही जान जाता है एवं स्वयं उन्हें भी लोग किसान पुत्र के तौर पर ही जानते हैं।जाट और किसान समाज के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धनखड़ ने कहा, किसानों के लिए मेरे घर के दरवाज़े 24 घंटे खुले हैं। जिस समाज ने मुझे इस पद पर भेजा है, उस समाज का मैं सबसे पहला सेवक हूँ, उस समाज की पूजा करने में कोई कमी नहीं आएगी और मेरा संकल्प है किसान वर्ग को खंडित करने की योजना करने वाले लोगों के नापाक इरादे कभी कामयाब नहीं हो सकते।

किसान वर्ग के संगठित रहने पर ज़ोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, किसान वर्ग का संगठित रहना राष्ट्रवाद के लिए सबसे अच्छा है, किसान राष्ट्र का प्रतीक है, देश पर कोई भी संकट आएगा, किसान अपनी छाती पर झेलेगा। मैं जानता हूँ कुछ समस्याएं हैं, उन समस्याओं का निराकरण होना चाहिए। उसमें देरी हुई, वो हट सकती थीं। आज मैं यहां से आह्वान करता हूँ देश भर के किसानों को, पुष्कर की इस भूमि से, आपकी समस्याओं के समाधान के लिए मैं एक सिपाही हूँ। मेरे दरवाज़े चौबीसों घंटे खुले हैं, मिल बैठ कर बात करेंगे, समस्या का हल निकालेंगे, हम इस देश के हैं, यह देश हमारा है, हम वो लोग हैं, जो धरती से सोना पैदा करते हैं।

वीर तेजा जी, महाराजा सूरजमल , राजा महेंद्र प्रताप, पूजनीय नाथू राम मिर्धा जी की कीर्ति और यश का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने मौजूद लोगों से आग्रह किया कि वे आने वाली पीढ़ी में नैतिक मूल्यों का सृजन करें और उन्हें सही रास्ता दिखाए। इसी के साथ उन्होंने अपने परिवार, कुटुंब, वातवरण का ख्याल रखने और अपने कर्तव्यों का पालन करने पर भी ज़ोर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.